शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 173 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 13 जनवरी, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

सिंचाई मंत्री ने की ब्रह्मपुत्र रिवर हेरिटेज सेंटर के विस्तार परियोजना की समीक्षा पेज 3
ग्लोबल साउथ मिलकर वैश्विक राजनीतिक व वित्तीय प्रशासन को नया ... पेज 4
जनप्रतिनिधियों के नेतृत्व में निवेशक सम्मेलन आयोजित ..... पेज 5
पूर्व नियोजित संगठित व्यवधान लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं : ओम बिरला पेज 8

त्रिपुरा में स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से होगा विस चुनाव : मुख्य चुनाव आयुक्त

अगरतला (हिंस)। चुनाव आयोग त्रिपुरा चुनावों के पिछले सभी अनुभवों से समृद्ध हुआ है। इसलिए अगला विधानसभा चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से कराया जाएगा। यह बात भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने गुरुवार को त्रिपुरा का दौरा करने के बाद एक संवाददाता सम्मेलन में कही। राजीव कुमार ने बताया कि चुनाव आयोग ने कल सभी राजनीतिक दलों, जिलाधिकारी, जिला पुलिस अधीक्षक, निर्वाचन अधिकारी, पुलिस महानिदेशक, मुख्य सचिव और अन्य के साथ बैठक की है। विधानसभा चुनाव की तैयारियों की जानकारी दी गई है। उसमें कहा गया है कि त्रिपुरा में विधानसभा चुनाव के लिए सभी तैयारियां ठीक से कर ली गई हैं। त्रिपुरा में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव की स्थिति है। इस स्थिति को बनाए रखने के लिए चुनाव से जुड़े सभी लोगों को सख्त हिदायत दी गई है। आयोग इस संबंध में सभी का सहयोग मांग रहा है। राजीव कुमार ने बताया कि देश के ज्यादातर राज्यों में चुनाव से पहले और चुनाव के बाद हिंसा कम हुआ है। चुनाव से जुड़े सभी लोगों को बताया गया है कि प्रत्येक राजनीतिक दल को चुनाव में भाग लेने का अवसर दिया जाना चाहिए। मतदाताओं को भयमुक्त वातावरण में मतदान के अधिकार की गारंटी दी जाए। अगर वे इस मामले में लापरवाही करते हैं तो उन्हें जवाब देना होगा। जरूरत पड़ी तो आयोग सख्त कार्रवाई करेगा। मुख्य चुनाव आयुक्त ने बताया कि सभी मतदान केंद्रों पर केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की तैनाती की जाएगी। ईवीएम की निगरानी के लिए भी सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जाएंगे। यहां तक कि केंद्रीय अर्धसैनिक बल सभी चेकपोस्टों और नाका बिंदुओं पर सुरक्षा के प्रभारी होंगे। केंद्रीय बलों की तैनाती की जिम्मेदारी पर्यवेक्षकों की होगी। प्रत्याशियों तथा पोलिंग एवं मतगणना अभिकर्ताओं की सुरक्षा जिलाधिकारी एवं जिला पुलिस अधीक्षक द्वारा सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने बताया कि एसडीएम के कार्यालय में निर्वाचन संबंधी शिकायतों की रिपोर्ट देने की व्यवस्था होगी। ईवीजीआईएल ऐप्स के माध्यम से भी शिकायतें की जा सकती हैं। साथ ही 50 फीसदी मतदान केंद्रों पर वेब कास्टिंग सिस्टम होगा। ऐसे में चुनाव अधिकारियों को यह सुनिश्चित करना होगा की सभी कैमरे चालू रहें। सभी बूथों पर एक माइक्रो ऑब्जर्वर होगा। वह केंद्रीय कर्मचारी होंगे। उन्होंने साफ किया कि चुनाव प्रचार की अवधि खत्म होने के बाद कोई सभा या प्रचार नहीं किया जा सकता है। यहां तक कि राजनीतिक दलों को भी चुनाव में विज्ञापन के लिए एमसीएमसी कमेटी की मंजूरी लेनी पड़ेगी। साथ ही बताया कि फेक न्यूज की सत्यता की जांच के लिए एक टीम बनाई जाएगी। इस मामले में जरूरत पड़ी तो आयोग सख्त कार्रवाई करेगा। इसके अलावा मादक पदार्थों की तस्करी, अवैध वित्तीय लेन-देन पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी। राजीव कुमार ने बताया कि आगामी चुनावों में महिलाओं, दिव्यांगों -शेष पृष्ठ दो पर

स्वामी विवेकानंद वेदांत के महान अधिवक्ता रहे : सीएम

गुवाहाटी (हिंस)। स्वामी विवेकानंद की जयंती पर उन्हें विभिन्न प्रकार से श्रद्धांजलि देने के लिए कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी श्रृंखला में मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व शर्मा ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए कहा है कि वेदांत के सबसे महान अधिवक्ताओं में से एक स्वामी विवेकानंद 19वीं शताब्दी के प्रतिष्ठित व्यक्ति थे, जिन्होंने दुनिया भर में लाखों लोगों को प्रभावित किया। उन्होंने कहा है कि स्वामी जी की जयंती राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाई जाती है। मैं उनकी जयंती पर अपने युवाओं से आग्रह करता हूं कि वे उनके सिद्धांतों का पालन करें और मां भारती के उद्देश्य के लिए स्वयं को समर्पित करें।

मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा से नगालैंड के सीएम नेफ्यू रियो ने की मुलाकात

गुवाहाटी (हिंस)। नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो गुरुवार को असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व शर्मा से उनके गुवाहाटी स्थित सरकारी अवासा पर मुलाकात की। इस दौरान दोनों मुख्यमंत्रियों ने विभिन्न मुद्दों पर आपस में चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए इसकी जानकारी साझा की है। उन्होंने कहा है कि मेरे निवास पर मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो से मिलकर बेहद खुशी हुई। हमने आपसी हितों के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने कहा -शेष पृष्ठ दो पर

आम आदमी के लिए राहत की खबर

साल के सबसे निचले स्तर पर खुदरा महंगाई

नई दिल्ली। दिसंबर महीने में खुदरा महंगाई दर में गिरावट दर्ज की गई है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने गुरुवार को खुदरा महंगाई दर से जुड़े कुछ आंकड़े पेश किए हैं। आंकड़ों के अनुसार दिसंबर महीने में भारत की खुदरा महंगाई दर में नवंबर के मुकाबले कमी आयी है। इसे उपभोक्ता मूल्य सूचकांक द्वारा मापा जाता है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक दिसंबर महीने में खुदरा महंगाई दर 5.72 प्रतिशत रही है जो नवंबर में 5.88 प्रतिशत थी। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा जारी इन आंकड़ों के मुताबिक दिसंबर महीने में खान-पीने की चीजों की महंगाई दर में -शेष पृष्ठ दो पर

राष्ट्रीय युवा महोत्सव 2023 हर क्षेत्र में रखी गई मजबूत बुनियाद : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कर्नाटक के हुबली में 12 जनवरी से शुरू होने वाले राष्ट्रीय युवा उत्सव का उद्घाटन किया। इससे पहले उन्होंने रोड शो के दौरान लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। हुबली में युवा महोत्सव के उद्घाटन के बाद अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वामी विवेकानंद के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि उठो, जागो और लक्ष्य से पहले मत रुको विवेकानंद जी का यह उद्घोष भारत के युवाओं का जीवन मंत्र है। हुबली में रोड शो के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा में चूक की बड़ी घटना भी देखने में आई। रोड शो के दौरान एक शख्स अचानक उनके वाहन के नजदीक पहुंच गया और उन्हें माला पहनाने की कोशिश की। हालांकि सतर्कता बरतते हुए पीएम की सुरक्षा में तैनात जवान उसे किनारे खींच ले गए। इस मुद्दे पर हुबली के पुलिस कमिश्नर ने सुरक्षा में सेंधमारी से इनकार किया है। उनका कहना है कि प्रधानमंत्री की सुरक्षा में कोई चूक नहीं हुई है। पीएमओ ने कहा कि महोत्सव के दौरान युवा शिखर सम्मेलन का आयोजन होगा, जिसमें जी-20 के अलावा काम, उद्योग और नवाचार के भविष्य, 21 वीं सदी के कौशल, जलवायु परिवर्तन और आपदा जोखिम में कमी, लोकतंत्र और शासन में साझा भविष्य और स्वास्थ्य व कल्याण जैसे विषयों पर चर्चा -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वांचल केশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

दो सौ से अधिक हवाई यात्री मिले कोरोना संक्रमित : मांडविया

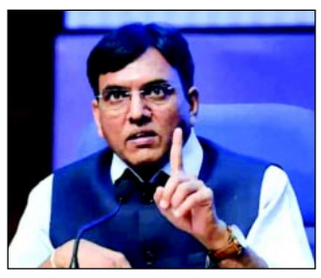

नई दिल्ली, पीटीआई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने बुधवार को कहा कि अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डों पर रैंडम सैंपलिंग के दौरान 200 से अधिक हवाई यात्रियों को कोराना पाजिटिव पाया गया। इनमें से कई सैंपल में बीएफ-7 वेरिएंट की पुष्टि हुई है। मांडविया ने एक किताब के विमोचन से इतर कहा कि 15 लाख से अधिक हवाई यात्रियों की कोरोना जांच की गई। जिनमें से 200 से अधिक यात्री कोराना पाजिटिव पाए गए। जीनोम सीक्वेंसिंग के लिए भेजे गए उनके सैंपल से पता चला कि कई यात्रियों में बीएफ-7 सब वैरिएंट मिले। हमारे टीके बीएफ-7 वैरिएंट से लड़ने के लिए कारगर हैं। केंद्रीय दवा नियामक प्राधिकरण ने कोवोवैक्स -शेष पृष्ठ दो पर

कर्नाटक में पीएम मोदी की सुरक्षा में बड़ी चूक

हुबली। कर्नाटक में गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा में बड़ी चूक सामने आई। कर्नाटक के हुबली में पीएम मोदी रोड शो कर रहे थे। पीएम मोदी के रोड शो के दौरान एक युवक ने उनकी सुरक्षा घेरा तोड़कर उन्हें माला पहनाई। हालांकि, सुरक्षाकर्मियों ने युवक को बाहर निकाल दिया, लेकिन इसे पीएम मोदी की सुरक्षा में चूक माना जा रहा है। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को यहां राष्ट्रीय युवा महोत्सव का उद्घाटन करने से ठीक पहले रोड शो किया। इस दौरान, सड़क के दोनों ओर खड़े होकर लोगों ने उनका स्वागत किया। वहीं, पीएम मोदी अपनी चलती कार के रनिंग बोर्ड पर खड़े होकर भीड़ का अभिवादन स्वीकार करते हुए सबका धन्यवाद कियाइसके साथ ही लोग मोदी, मोदी और भारत माता की जय के नारे लगाते हुए देखे गए। इसी दौरान, भीड़ से निकलकर एक युवक पीएम की कार तक पहुंच गया और उन्हें माला पहनाने की कोशिश करने लगा, जिसे सुरक्षा में चूक माना -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

जी20 अध्यक्षता में एजेंडा सेट करने में बहुत कुशल रहा भारत : नीदरलैंड

एम्स्टर्डम। नीदरलैंड के एक जी20 प्रतिनिधि एलेक्जेंड्रा लुइसजून ने कहा कि भारत अपनी जी20 अध्यक्षता के तहत एजेंडा सेट करने में बहुत कुशल रहा है। कोलकाता में 9-11 जनवरी को होने वाली जी20 ग्लोबल पार्टनरशिप फॉर फाइनेंशियल इनक्लूजन (जीपीएफआई) बैठक में विभिन्न देशों के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। एलेक्जेंड्रा लुईजून ने कहा कि मुझे लगता है कि भारत एजेंडा सेट करने और चर्चाओं में हमारा मार्गदर्शन करने में बहुत कुशल रहा है। मुझे लगता है कि भारत सब कुछ अच्छी तरह से करता है। एलेक्जेंड्रा लुईजून ने इसे दो दिनों का शानदार अनुभव बताते हुए कहा कि यह सबसे दिलचस्प रहा है और भारत प्रतिनिधियों के लिए बहुत उदार है। आतिथ्य जबरदस्त है, कार्यक्रम बहुत अच्छी तरह से डिजाइन किया गया है। हमारा -शेष पृष्ठ दो पर

नूपुर को मिला बंदूक रखने का लाइसेंस

नई दिल्ली। नूपुर शर्मा जून 2022 में एक टीवी डिबेट के दौरान पैगंबर मुहम्मद पर टिप्पणी के बाद सुर्खियों में आयी थीं। नूपुर : भाजपा की पूर्व प्रवक्ता नूपुर शर्मा को दिल्ली पुलिस ने निजी तौर पर बंदूक रखने का लाइसेंस दे दिया है। जून 2022 में एक टीवी डिबेट के दौरान पैगंबर मोहम्मद पर उनकी टिप्पणियों के बाद से उन्हे धमकियां मिल रही थीं। नूपुर शर्मा ने अपनी सुरक्षा बंदूक के लाइसेंस के लिए आवेदन किया था। दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी ने गुरुवार को लाइसेंस दिए जाने की पुष्टि की है। नूपुर शर्मा की पैगंबर मुहम्मद को लेकर की -शेष पृष्ठ दो पर

पीएम मोदी का लक्ष्य भारत को विश्व की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनाना

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनका लक्ष्य भारत को विश्व की तीन सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल करना है और इस आर्थिक विकास से युवाओं के लिए असंख्य अवसर पैदा होंगे। यहां राष्ट्रीय युवा महोत्सव का उद्घाटन करने के बाद अपने संबोधन में मोदी ने युवाओं को भारत की यात्रा का प्रेरक शक्ति बताया और कहा कि उनके सपने व उनकी आकांक्षाएं अगले 25 साल में भारत की मंजिल तय करेंगी। उन्होंने कहा कि आज हम दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं और हमारा लक्ष्य भारत को विश्व की तीन सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल करना है। देश का यह आर्थिक विकास हमारे युवाओं के लिए असंख्य अवसर लाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज पूरी दुनिया भारत की तरफ उम्मीदों की नजर से देख रही है और भारत में निवेश को आतुर है क्योंकि उसके पास दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी है। उन्होंने कहा कि आज भारत कृषि के क्षेत्र में दुनिया की अग्रणी ताकत है और आने वाले समय में इस क्षेत्र में प्रौद्योगिकी और नवोन्मेष से एक नई क्रांति आने वाली है। उन्होंने कहा कि इसमें युवाओं के लिए नए अवसर पैदा होंगे, नई ऊंचाइयों पर जाने के लिए नए रास्ते खुलेंगे। खेल के क्षेत्र में भी आज भारत दुनिया की एक बड़ी शक्ति बनने की तरफ अग्रसर हो रहा है। यह भारत के युवाओं के सामर्थ्य के कारण ही संभव हो पा रहा है। आज गांव हो शहर हो या कस्बा, हर जगह उफान पर है, युवाओं का जज्बा। मोदी ने कहा कि उनके नेतृत्व वाली सरकार ने पिछले आठ-नौ वर्षों में एक मजबूत आधारशिला तैयार की है और इसी वजह से दुनिया में भारत को लेकर -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात
वृद्धजन की सेवा ही विनय का आधार है।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

राम सेतु पर केंद्र सरकार साफ करेगी रुख

नई दिल्ली। भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने सुप्रीम कोर्ट से राम सेतु को राष्ट्रीय धरोहर घोषित करने के लिए सरकार को निर्देश देने की मांग की है। स्वामी की याचिका पर जवाब देने के लिए केंद्र सरकार ने अदालत से फरवरी के पहले हफ्ते तक समय मांगा है। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और पीएस नरसिम्हा की बेंच ने सरकार को जवाब दाखिल करने के लिए समय दे दिया है। मामले में सुनवाई अब फरवरी के दूसरे हफ्ते में होगी। स्वामी ने अपनी याचिका में कहा कि सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने वादा किया था कि 12 दिसंबर 2022 तक जवाब -शेष पृष्ठ दो पर

एलएसी पर हालात स्थिर, लेकिन कभी भी बदल सकते हैं : आर्मी चीफ

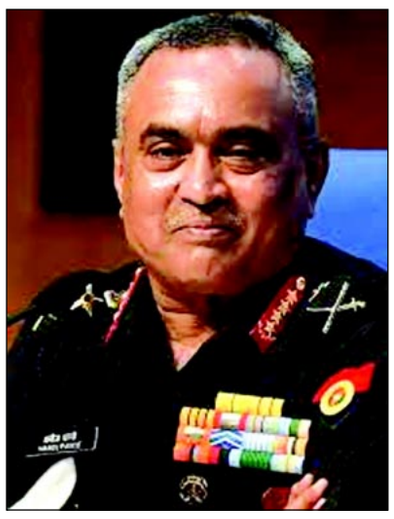

नई दिल्ली। भारतीय सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने गुरुवार को कहा कि चीन की देश की उत्तरी सीमाओं पर हालात काबू में हैं, लेकिन अप्रत्याशित हैं। यानी यहां हालात कभी भी बदल सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमें सात बेहद गंभीर मुद्दों में से पांच को हल करने में कामयाबी मिली है। सैन्य और राजनयिक दोनों लेवल पर बातचीत भी जारी है। हालांकि सेना प्रमुख ने अपनी बातचीत में चीन का नाम नहीं लिया। उन्होंने कहा कि वे एलएसी की मौजूदा स्थिति को बदलने के लिए हो रही किसी भी कोशिश को नाकाम करने में सक्षम हैं। इसके लिए उनके पास मजबूत सेना और हथियार मौजूद हैं। यह बातें सेना प्रमुख जनरल पांडे ने नई दिल्ली में 15 जनवरी को मनाए जाने वाले आर्मी डे से पहले होने वाली प्रेस कांफ्रेंस में कहीं। उन्होंने कहा कि इस बार ये इसलिए भी खास है क्योंकि यह आजादी का 75वां साल है। जनरल मनोज पांडे ने कहा- हमने भारतीय सेना में परिवर्तन करने का फैसला लिया है। और यह बदलाव 5 डोमेन में होगा। जिसमें फोर्स की रिस्ट्रक्चरिंग, ऑप्टिमाइजेशन, मॉडर्नाइजेशन, टेक्नोलॉजी इन्फ्यूजन और ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट फिलॉसफी जैसे डोमेन शामिल हैं। जोशीमठ भू-धंसाव पर जनरल पांडे ने कहा- सेना की 25-28 इमारतों में मामूली दरारें आ गई हैं। सैनिकों को अस्थायी रूप से शिफ्ट कर दिया गया है। अगर जरूरत पड़ी तो उन्हें औली में स्थाई तौर पर तैनात करेंगे। जोशीमठ से माणा जाने वाली रोड पर कुछ दरारें हैं। इससे हमारे ऑपरेशन्स पर कुछ असर नहीं पड़ा है। बाईपास रोड का काम अस्थायी रूप से रोक दिया गया है। जहां तक स्थानीय लोगों को मदद पहुंचाने की बात है तो हमने अपने अस्पताल, हेलीपैड आदि सिविल प्रशासन को दिए हैं जिससे वे लोगों को अस्थाई तौर पर विस्थापित कर -शेष पृष्ठ दो पर

लगातार दूसरे दिन भी झारंखड में ब्लास्ट, दो जवान घायल

झारखंड। चाईबासा के टोंटो में लगातार दूसरे दिन भी लैंडमाइन ब्लास्ट में 2 जवान घायल हो गए है। बताया जा रहा है कि घायल जवानों को रांची लाया गया। सीआरपीएफ के जवानों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। विस्फोट के बाद गोलियां चलाई। पिछले कुछ दिनों से चाईबासा पुलिस, सीआरपीएफ, कोबरा बटालियन इलाके में सर्च ऑपरेशन चला रही थी। घायल जवान अमरेश सिंह, सौरव कुमार, संतोष सिंह कोबरा बटालियन के बताए जा रहे है। नक्सालियों के खिलाफ चलाए जा रहे सर्च अभियान के दौरान अचानक आईईडी में ब्लास्ट हुआ।

म्यांमार : अंदरूनी हवाई हमला, भारत में कोई बम नहीं गिरा : असम राइफल्स

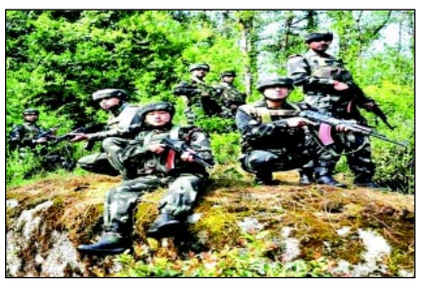

नई दिल्ली। असम राइफल्स (एआर) ने बृहस्पतिवार को कहा कि दक्षिण-पूर्व एशियाई राष्ट्र की सीमा के भीतर चिन विद्रोही शिविरों पर म्यांमार सेना द्वारा किए गए हवाई हमले के दौरान सीमा के भारतीय क्षेत्र में कोई विस्फोट नहीं हुआ। असम राइफल्स का यह बयान तब सामने आया है, जब स्थानीय लोगों ने दावा किया है कि हमले के दौरान मिजोरम के चम्फाई जिले में एक बम गिराया गया था। भारत-म्यांमा सीमा की रक्षा करने वाले एआर के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पड़ोसी देश में कई विस्फोट हुए थे। चम्फाई जिले के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि विवरण के गहन -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

दुनिया को संवेदनशील बनना होगा : जयशंकर

नई दिल्ली (हि.स.)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार को कहा कि दुनिया को विकासशील देशों की जरूरतों के प्रति संवेदनशील बनना होगा। इसके लिए ऋण के बोझ तले दबाने वाली परियोजनाओं की बजाए इन देशों को उनकी जरूरतों और विकास के लिए जरूरी सहयोग देना होगा। विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने आज वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट के विदेश मंत्रियों के सत्र को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान की विश्व व्यवस्था में वैश्विक दक्षिण की जरूरतों और आकांक्षाओं को महत्व नहीं दिया जाता। कोविड, खाद्य व ऊर्जा सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन, आतंकवाद, संघर्ष, ऋण संकट जैसे मुद्दों पर भेदभाव पूर्ण व्यवहार किया गया है। इसलिए भारत स्व-केंद्रित वैश्वीकरण की बजाए मानव-केंद्रित वैश्वीकरण चाहता है। भारत चाहता है कि सामाजिक परिवर्तन के लिए वैश्विक दक्षिण-नेतृत्व वाले नवाचारों को लागू किया जाए। वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट को विदेश मंत्री ने विकासशील देशों के सरोकारों, दृष्टिकोणों और प्राथमिकताओं को साझा करने का एक मंच बताया और कहा कि भारत के जी-20 की अध्यक्षता ग्रहण करने से इसका महत्व और भी बढ़ जाता है। जयशंकर ने कहा कि भारत का रिकॉर्ड बोलता है। 78 देशों में हमारी विकास परियोजनाएं मांग-संचालित, पारदर्शी, सशक्तिकरण उन्मुख, पर्यावरण के अनुकूल हैं और एक परामर्शी दृष्टिकोण पर निर्भर हैं। भारत सभी की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करता है। उन्होंने कहा कि हम विकेंद्रीकरण और वैश्वीकरण के जोखिम को कम करने की दिशा में काम करेंगे। इसमें अधिक राष्ट्रों के लिए अधिक अवसर, स्थानीयकरण को बढ़ावा देने की प्रबल इच्छा, कनेक्टिविटी में सुधार और आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आपूर्ति श्रृंखलाओं

कृषि उत्पाद की बिक्री 2022 में लगभग 180 करोड़ रु. तक पहुंची

नई दिल्ली (विभास)। आज मास्टरकार्ड ने घोषणा करके बताया कि इसने अपने स्केलेबल ग्रामीण एवं कृषि डिजिटाईजेशन समाधान, फार्म पास द्वारा भारत में एक मिलियन से ज्यादा छोटे भूमिधारक किसानों को लाभान्वित किया है। फार्म पास का उपयोग कर मास्टरकार्ड ने साल 2022 में लगभग 180 करोड़ रु. के कृषि उत्पाद की बिक्री की। लॉरेंसडेल एग्रो प्रोसेसिंग इंडिया (लीफ) और बेसिक्स सोशल एंटरप्राईज ग्रुप के साथ काम करते हुए इस पेमेंट्स टेक्नॉलॉजी फर्म ने साल 2025 तक 10मिलियन किसानों को लाभान्वित करने का लक्ष्य स्थापित किया है। मास्टरकार्ड, लीफ और बेसिक्स ने साल 2020 से चार भारतीय राज्यों - महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में किसानों के लिए डिजिटल एक्सेस और वित्तीय समावेशन में सुधार लाने के उद्देश्य से साझेदारी की है। डिजिटल और पेमेंट्स टेक्नॉलॉजी एवं एग्रीटेक में अपने समृद्ध अनुभव और विशेषज्ञता के साथ मास्टरकार्ड साल 2023 में अपने फार्म पास सॉल्यूशन का विस्तार पांच और भारतीय राज्यों- हिमाचल प्रदेश, असम, ओडिशा, तेलंगाना, और पश्चिम बंगाल में करेगा। मास्टरकार्ड फार्म पास ग्रामीण इलाकों के लिए एक डिजिटल ईकोसिस्टम प्लेटफॉर्म है, जो दूरदराज के अनकनेक्टेड इलाकों में ऑफलाईन काम करता है और कृषि क्षेत्र में हितधारकों को एक साथ आने और किसान समुदाय को सेवाएं देने के लिए प्रोत्साहित करता है। यह प्लेटफॉर्म कृषि बाजारों और फार्मर डेटा का डिजिटाईजेशन संभव बनाता है, ताकि कमर्शियल रूप से सस्टेनेबल परिवेश का निर्माण हो, और किसान औपचारिक अर्थव्यवस्था का हिस्सा बन सकें। मास्टरकार्ड और इसके ईकोसिस्टम पार्टनर्स इन किसानों का खरीददारों से सीधा संपर्क स्थापित कर उन्हें अपने उत्पादों का ज्यादा मूल्य प्राप्त करने में समर्थ बनाने, उन्हें एग्रोनोमिक जानकारी व सेवाएं प्रदान करने तथा फार्मर प्रोड्यूसर संगठनों (एफपीओ) का सहयोग करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। फार्मर पास ग्रामीण आबादी के लिए एक सामुदायिक पास, एक साझा, विनिमयकारी डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर है। यह महत्वपूर्ण सेवाओं की उपलब्धता बढ़ाता है और सरकार, बैंकों, कृषि इकाईयों, एवं एनजीओ सहित सभी हितधारकों के लिए उन्हें सेवा देने की लागत को कम करता है। मास्टरकार्ड में एग्जक्यूटिव वाईस प्रेसिडेंट, ह्यूमेनिटेरियन एंड डेवलपमेंट, तारा नाथन ने कहा कि कम्युनिटी पास, जिसमें फार्म पास शामिल है, छोटे भूमिधारक किसानों को ज्यादा और तेजी से भुगतान पाने में मदद करने के लिए डिजाईन किया गया है। मास्टरकार्ड को पिछले साल एक मिलियन किसानों का सहयोग करने पर गर्व है। वित्तीय समावेशन सुनिश्चित करने और किसानों की आय दोगुनी करने के भारत सरकार के उद्देश्य के अनुरूप, कम्युनिटी पास छोटे भूमिधारक किसानों की समस्याओं का समाधान करता है और उन्हें भरोसेमंद बाजार और वित्तीय सेवाएं उपलब्ध कराता है। लीफ के फाउंडर और सीईओ, पलट विजयराघवन ने कहा कि एग्रीटेक में हमारी गहरी विशेषज्ञता और मास्टरकार्ड के साथ इस साझेदारी ने अनेक डिजिटल उत्पादों और समाधानों के विकास में मदद की है, जिन्होंने छोटे भूमिधारक किसानों के जीवन में परिवर्तन ला दिया है। विस्तृत प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण के कार्यक्रमों द्वारा हम किसानों को सशक्त बनाते रहेंगे और उन्हें ज्यादा मजबूत बनाएंगे। बेसिक्स के सीईओ, डॉ. सतैया ने कहा कि हमें भारतीय किसानों को सशक्त बनाने के अपने प्रयास में मास्टरकार्ड के साथ सहयोग करने पर गर्व है। बेसिक्स फार्मर्स मार्केट (बीएफएम) कृषि विनिमयों में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए मास्टरकार्ड की टेक्नॉलॉजी का इस्तेमाल करता है और किसानों को ज्यादा मूल्य प्राप्त करने में मदद करता है।

पूर्व आईएएस अजीत सिंह व उनके बेटे को अवमानना नोटिस

जयपुर (हि.स.)। अतिरिक्त जिला न्यायालय क्रम-6 महानगर प्रथम ने पूर्व आईएएस मंजीत सिंह और सेवानिवृत्त आईपीएस एमके देवराजन सहित उनकी पत्नियों के खिलाफ सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट डालने के पांच करोड़ रुपए के मानहानि मामले में पूर्व आईएएस अजीत कुमार सिंह व उनके बेटे एकलव्य सिंह को अवमानना नोटिस जारी किए हैं। कोर्ट ने इनसे 8 मार्च तक अवमानना नोटिस का जवाब देने के लिए कहा है। कोर्ट ने यह आदेश मंजीत सिंह व एमके देवराजन व अन्य के अवमानना प्रार्थना पत्र पर दिया। प्रार्थियों की ओर से अधिवक्ता अजय कुमार जैन ने बताया कि कोर्ट ने 21 जुलाई 2022 को अजीत कुमार सिंह व उनके बेटों को पाबंद किया था कि वे प्रार्थियों के खिलाफ सोशल मीडिया पर कोई पोस्ट नहीं डालें। इसके साथ ही किसी तृतीय पक्षकार के समक्ष उनके चरित्र व आचरण के लिए भी किसी तरह की अपमानजनक बात नहीं कहेंगे। इसके बावजूद अजीत सिंह ने 26 अगस्त को भी अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर ऐसी ही पोस्ट डाली और उस पर कई लोगों ने प्रतिक्रिया भी दी। वहीं 15 सितंबर को डाली पोस्ट में वादी को असंतुलित मानसिकता का बताया। इसके बाद 15 अक्तूबर 2022 को भी एकलव्य ने पाम कोर्ट में पेंथर निकलने का फोटो व वीडियो सोशल मीडिया पर भूतपूर्व अधिकारी लिखकर वायरल किया गया। ऐसे में अप्रार्थी एकलव्य लगातार सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणी कर रहा है और खुद के वीडियो भी डाल रहा है। इसलिए उनके खिलाफ अवमानना की कार्रवाई की जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने दोनों अवमाननाकर्ताओं को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। गौरतलब है कि मंजीत सिंह और एमके देवराजन ने अजीत सिंह व अन्य के खिलाफ मानहानि परिवाद पेश कर पांच करोड़ रुपए क्षतिपूर्ति दिलाने की गुहार की थी। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने अजीत कुमार सिंह और उनके परिजनों को पाबंद किया था कि वे सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट ना करे।

डालमिया सीमेंट के पूर्वोत्तर में 10 गौरवशाली वर्ष पूरे हुए

गुवाहाटी। डालमिया सीमेंट (भारत) लिमिटेड (डीसीबीएल), एक प्रमुख भारतीय सीमेंट कंपनी और डालमिया भारत लिमिटेड की सहायक कंपनी ने आज उत्तर पूर्व में अपने सफल नेतृत्व के 10 साल पूरे किए। पिछले एक दशक में, डालमिया सीमेंट मार्केट लीडर के रूप में उभरा है और नॉर्थ ईस्ट में सबसे बड़े सीमेंट निर्माता ने क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। दो सीमेंट निर्माण और दो सीमेंट ग्राईंडिंग इकाइयों के साथ, डालमिया सीमेंट की इस क्षेत्र में उद्योग में सबसे अधिक 4.4 मिलियन टन निर्माण क्षमता है। संगठन ने 5000 से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नौकरी के अवसरों को उत्पन्न करने और आजीविका और सामुदायिक विकास को सक्षम करने के माध्यम से 1 लाख से अधिक लोगों के जीवन को सकारात्मक रूप से प्रभावित करने में मदद की है। यह क्षेत्र 'ग्रीन' सीमेंट (100प्रतिशत मिश्रित सीमेंट) के सबसे तेज एडेप्टर का भी रहा है, जो साधारण पोर्टलैंड सीमेंट के लिए पर्यावरण के अनुकूल विकल्प है। ग्रे टू ग्रीन के दर्शन को आगे बढ़ाते हुए, डालमिया सीमेंट ने 2040 तक कार्बन नकारात्मक होने के लिए प्रतिबद्ध किया है। डालमिया सीमेंट ने अपनी स्थापित गैर-जीवाश्म आधारित बिजली उत्पादन में लगभग 45प्रतिशत में सुधार किया है और शुद्ध उत्सर्जन में 18प्रतिशत समग्र सुधार किया है, जिससे कीमती इको-सिस्टम के संरक्षण में योगदान दिया गया है। कंपनी

TENDER NOTICE

O.O. No : 24

Sealed tender affixing non-refundable court fee stamp of Rs. 8.25 (Rupees Eight & paisa twenty-five) only for the following urgent works under CSS-PT APO for the year 2022-23 is hereby invited from intending registered Contractor/firms as detailed below-

Sl. No.	Name of the Range	Details of Works	Quantity	Estimate cost (in lakh)	Earnest Money	Completion time
1	Eastern Range, Gamiri	Construction of Floating Camp	1	**25.00**	2% Gen. 1% SC/ST/ OBC	45 days

The tender will be received up to 3.00 P.M (IST) on **03/02/2023** in the office of the Divisional Forest Officer, Biswanath Wildlife Division, Biswanath Chariali and will be opened on the same day in presence of interested bidders or their authorized representative at 3.30 P.M. (IST). In the event of the office remaining closed under unavoidable circumstances, the tender will be received on next working day up to the stipulated time. The envelope containing the tender paper should be distinctly marked.

The details of the work, tender papers and general terms and conditions for execution may be collected from the office of the Divisional Forest Officer, Biswanath Wildlife Division, Biswanath Chariali during office hours on any working day on payment of **Rs.1000/-** (one thousand) in cash only being non-refundable processing cost. The bid offered should be clearly write both in figure and words. The offered bid should not be in percentage basis.

The acceptance of the tenders and issue of work order is subject to release of fund by the Govt. Of Assam/Competent Authority without hereby incurring any liabilities to the affected tenders any obligation to inform the effected tenderer of the grounds.

Divistional Forest Officer
Biswanath Wildlife Division cum
Deputy Director, Kaziranga Tiger Reserve
Biswanath Chariali

-- Janasanyog /C/18416/ 22

पृष्ठ एक का शेष

त्रिपुरा में स्वतंत्र और निष्पक्ष ...

और नए मतदाताओं को सशक्त बनाने के लिए पहल की गई है। मतदाताओं के साथ सभी राजनीतिक दलों के उम्मीदवारों को सुरक्षा प्रदान की जाएगी। उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में यह भी कहा कि चुनावी प्रक्रिया में मकसद तलाशना कई लोगों की फितरत होती है। आयोग का उद्देश्य लोगों के मतदान के अधिकार को सुनिश्चित करना है। इस संबंध में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा से नगालैंड ...

है कि हमारे आपसी विकास में तेजी लाने और दोनों राज्यों के बीच आपसी सामंजस्य के बंधन को और मजबूत करने के तरीकों पर विस्तार से चर्चा किया।

साल के सबसे निचले ...

भी कमी दर्ज की गई है। इन आंकड़ों के मुताबिक दिसंबर महीने में खाद्य वस्तुओं की महंगाई दर 4.19 फीसदी पर आ गई है। यह नवंबर 2022 में 4.67 फीसदी रही थी। जबकि अक्तूबर में खाद्य महंगाई दर 7.01 फीसदी थी। दिसंबर महीने में शहरी के साथ ग्रामीण दोनों ही इलाकों में खाद्य महंगाई में कमी आई है। दिसंबर महीने में ग्रामीण इलाकों में खाद्य वस्तुओं की महंगाई 5.05 फीसदी रही है। यह नवंबर में 5.22 फीसदी थी। जबकि शहरी इलाकों में खाद्य महंगाई दर 2.80 फीसदी रही है। नवंबर में 3.69 फीसदी रही थी।

राष्ट्रीय युवा महोत्सव 2023 हर ...

की जाएगी। शिखर सम्मेलन में साठ से अधिक प्रख्यात विशेषज्ञ भाग लेंगे। कई प्रतिस्पर्धी और गैर-प्रतिस्पर्धी कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। भारत सरकार ने वर्ष 1984 में इस दिन को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में घोषित किया था। 1985 से प्रति वर्ष देश 12 जनवरी को राष्ट्रीय युवा दिवस मना रहा है। स्वामी विवेकानंद के भाषण, उनकी शिक्षाएं और उद्धरण हमेशा युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत रहे हैं। युवा दिवस की थीम, महत्व, भारत में कार्यक्रमों की समय-सारणी यहां देखी जा सकती है। राष्ट्रीय युवा महोत्सव का आयोजन हर साल हमारे प्रतिभाशाली युवाओं को राष्ट्र निर्माण की दिशा में प्रेरित करने के साथ-साथ राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय संस्कृति का विश्व बंधुत्व का संदेश प्रदान करने के लिए किया जाता है। यह दिन देश के युवाओं के लिए मनाया जाता है, और उन्हें विवेकानंद के विचारों और दर्शन को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करता है। यह भारत का 26वां राष्ट्रीय युवा महोत्सव होगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने कहा था गीता-रामायण पढ़ने से पहले फुटबॉल खेलो... जो %नरेंद्र% (स्वामी विवेकानंद) की सोच थी वो दूसरा नरेंद्र (पीएम मोदी) पूरी कर रहा है। भाजपा सांसद सौमित्र खान ने कहा कि स्वामी विवेकानंद के नए रूप में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्म हुआ है। स्वामी जी हमारे लिए भगवान समान हैं वहीं दूसरी तरफ प्रधानमंत्री ने देशसेवा में अपना जीवन लगाया है। मुझे लगता है कि आधुनिक भारत के नवरूप के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं। वहीं, कार्यक्रम में पहुंची एक स्थानीय लड़की ने बताया कि मैं पहली बारपीएम को देखकर बहुत खुश हूं। मैं चाहती हूं किपीएम युवा दिवस के मौके पर बच्चों के माता-पिता को कहें कि वो पढ़ाई के लिए अपने बच्चों को दूसरे शहर भेजें। हुबली में युवा महोत्सव के उद्घाटन के बाद अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वामी विवेकानंद के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि उठो, जागो और लक्ष्य से पहले मत रुको- विवेकानंद जी का यह उद्घोष भारत के युवाओं का जीवन मंत्र है। कर्नाटक से स्वामी विवेकानंद के जुड़ाव के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि स्वामी जी ने अपने जीवनकाल में कर्नाटक की बहुत यात्राएं की थी। इन यात्राओं ने उनके जीवन में बहुत मदद की थी। मैसूर के महाराजा ने स्वामी जी की शिकागो यात्रा में उनकी बहुत मदद की थी। पीएम मोदी ने कहा कि युवा शक्ति के सपने भारत की दिशा तय करते हैं। युवा शक्ति की आकांक्षाएं भारत की मंजिल तय करती है। युवा शक्ति का जुनून भारत का रास्ता तय करता है और युवा बने रहने का मतलब अपनी सोच, मेहनत, आकांक्षाओं और लगन में युवा होना है। आज गांव-शहर या कस्बा हर जगह युवाओं का जज़्बा उफ़ान पर है। युवा शक्ति का दोहन करने के लिए विचारों से युवा होना होगा-पीएम पीएम मोदी ने कहा कि युवा शक्ति का दोहन करने के लिए हमें अपने विचारों से युवा होना होगा। युवा होना हमारे प्रयासों में गतिशील होना है। युवा होना हमारे परिप्रेक्ष्य में मनोरम होना है। युवा होना व्यावहारिक होना है। अगर दुनिया समाधान के लिए हमारी ओर देखती है, तो यह हमारी अमृत पीढ़ी के समर्पण के कारण है। युवा शक्ति भारत की यात्रा की प्रेरक शक्ति है। अगले 25 साल राष्ट्र निर्माण के लिए महत्वपूर्ण हैं। युवा शक्ति के सपने भारत की दिशा तय करते हैं। युवा शक्ति की आकांक्षाएं भारत की मंजिल तय करती हैं। युवा शक्ति का जुनून भारत की शक्ति तय करता है। भारत के हर हिस्से में हमारे युवाओं की प्रतिभा और क्षमता के अविश्वसनीय उदाहरण हैं। आज भी, गणित से लेकर विज्ञान तक, जब वैश्विक मंचों पर प्रतियोगिताएं होती हैं, तो भारतीय युवाओं की प्रतिभा दुनिया को चकित करती है।पीएम मोदी ने कहा कि हर मिशन के लिए बुनियाद की जरूरत होती है, चाहे अर्थव्यवस्था हो या शिक्षा, खेल हो या स्टार्ट अप, कौशल विकास हो या डिजिटलाइजेशन हर क्षेत्र में एक मजबूत बुनियाद पिछले 8-9 साल में रखी गई है। आपकी उड़ान के लिए रनवे तैयार है।

कर्नाटक में पीएम मोदी की ...

जा रहा है। वहीं, कुछ जगहों पर लोगों ने उनके काफिले के धीरे-धीरे गुजरने पर फूलों की बारिश की। मालूम हो कि पीएम मोदी यहां स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर रेलवे खेल मैदान में राष्ट्रीय युवा महोत्सव का उद्घाटन करने आए हैं।

दो सौ से अधिक हवाई यात्री ...

बूस्टर डोज की मंजूरी दी। मांडविया ने कहा कि दुनिया में कोरोना की चौथी लहर के बीच हम हर हवाईअड्डे की निगरानी कर रहे हैं। अब तक 8700 उड़ानों की निगरानी की गई है। उन्होंने कांस्टीट्यूशन क्लब में आशीष चांदोरकर और सूरज सुधीर द्वारा लिखित किताब ब्रेविंग ए वायरल स्टार्म का विमोचन किया। कोरोना के 171 नए मामले मिले केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि देश में पिछले 24 घंटों में कोरोना संक्रमण के 171 नए मामले मिले हैं। देश में सक्रिय मामलों की संख्या 2342 है। सक्रिय मामले कुल संक्रमणों का 0.01 प्रतिशत शामिल है। दैनिक सकारात्मकता दर 0.09 प्रतिशत दर्ज की गई, जबकि साप्ताहिक सकारात्मकता 0.11 प्रतिशत है। राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत टीके की कुल 220.15 करोड़ डोज जा चुकी हैं। इस बीच रायटर के अनुसार विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ)ने बुधवार को कहा कि एक्सबीबी सब-वेरिएंट से कोरोना संक्रमण बढ़ सकता है।

0जी20 अध्यक्षता में एजेंडा...

ख्याल रखा गया है। उन्होंने आगे कहा कि वह हैदराबाद में बैठक के लिए फिर से भारत आने वाली हैं। इसके अलावा, इंडोनेशिया के एक जी20 प्रतिनिधि ने भारत के डिजिटल और वित्तीय क्षेत्र की सराहना की और कहा कि देश बहुत अच्छा है। इंडोनेशिया के जी20 प्रतिनिधि एंड्रियास हॉटमैनरी ने कहा कि भारत जी20प्रेसीडेंसी के लिए एक अच्छा उदाहरण हो सकता है। एंड्रियास हॉटमैनरी ने कोविड-19 महामारी के बाद इंडोनेशिया के लिए डिजिटल बुनियादी ढांचे को बहुत महत्वपूर्ण कहा। एंड्रियास हॉटमैनरी ने कहा कि हमें वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के लिए डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे पर ध्यान देना चाहिए। जब डिजिटल क्षेत्र और वित्तीय क्षेत्र में निवेश की बात आती है, तो भारत बहुत अच्छा है। अंदलीब इलियास, जी20 प्रतिनिधि, उप उच्चायुक्त बांग्लादेश, ने अपने देश को इस आयोजन में आमंत्रित करने के लिए भारत को धन्यवाद दिया क्योंकि बांग्लादेश जी20 का हिस्सा नहीं है। उन्होंने वित्तीय समावेशन के संबंध में विचारों के आदान-प्रदान के लिए इसे सही मंच बताया।

नूपुर को मिला बंदूक ...

गई टिप्पणियों के बाद उन्हें लगातार धमकियां मिल रही थीं। नूपुर शर्मा ने इन धमकियों की शिकायत सुप्रीम कोर्ट में भी की थी। महाराष्ट्र में नूपुर शर्मा के बयान का समर्थन करने वाले उमेश कोल्हे नाम के एक फार्मासिस्ट की अमरावती में हत्या कर दी गई थी। इसके कुछ दिनों बाद उदयपुर में एक दर्जी कन्हैया लाल की भी हत्या कर दी गई थी। हत्यारों ने वीडियो बनाकर कहा था कि दर्जी ने नूपुर शर्मा के बयान का समर्थन किया था। नूपुर शर्मा के वकील ने सुप्रीम कोर्ट को बताया था कि नूपुर शर्मा की जान को खतरा है, उन्हें सुरक्षा मुहैया कराई जानी चाहिए। जिसके बाद नूपुर शर्मा के खिलाफ सभी मामलों को सुप्रीम कोर्ट ने एक जगह करने का आदेश दिया था।

पीएम मोदी का लक्ष्य भारत...

बहुत आशाएं हैं। उन्होंने कहा कि खिलौनों से लेकर पर्यटन तक, रक्षा से लेकर डिजिटल तक भारत पूरी दुनिया में सुर्खियां बटोर रहा है। इसलिए यह एक ऐतिहासिक समय है जब आशापूर्ण दृष्टि और अवसर एक साथ आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज के युवा इन बदलावों के साक्षी बन रहे हैं और कल वे भविष्य के नेता बनेंगे। युवा महोत्सव स्थल पर पहुंचने से पहले प्रधानमंत्री ने यहां एक रोड शो भी किया। इस दौरान सड़क के दोनों ओर कतारों में खड़े लोगों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। अपनी चलती कार के रनिंग बोर्ड पर खड़े होकर मोदी ने भीड़ की ओर हाथ हिलाया ओर लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। इस दौरान रास्ते के दोनों ओर खड़े लोगों में से कई को मोदी, मोदी और भारत माता की जय के नारे लगाते देखा गया। कुछ स्थानों पर लोगों ने फूलों की पंखुड़ियों की बारिश की क्योंकि उनका काफिला धीरे-धीरे गुजर रहा था। भाजपा शासित कर्नाटक में मई में विधानसभा चुनाव होने हैं।

म्यांमार : अंदरूनी हवाई हमला....

सत्यापन के बाद ही इस मामले में आधिकारिक बयान जारी किया जाएगा। चम्फाई के उपायुक्त जेम्स लालरिंचन ने कहा कि मैंने कुछ स्थानीय लोगों द्वारा किए जा रहे दावों की पुष्टि के लिए संबंधित क्षेत्र के एक मजिस्ट्रेट को भेजा है। मामले में आधिकारिक रिपोर्ट बृहस्पतिवार की शाम तक आने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि सत्यापन होने के बाद एक विस्तृत रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को भेजी जाएगी। लालरिंचन ने हालांकि कहा कि एक बम मिजोरम की तरफ तियाउ नदी के पास गिरा था। उन्होंने बताया कि विस्फोट में ग्राम सभा के एक सदस्य का एक ट्रक क्षतिग्रस्त हुआ है। म्यांमार में सत्तारूढ़ सैन्य जुंटा ने मंगलवार को पड़ोसी देश के सबसे शक्तिशाली जातीय विद्रोही समूहों में से एक, चिन नेशनल आर्मी (सीएनए) के सैन्य मुख्यालय कैंप विक्टोरिया पर कथित तौर पर हवाई हमले किए थे। मिजोरम में सीएनए के एक नेता ने नाम उजागर नहीं करने के अनुरोध पर बताया कि हमले में दो महिलाओं सहित पांच लोगों की मौत हो गई और 15 अन्य घायल हो गए। चम्फाई के उपायुक्त ने कहा कि प्रशासन को मिली प्रारंभिक रिपोर्ट से पता चलता है कि आठ विस्फोट पड़ोसी देश में हुए हैं। उन्होंने कहा कि हमें किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं मिली है और यह हमारी चिंता का विषय नहीं है क्योंकि यह किसी दूसरे देश का आंतरिक मामला है।

एलएसी पर हालात स्थिर, लेकिन...

सकें। पूर्वोत्तर के हालात पर सेना प्रमुख ने कहा कि आर्थिक गतिविधियों और विकास की पहल के अच्छे परिणाम मिले हैं। हमारी पूर्वी कमान के उलट चीनी सैनिकों की संख्या में थोड़ी वृद्धि हुई है लेकिन हम कड़ी नजर रख रहे हैं। हम डोकलाम और वहां हो रही सभी गतिविधियों पर नजर रख रहे हैं। हमारे पास आर्मी मार्शल आर्ट्स रूटीन भी है जो युद्ध की स्थितियों से निपटने में मदद करेगा। यह देश के विभिन्न मार्शल आर्ट का एक कम्बाइंड फॉर्म है। आर्मी चीफ ने बताया- जहां तक जम्मू-कश्मीर की स्थिति का सवाल है, फरवरी 2021 में हुआ संघर्ष विराम अच्छी तरह से चल रहा है। लेकिन, आतंकवाद और आतंकी ढांचे को पाकिस्तान से अभी भी सपोर्ट मिल रहा है। जनरल पांडे ने कहा कि महिला अधिकारियों को जल्द ही भारतीय सेना की कोर ऑफ आर्टिलरी रेजीमेंट में कमीशन दिया जा सकता है। इसका एक प्रस्ताव केंद्र सरकार के पास परमिशन के लिए भेजा गया है। जनरल मनोज पांडे ने कहा कि हमारे विरोधी ने कश्मीर में अपनी नाकामी को छिपाने के लिए अल्पसंख्यकों को निशाना बनाने की कोशिश की है। इन इलाकों में सेना और सीआरपीएफ ने अपनी मौजूदगी बढ़ा दी है। इसके बारे में और जानने के लिए एनआईए को जांच सौंपी गई है। अरुणाचल के तवांग में 9 दिसंबर को भारत और चीन के सैनिकों में हाथापाई हुई। 600 चीनी सैनिकों ने 17 हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित भारतीय पोस्ट को हटाने के लिए घुसपैठ की कोशिश की थी। यह पोस्ट यांगत्से में है। भारतीय सैनिकों ने चीनियों को खदेड़ दिया।

राम सेतु पर केंद्र ...

दाखिल किया जाएगा, लेकिन अभी तक कोई हलफनामा दाखिल नहीं किया गया है। इस पर मुख्य न्यायाधीश ने अदालत में मौजूद सॉलिसिटर जनरल से कहा कि मिस्टर सॉलिसिटर, मिस्टर स्वामी कह रहे हैं कि आपने राम सेतु मामले में हलफनामा दाखिल नहीं किया। सॉलिसिटर जनरल ने जवाब दिया कि मामला विचाराधीन है और इस पर चर्चा चल रही है। उन्होंने आगे कहा कि इस पर जवाब दाखिल किया जाएगा और बेंच से फरवरी के पहले सप्ताह में सुनवाई के लिए मामले को रखने के लिए कहा जाएगा। स्वामी ने मामले में सरकार द्वारा अपना रुख स्पष्ट करने में देरी के चलते कैबिनेट सचिव की उपस्थिति की मांग की है। हालांकि, मुख्य न्यायाधीश ने इस मांग को अस्वीकार कर दिया। स्वामी ने इससे पहले कहा था कि ये मामला आठ सालों से लंबित है, लेकिन सरकार जवाब देने की स्थिति में नहीं है। गौरतलब है कि स्वामी ने यूपीए सरकार के दौरान 2007 में याचिका दाखिल की थी। स्वामी ने तब सेतुसमुद्रम शिप चैनल परियोजना के खिलाफ मुद्दा उठाया था। मामला सुप्रीम कोर्ट में पहुंचा और राम सेतु पर परियोजना पर रोक लगा दी गई।

नकल विहीन परीक्षा के लिए सख्त कानून लाएगी सरकार : सीएम धामी

देहरादून (हि.स.)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि लेखपाल परीक्षा प्रश्न पत्र लीक मामले में दोषियों के विरुद्ध अविलंब कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जल्द ही सख्त कानून लेकर आएंगे। उधर, लोक सेवा आयोग ने भी त्वरित निर्णय लेते हुए परीक्षा को निरस्त कर दिया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बताया कि आठ जनवरी को लेखपाल परीक्षा हुई थी। जब पता चला कि इस तरह से पेपर आउट किया गया है तो एसटीएफ ने जांच की और त्वरित कार्रवाई करते हुए पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। लोक सेवा आयोग ने भी त्वरित निर्णय लेते हुए परीक्षा को निरस्त कर दिया है और पुन: परीक्षा की तिथि भी घोषित कर दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जो भी दोषी होगा उनके विरुद्ध अविलंब और कार्यवाही होगी! परीक्षाओं की शुचिता सुनिश्चित की जाएगी।परीक्षाओं को नकल विहीन बनाने के लिए शीघ्र ही हम सख्त कानून लेकर आ रहे हैं। पटवारी-लेखपाल परीक्षा 08 जनवरी को राज्य में 13 जिलों के 458 केंद्रों पर आयोजित हुई थी। 391 पटवारी पदों के लिए भर्तियां थी। परीक्षा के लिए 158210 पंजीकृत थे।

स्वर्वेद भाष्य

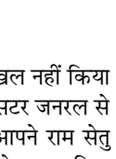

चतुर्थ मंडल **सप्तम अध्याय**

(विरह)

विरह व्यथा को कोहि लखे, लागा तिन जान।
हृदय जलन कठोर है, कहन सुनन नहिं आन॥ 40॥

शब्दार्थ : (कठोर) कठिन (आन) दुसरा।

भाष्य : विरह-व्यथा को वही जानता है, जिनको यह विरह-वाण लगा हुआ है। हृदय में विरह की जलन कठिन होती है, उसको जानने वाला विरही ही जानता है। वह व्यथा कहने, सुनन में दूसरे को नहीं आती।

विरही कर्क कलेज में, तड़पत एक समान।
अस्थी नस पिञ्जर रहा, चाह मिलन भगवान॥ 08॥

शब्दार्थ : (तड़पत) छटपटाना (अस्थी) हड्डी (भगवान) प्रभु (चाह) इच्छा (पिञ्जर) शरीर।

भाष्य : प्रभु के मिलने की इच्छा से विरही का हृदय विरह में अत्यंत व्याकुल को छटपटाने लगता है और सारे शरीर का रस सूख जाता है। शरीर में केवल हड्डी और नसें रह जाती है।

सिंचाई मंत्री ने की ब्रह्मपुत्र रिवर हेरिटेज सेंटर के विस्तार परियोजना की समीक्षा

गुवाहाटी (हि.स.)। असम सरकार के आवास एवं शहरी कार्य एवं सिंचाई मंत्री अशोक सिंघल ने गुरुवार को महाबाहु ब्रह्मपुत्र रिवर हेरिटेज सेंटर के विस्तारित परियोजना की समीक्षा की। मंत्री सिंघल ने पानबाजार स्थित पुलिस आयुक्त के पुराने बंगले परिसर के विकास एवं सौंदर्यीकरण कार्य की समीक्षा की। बैठक में गुवाहाटी महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) के अध्यक्ष नारायण डेका सहित प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारियों, वास्तुकारों और काम पर लगे ठेकेदारों ने भाग लिया। यह परियोजना गुवाहाटी महानगर विकास प्राधिकरण के माध्यम से 34 करोड़ रुपए के कोष से कार्यान्वित की जा रही है। परियोजना पुलिस आयुक्त के पुराने बंगले परिसर को महाबाहु ब्रह्मपुत्र नदी विरासत केंद्र से जोड़ेगी। इस परियोजना में मौजूदा पदुम पुखुरी क्षेत्र का विकास और ब्रह्मपुत्र नदी के किनारे के क्षेत्र के सौंदर्यीकरण के साथ-साथ पूरे क्षेत्र के चारों ओर लैंडस्केपिंग कोर्ट और वॉकवे का निर्माण भी शामिल है। आज की बैठक में मंत्री सिंघल ने इनमें से प्रत्येक गतिविधि की प्रगति की समीक्षा की और कुछ क्षेत्रों में समायोजन की सिफारिश की। उन्होंने पदाधिकारियों को शेष कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए ताकि मार्च से पहले परियोजना पूरी तरह से तैयार हो सके।

असम बॉयो रिफाइनरी के श्रमिकों ने किया विरोध-प्रदर्शन

गोलाघाट (हि.स.)। गोलाघाट जिलांतर्गत नुमालीगढ़ के असम बॉयो रिफाइनरी कंस्ट्रक्शन वर्कर्स यूनियन ने गुरुवार को मांगों के समर्थन में जमकर विरोध-प्रदर्शन किया। सैकड़ों ठेका निर्माण श्रमिकों ने असम बॉयो-रिफाइनरी प्राइवेट लिमिटेड के अधिकारियों के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन किया। मजदूरों ने विभिन्न समस्याओं के निवारण और अधिकारों की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने असम बॉयो रिफाइनरी में काम करने के दौरान घायल हुए तीन निर्माण श्रमिकों में प्रत्येक के परिवारों को उचित मुआवजा देने, अधिक ऊंचाई पर काम करने वाले श्रमिकों को अतिरिक्त भत्ता देने, रविवार की छुट्टी को मंजूर करने, स्वास्थ्य बीमा आदि की मांग करते हुए असम बॉयो रिफाइनरी के मुख्य प्रवेश द्वार पर जमकर नारेबाजी की। उन्होंने कहा कि अगर जल्द ही उनकी मांगों को नहीं माना गया तो वे आने वाले दिनों में उग्र विरोध प्रदर्शन करेंगे। यूनियन ने बॉयो रिफाइनरी के अधिकारियों को ज्ञापन भी भेजा है।

भोगाली बिहू पर्व पर मुख्यमंत्री को संस्थाओं ने भेंट में दी मछली

गुवाहाटी (हि.स.)। भोगाली बिहू की पूर्व संध्या पर गुरुवार को गुवाहाटी के वृहत्तर उजान बाजार अनुसूचित बेरोजगार मत्स्य व्यवसायी संस्था ने 10 किलो वजनी आरी मछली मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्वशर्मा को उपहार स्वरूप भेंट की। मुख्यमंत्री ने असमिया संस्कृति के प्रमुख त्योहार भोगाली के मौके पर उपहारस्वरूप मछली भेंट किये जाने पर संस्था का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर संस्था के उपाध्यक्ष दिलू दास, कार्यकारी अध्यक्ष हरित मेधी, महासचिव भास्कर दास आदि पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। ज्ञात हो कि भोगाली बिहू के पहले दिन उरुका की रात मछली, मांस तथा विभिन्न प्रकार के व्यंजन खाने की परंपरा है। इसकी तैयारी में राज्यवासी जुटे हुए हैं। वहीं, दूसरी ओर भोगाली बिहू के मद्देनजर गुरुवार को कामतापुर स्वायत्तशासी परिषद के सदस्य प्रणव ज्योति बर्मन ने भी 7 किलो वजनी एक शिलघरिया मछी, बोरा चावल का पीठा, मुड़ी (लाई) का लड्डू, भैंस और गाय का घी और दही उपहार स्वरूप मुख्यमंत्री को भेंट किया। मुख्यमंत्री ने उपहार ग्रहण करने पर बर्मन और समस्त कामतापुर स्वायत्तशासी परिषद के सभी कार्यकर्ताओं को बिहू की शुभकामनाएं दीं।

एक रात में छह प्रतिष्ठानों में चोरी

बंगाईगांव (हि.स.)। बंगाईगांव जिला के बिद्यापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत बिलासपुर बाजार में बुधवार देर छह व्यापारिक प्रतिष्ठानों में चोरी हुई है। घटना की जानकारी गुरुवार की सुबह मिली। बदमाशों ने बिलासपुर बाजार के छोटे व्यापारी इसाप अली, जीवन साहा, कुकिल बर्मन, अबूसामा, हाशू अली और हशमत अली के व्यापारिक प्रतिष्ठानों के ताले तोड़कर लाखों रुपए का सामान चोरी कर लिया। घटना की जानकारी मिलते ही बिलासपुर बाजार में अफरा-तफरी मच गई। अधिकांश दुकानदार दुकानों को खोलकर उसकी जांच करते नजर आए। चोरी के शिकार हुए दुकानदारों ने अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज करायी है। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची बिद्यापुर थाने की पुलिस की टीम ने दुकानों का मौका-मुआयना कर चोरों को पकड़ने के लिए अभियान तेज कर दिया है।

मैजिक वाहन और बाइक की टक्कर में दो घायल

होजाई (हि.स.)। जिले के लंका में बुधवार देर रात में एक सड़क दुर्घटना में दो व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए। मालवाहक टाटा मैजिक और बाइक की टक्कर में घायलों को होजाई के हम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार लंका के नंबर 2 चंबरिया में बाइक की विपरीत दिशा से जा रही टाटा मैजिक से टक्कर हो गई। हादसे में टाटा मैजिक चालक अजय दास और बाइक सवार विराट जिदोंग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल बाइकसवार विराट जिदोंग 9वीं असम पुलिस बटालियन का जवान है। दोनों को गंभीर हालत में होजाई के हम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर लिया है।

रंगिया के मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में एकीकृत सिगनल और दूरसंचार नियंत्रण स्थापित

गुवाहाटी (विभास)। सिगनल और दूरसंचार विभाग रेलगाड़ियों के सुरक्षित और तेज आवागमन के लिए आवश्यक सिगनलिंग प्रणाली की स्थापना एवं अनुरक्षण और लोकोमोटिव के बड़े बेड़े एवं अन्य रोलिंग स्टॉक और ट्रैक के प्रभावी उपयोग के लिए आवश्यक दूरसंचार प्रणालियों के साथ-साथ इस विस्तृत रेलवे संचार नेटवर्क प्रशासन के प्रति जिम्मेदार है। भारतीय रेल के पास ट्रेन परिचालन और कर्मचारी प्रबंधन के प्रबंध और यात्री सुविधाओं को प्रदान करने के लिए निजी रेलवे दूरसंचार नेटवर्क है। संचार प्रौद्योगिकी में निरंतर प्रगति के कारण सिगनल और दूरसंचार टीमों के बीच बेहतर सामंजस्य आज की आवश्यकता है। भविष्य में, सिगनल गियर्स की निगरानी दूर से की जाएगी। सिगनल और दूरसंचार नियंत्रण के एकीकरण से नियंत्रण कर्मचारियों की कमी के दौरान मानव शक्ति का बेहतर उपयोग होगा। फील्ड गियर और इसकी विफलताओं के केंद्रीकृत निगरानी की नीति के अनुरूप, सिग्नल और दूरसंचार नियंत्रण के एकीकरण से गियर के स्थिति और विफलता की निगरानी करने में आसानी होगी, जिसके परिणामस्वरूप किसी भी संयुक्त कार्य या किसी विफलता के दौरान फील्ड कर्मचारी के साथ बेहतर समन्वय होगा। एकीकृत सिगनल और दूरसंचार नियंत्रण की स्थापना से पहले, ओएफसी सर्वर रूम, टेस्ट रूम और सिगनल नियंत्रण को तीन अलग-अलग स्थानों पर रखा गया था, जिसके कारण सिगनल कर्मचारियों और दूरसंचार कर्मचारियों के बीच समुचित समन्वय नहीं था। किसी भी दूरसंचार विफलता के दौरान, इक्विपमेंट अलार्म के अवलोकन के लिए कर्मचारियों को टेस्ट रूम से सर्वर रूम जाना पड़ता था। एक स्क्रीन में मल्टीपल डेटा लॉगर और आईओटी डिस्प्ले के साथ एकीकृत नियंत्रण की स्थापना के बाद, ट्रेनों की बेहतर समयबद्धता, कम विफलताएं और लाइन क्षमता का इष्टतम उपयोग करने के लिए ट्रेन परिचालन की निगरानी करना आसान हो गया है।

भायुमो ने मनाया राष्ट्रीय युवा दिवस

गुवाहाटी (हि.स.)। असम प्रदेश भारतीय जनता युवा मोर्चा ने गुरुवार को गुवाहाटी के माछखोवा स्थित आईटीए प्रकल्प में स्वामी विवेकानंद की जयंती और राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर युगदृष्टि नामक कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भवेश कलिता, मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा शर्मा, भारतीय जनता युवा मोर्चा असम प्रदेश के अध्यक्ष सिद्धंकु अंकुर बरुवा, असम सरकार के कैबिनेट मंत्री रंजीत कुमार दास, पीयूष हजारिका, परिमल शुक्लाबैद्य, सांसद दिलीप सैकिया, पल्लव लोचन दास और पवित्र मार्घेरिटा, युवा मोर्चा के प्रभारी और पार्टी के महासचिव दिप्लू रंजन शर्मा समेत अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष भवेश कलिता ने कहा कि देश के सभी पहलुओं का विकास तभी होगा जब देश की युवा शक्ति मजबूत और सुव्यवस्थित होगी। कलिता ने कहा कि अब समय आ गया है कि समाज का हर युवा स्वामी विवेकानंद देव के दूरदर्शी विचारों और आदर्शों से प्रेरित समर्पित दृष्टिकोण के साथ राष्ट्र निर्माण के मार्ग पर आत्म-प्रतिभा और जिम्मेदारी की भावना के साथ आगे बढ़े। इस अवसर पर बोलते हुए, मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा, 卐स्वामी विवेकानंद भारतीय पुनर्जागरण के अवतार थे, जिन्होंने दुनिया को हिंदू धर्म का सार दिखाया। आज, इस शुभ अवसर पर, मैं इस महान व्यक्ति को अपनी गहरी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। शिकागो में विश्व धर्म महासभा में स्वामी विवेकानंद का भाषण ज्ञान की दिशा में हमारी यात्रा के लिए एक निर्णायक क्षण था। आज के कार्यक्रम में संस्कृति, खेल और सामाजिक क्षेत्रों के विभिन्न क्षेत्रों में सफलतापूर्वक आगे बढ़ने वाले 21 युवा प्रतिभाशाली व्यक्तित्वों को सम्मानित किया गया और असम के 40 कॉलेजों के छात्र नेताओं को भी सम्मानित किया गया।

विश्वनाथ चाराली में श्रीश्री रामकृष्ण संघ ने मनाया राष्ट्रीय युवा दिवस

विश्वनाथ चाराली (निसं)। विश्वनाथ चाराली श्रीश्री रामकृष्ण संघ के द्वारा स्वामी विवेकानंद जयंती के उपलक्ष्य में जातीय युवक सप्ताह के रूप में आयोजित आज इसके बाद विश्व मनीषी स्वामी विवेकानंद स्वामी जी का 161 वाँ जन्मदिन दिवस समारोह भव्य तरीके से मनाया गया। सर्वप्रथम प्रात: 9 से स्वामी विवेकानंद का विवेक रथ निकाला गया, जो विश्वनाथ चाराली शहर की परिक्रमा करते हुए विश्वनाथ चाराली श्रीश्री रामकृष्ण मिशन तक पहुंचा। जिसमें महिला व बच्चों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। अपराह्न 3 बजे जनसभा का आयोजन हुआ जिसमें श्रद्धालुओं ने भाग लिया, साथ ही इस रथ में शारदा देवी, रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानंद और मां काली का वेशभूषा में प्रदर्शित किया गया। सभा में विशिष्ट वक्ता के रूप में रामकृष्ण मिशन हॉस्पिटल, इटानगर के सचिव स्वामी कृपाकरानंदा महाराज ने स्वामी विवेकानंद के प्रतिछवि के दीप प्रज्वलित कर 161वीं जयंती के उपलक्ष में सभी को शुभकामनाएं दी। समारोह में उपस्थित अतिथि स्वामी कृपाकरानंदा महाराज, विश्वनाथ जवाहर नवोदय विद्यालय के प्राचार्य निरंजन सिंह, विश्वनाथ चाराली नगरपालिका के पौरपति अमरज्योति बरठाकुर, 2 नंबर वार्ड कमिश्नर दीपक सैकिया आदि को फुलाम गामोछा से सम्मानित किया गया। उपस्थित सभी ने स्वामी विवेकानंद के जीवन दर्शन व उनके कहे अमृत वचन वचनों पर प्रकाश डाला। इसके बाद स्वामी कृपाकरानंदा ने दुखियों को कंबल और श्रद्धालुओं को पौधा वितरण किया। मौके पर विश्वनाथ चाराली रामकृष्ण संघ के अध्यक्ष पीयूष चक्रवर्ती, सचिव दिलीप कुमार रॉय, सदस्य विराज देब, प्रबाल चक्रवर्ती, निरंजन पाल, प्रशांत चक्रवर्ती, अंकुर शाहा, रूपक दास गुप्त, शिवानी घोष, दिपा साहा, साथी शाहा, तापसी शाहा, मिता सरकार, शीप्रा नाथ आदि प्रमुख कार्यकर्ता मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि जनसभा के समापन के बाद 7 बजे स्थानीय गायकों द्वारा संगीत और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

राष्ट्रीय युवा दिवस पर करीमगंज में निकली शोभायात्रा

करीमगंज (हि.स.)। देशभर में आज यानी 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद की जयंती मनायी जा रही है। स्वामी विवेकानंद का जन्मदिन हर साल युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस मौके पर गुरुवार को करीमगंज में रामकृष्ण मिशन ने एक शोभायात्रा निकाली। जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया। करीमगंज रामकृष्ण मिशन परिसर से शुरू हुई शोभायाभा करीमगंज शहर के मुख्य सड़कों की परिक्रमा करने के बाद मिशन परिसर में पहुंच कर संपन्न हो गई। शोभायात्रा में शहर के विभिन्न स्कूलों के बच्चे भी शामिल हुए। रैली से पहले रामकृष्ण मिशन के प्रांगण में स्वामी विवेकानंद की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पचक्र अर्पित कर उन्हें नमन किया गया। शोभायात्रा में शामिल उत्तर करीमगंज के विधायक कमलाक्ष दे पुरकायस्थ ने कहा कि शोभायात्रा के माध्यम से विवेकानंद की वाणी को युवाओं के बीच उजागर करने का प्रयास किया गया है।

होजाई हाजी अजमल अली कॉलेज में पुरस्कार वितरण समारोह

होजाई (निसं)। भारत के 75वे स्वाधीनता दिवस को अमृत महोत्सव के रूप में पालन करने के उपलक्ष में जमुनामुख क्षेत्र के विधायक सिराजुद्दीन अजमल ने एक निबंध प्रतियोगिता आयोजन किया था जिसका विषय था भारतीय स्वाधीनता आंदोलन में मुसलमानों का योगदान। उक्त प्रतियोगिता के प्रथम विजेता को 1 लाख, द्वितीय विजेता को 75 हजार एवं तृतीय विजेता को 50 हजार तथा 10 विद्यार्थियों को 11 हजार रुपए करके देने का आह्वान किया था। इसी सिलसिले में आज निलबगान के हाजी अजमल अली कॉलेज में एक पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया था जिसमे जमुनामुख क्षेत्र विधायक सिराजुद्दीन अजमल ने अध्यक्षता की। समारोह में मुख्य अतिथि डॉ राजीव हैंडिक ,पूर्व प्रोफेसर गुवाहाटी यूनिवर्सिटी इतिहास विभाग, धुबरी के सांसद बदरुद्दीन अजमल मरकाजुल मारीज के अध्यक्ष शमशुल हक चौधरी सचिव खलीलुर रहमान चौधरी डॉ राजी सहित कई विशेष गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ राजीव हेंडीक ने कहा कि भारतीय स्वाधीनता आंदोलन में मुसलमानों का अहम भूमिका रही है लेकिन इतिहास में उनका नाम नहीं के बराबर है। उन्होंने भारतीय स्वाधीनता आंदोलन में मुसलमानों के बलिदानों का उल्लेख किया। तत्पश्चात बदरुद्दीन अजमल ने अपने भाषण में हिंदू तथा मुसलमान दोनों की भूमिकाओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि दोनों ने मिलकर देश की स्वाधीनता की लड़ाई लड़ी है। एक के अभाव में यह देश आजाद नहीं हो पाता। हमे आजादी के दीवानों को सदा समरण रखना चाहिए। वही रविंद्र नाथ टैगोर विश्वविद्यालय के पूर्व अध्यापक रविंद्र कुमार रथ ने जमुनामुख के विधायक सिराजुद्दीन अजमल की भूरी भूरी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि छात्र-छात्राओं के बीच ऐसी प्रतियोगिता होते रहना चाहिए ताकि हमारे छात्र-छात्राएं इतिहास के विषय में अच्छी तरह से जान सके। इतिहास अपने आप को दोहराता है। तत्पश्चात अखिल असम भारतीय स्वाधीनता में मुसलमानों के योगदान के ऊपर लिखित निबंध के प्रथम विजेता विजेता परवीन ,बदरपुर द्वितीय विजेता अब्दुल अजीज एवं तृतीय पार्थ प्रतिम बरुआ तथा 10 बच्चों को विशेष पुरस्कार दिए गए। जिसमें शमीम अख्तर अब्दुल्ला तालुकदार, श्री कृष्णा धर ,सेमीन मेघालय ,अंजुमा बेगम नलबाड़ी, अहमद ,अभिजीत तामूली गुवाहाटी सिराजुल हक धुबरी ,तान्या सिंह गांधी विद्या पीठ होजाई, जाकरिया सनम सिलचर, अनीस अहमद काजी को पुरस्कार वितरण किया गया।

एनईपीएल सीजन-6 के विजेता बने ब्लेजिंग बुल्स

गुवाहाटी। मारवाड़ी युवा मंच गुवाहाटी शाखा का नॉर्थ ईस्ट प्रीमियर लीग (एनईपीएल) सीजन-6 का फाइनल मैच बुधवार को नगर के लताशील खेल मैदान में खेला गया। सुपर सिक्स के अंकों के आधार पर फाइनल मुकाबला नामेरी टाइगर्स एवं ब्लेजिंग बुल्स के बीच खेला गया। पहले ब्ल्लेबाजी करते हुए नामेरी टाइगर्स की टीम निर्धारित 16 ओवर में 9 विकेट खो कर 206 रन का लक्ष्य दिया, जवाब मैं ब्लेजिंग बुल्स ने मात्र 15.5 ओवर में मुकाबले को 3 विकेट से जीत लिया। ब्लेजिंग बुल्स की और से रोहिन कुंडलिया ने 19 गेंदों मैं 40 रनों की शानदार पारी में 5 छक्के और एक चौका लगा कर मैन ऑफ द मैच अपने नाम किया। साथ ही टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज ब्लेजिंग बुल्स के केतन कुंडलिय, सर्वश्रेष्ठ बॉलर विजय चावरिया तथा सर्वश्रेष्ठ फील्डर्स डीआरएम लेजेंड्स के विकाश शाह रहे। फेयर प्ले का अवार्ड शाही वॉरियर्स ने जीता, साथ ही विजयी टीम को श्रेयांजलि, बायकॉन लाइटिंग व जेरिको केमिकल्स की और से गिफ्ट हैंपर दिया गया। मैच समाप्ति के पश्चात आयोजित समापन समारोह में राज्यसभा के सांसद पवित्रा मार्घेरिटा, असिटेंट कमिश्नर ऑफ आरपीएफ राकेश शर्मा, बायोफिट जिम के डायरेक्टर अमित जैन व उनकी धर्मपत्नी मेघा जैन, पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी युवा मंच के प्रांतीय अध्यक्ष हिम शिखर खंडेलिया, महामंत्री राज चौधरी, प्रदेश भाजपा के कोषाध्यक्ष राजकुमार शर्मा, स्पाइस जेट से राहुल गुप्ता, जेरीको केमिकल्स की और से मीनू सिंघी उपस्थित होकर समारोह की शोभा बढ़ाई। गौरतलब है कि फाइनल मुकाबले से पहले महिलाओं का मैच भी आयोजित किया गया। महिलाओं के बीच खेले गए मैच में व्हाइट गोल्ड की टीम ने 12 ओवर मैं 78 रनों का लक्ष्य ब्लैक डायमंड को दिया, जिसे ब्लैक डिमांड ने मात्र 9 ओवर मैं पूरा कर मैच जीत लिया। ब्लैक डायमंड की और से कप्तान खुशबू ने सर्वाधिक 47 रन बनाकर अपनी टीम को विजयी बनाया। इस अवसर पर शाखाध्यक्ष सूरज जैन ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस वृहद आयोजन में सभी पदाधिकारियों एवं संयोजकों का भरपूर सहयोग प्राप्त हुआ। उन्होंने विशेष रूप से एनईपीएल के चेयरमैन मितेश सुराना को धन्यवाद देते हुए कहा कि उनके व्यस्थित एवं सुचारू संचालन के चलते यह आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह जानकारी शाखा के जनसंपर्क अधिकारी आकाश शर्मा ने प्रेस विज्ञप्ति में दी है।

रंगिया : भोगाली बिहू के मौके पर तीन दिवसीय भोगाली मेला का आयोजन

रंगिया (निसं)। आगामी भोगाली बिहू के पूर्व अवसर पर रंगिया के तुलसीबाड़ी में तीन दिवसीय भोगाली मेला का आयोजन किया गया है। असम राज्य ग्रामीण आजीविका अभियान द्वारा आयोजित एवं महियसी मंडल स्तर की संस्था द्वारा आयोजित इस मेले का उद्घाटन कामरूप जिले के अतिरिक्त उपायुक्त तथा रंगिया के प्रभारी महकमाधिपति जावीर राहुल सुरेश ने किया। वहीं दूसरी ओर इसके उद्घाटन के मौके पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष व स्थानीय विधायक भवेश कलिता भी मेला स्थल पर उपस्थित होकर स्थानीय रूप से निर्मित विभिन्न वस्तुओं का परिदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने महिला समूहों की कार्यकर्ताओं से विभिन्न उत्पादों को लेकर विचारों का आदान-प्रदान किया तथा उनके प्रयासों को सराहा। उल्लेखनीय है कि मेले ने स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को अपनी हस्तकला प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान किया। परिदर्शन के दौरान विधायक कलिता ने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा बनाए गए कुछ उत्पाद भी खरीदे। इस मौके पर बैद्यगढ़ गांव पंचायत के अध्यक्ष दुलु भुइयां और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

ग्लोबल साउथ मिलकर वैश्विक राजनीतिक व वित्तीय प्रशासन को नया स्वरूप दें : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के विकासशील देशों के सम्मेलन में कहा कि हमें मिलकर वैश्विक राजनीतिक और वित्तीय प्रशासन को नया स्वरूप देने का प्रयास करना चाहिए। भारत की वैश्विक पहल पर आयोजित "वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ" समिट में इन देशों के नेताओं ने वर्चुअल माध्यम से शिरकत की। अपने प्रारंभिक संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कि सम्मेलन हमारे सामूहिक भविष्य के लिए नेक विचार हासिल करने का एक सामूहिक प्रयास है। प्रधानमंत्री मोदी ने आह्वान किया की सभी विकासशील देशों को नई विश्व व्यवस्था बनाने के लिए एक दूसरे का समर्थन करना चाहिए। इससे हमारे नागरिकों का कल्याण सुनिश्चित होगा। उन्होंने विश्वास दिलाया कि भारत उनकी प्राथमिकताओं को अपनी प्राथमिकताएं मानता है। इस दौरान प्रधानमंत्री ने विकासशील देशों को असमानता दूर करने, विकास की ओर बढ़ने और प्रगति व समृद्धि पाने से जुड़ा कार्य एजेंडा "रिस्पॉन्ड, रिकॉग्नाइज, रिस्पेक्ट और रिफॉर्म" दिया। प्रधानमंत्री ने एक समावेशी और संतुलित अंतरराष्ट्रीय एजेंडा बनाकर ग्लोबल साउथ की प्राथमिकताओं की ओर ध्यान दिलाना। यह स्वीकार करना कि "साझा लेकिन विभेदित उत्तरदायित्व" का सिद्धांत सभी वैश्विक चुनौतियों पर लागू होता है। सभी देशों की संप्रभुता का सम्मान हो, कानून का शासन हो और मतभेदों तथा विवादों का शांतिपूर्ण समाधान हो। संयुक्त राष्ट्र सहित अंतरराष्ट्रीय संस्थानों को अधिक प्रासंगिक बनाने के लिए उनमें सुधार हो।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जैसे-जैसे वैश्विक शासन का आठ दशक पुराना मॉडल धीरे-धीरे बदलता है, हमें उभरती हुई व्यवस्था को आकार देने का प्रयास करना चाहिए। मोदी ने कहा कि विकासशील दुनिया के सामने आने वाली चुनौतियों के बावजूद वे आशावादी हैं कि हमारा समय आ रहा है।

सरल, स्केलेबल और टिकाऊ समाधानों की पहचान करना समय की मांग है। वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट में प्रधानमंत्री मोदी ने खाद्य, ईंधन और उर्वरकों की बढ़ती कीमतों के साथ-साथ जलवायु परिवर्तन पर चिंता जताई उन्होंने कहा कि अधिकांश वैश्विक चुनौतियां ग्लोबल साउथ ने नहीं बनाई हैं, लेकिन वे हमें अधिक प्रभावित करती हैं। उन्होंने कहा कि भारत अपनी अध्यक्षता के दौरान जी20 वैश्विक दक्षिण की आवाज को उठाएगा और आगे बढ़ाएगा। उन्होंने कहा कि जी-20 प्रेसीडेंसी के लिए भारत ने - "एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य" का विषय चुना है।

जीवन में आगे बढ़ने के लिए स्वामी विवेकानंद को जरूर पढ़ें : सीएम शिवराज

इंदौर, (हि.स.)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि स्वामी विवेकानंद आदर्श हैं। जीवन में आगे बढ़ने के लिए स्वामी विवेकानंद को जरूर पढ़ना चाहिए। मैं पढ़ता हूं, इससे मुझे रोजाना नए काम करने की प्रेरणा मिलती है। मुख्यमंत्री चौहान गुरुवार को राष्ट्रीय युवा दिवस पर आरएपीटीसी मैदान महेश गार्ड लाइन में सामूहिक सूर्य नमस्कार कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कार्यक्रम में शामिल बच्चों से कहा कि स्वामी विवेकानंद जी ने कहा था कि मनुष्य केवल साढ़े तीन हाथ का हाड़-मांस का पुतला नहीं है। वह अमृत का पुत्र है, ईश्वर का अंश है, अमर-आनंद का भागी है और अनंत शक्तियों का भंडार है। दुनिया में कोई काम ऐसा नहीं जो वो न कर सके। हम बड़े से बड़ा काम करने की क्षमता है। उन्होंने कहा कि हम सामान्य जीवन नहीं जीएंगे, बड़ा काम करना पड़ेगा। इसके लिए शरीर को स्वस्थ रखना होगा। योग करना चाहिए। दुनिया भी अब कर रही है। योग में सूर्य नमस्कार सबसे कारगर है। इसमें लगभग सारे आसन आ जाते हैं। मेरे बच्चों, शरीर में शक्ति होगी, तभी तुम कोई बड़ा काम कर सकोगे। स्वस्थ शरीर के लिए योग और व्यायाम करो। इसके माध्यम से ही महान लक्ष्यों की प्राप्ति संभव है। उल्लेखनीय है कि स्वामी विवेकानंद के जन्मदिवस 12 जनवरी को युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिन देशभर में सामूहिक सूर्य नमस्कार के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। युवा दिवस के उपलक्ष्य में शासन के निदेर्शानुसार सूर्य नमस्कार का जिला स्तरीय मुख्य कार्यक्रम आरएपीटीसी मैदान महेश गार्ड लाईन में आयोजित हुआ। सूर्य नमस्कार कार्यक्रम में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान शामिल हुए। कार्यक्रम में चार हजार से ज्यादा विद्यार्थी शामिल हुए। इसके अलावा विभिन्न संस्थानों और संगठनों में सूर्य नमस्कार का आयोजन किया गया। मध्य प्रदेश के सभी शिक्षण संस्थानों में सूर्य नमस्कार के कार्यक्रम हुए, जिनमें मंत्रीगणों की मौजूदगी में विद्यार्थियों और आम लोगों ने योग के विभिन्न आसनों का अभ्यास किया। कार्यक्रम में मप्र गान और वंदेमातरम का सामूहिक गायन भी हुआ।

कोरोना के खिलाफ रामबाण वैक्सीन तैयार, विशेषज्ञों की बैठक के बाद आज मंजूरी की संभावना

-कोविशील्ड से ज्यादा असरदार है कोवोवेक्स: आदार पूनावाला

-कोविशील्ड या कोवैक्सीन ले चुके लोग ले सकेंगे कोवोवेक्स बूस्टर

पुणे, (हि.स.)। कोरोना के विरुद्ध सिरम इंस्टीट्यूट ऑफ पुणे द्वारा तैयार किए गए हिट्रोलोगस बूस्टर डोज अब रामबाण हथियार के रूप में कार्य करेगा। कोरोनारोधी टीका कोविशील्ड या कोवैक्सीन ले चुके लोग कोवोवेक्स वैक्सीन बूस्टर के रूप में ले सकेंगे। यह डोज कोविशील्ड से भी ज्यादा असरदार होने का दावा ईस्टिट्यूट के अदार पूनावाला ने किया है। इसकी स्वीकृति के लिए केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन की बुधवार को बैठक हो चुकी है और आज इसकी घोषणा होने की संभावना है। कोरोना वायरस के विरुद्ध लड़ी जाने वाली जंग के रूप में एक कारगर हथियार सिरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया की कोवोवेक्स वैक्सीन को जल्द ही "हिट्रोलोगस" बूस्टर खुराक के रूप में मंजूरी मिल सकती है। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन की विशेषज्ञ समिति द्वारा कहा गया है कि कोविशिल्ड या कोवैक्सिन की दो खुराक ले चुके वयस्कों के लिए हिट्रोलोगस बूस्टर खुराक के रूप में इस टीके को बाजार में उतारने की मंजूरी के लिए बुधवार को एक बैठक हो चुकी है, जिसकी घोषणा आज गुरुवार को होने वाली है। इस कोरोनारोधी वैक्सीन को लेकर निमार्ताओं का कहना है कि हिट्रोलोगस बूस्टर खुराक में प्राथमिक खुराक से अलग बूस्टर खुराक दी जा सकती है। इसकी मंजूरी की घोषणा होने पर कोविशिल्ड या कोवैक्सीन के टीके लगवा चुके लोग कोवोवैक्स वैक्सीन बूस्टर के रूप में ले सकेंगे। जो कोविशिल्ड से भी ज्यादा असरदायक रहेगा।

हवा चलने से दिल्ली का प्रदूषण स्तर घटा, एक्यूआई 312 हुआ दर्ज

राकेश शर्मा

नई दिल्ली। हवा के चलने से गुरुवार को राजधानी में प्रदूषण के स्तर में कमी आई है। हालांकि, यह अभी भी बेहद खराब श्रेणी में है। आज दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 312 दर्ज किया गया है। जबकि बुधवार को एक्यूआई स्तर 421 दर्ज किया गया था, जो गंभीर श्रेणी में आता है। हल्की बारिश और हवा चलने से प्रदूषण के स्तर में कमी आई है। हालांकि स्मॉग अभी चिंता का विषय बना हुआ है। वहीं, मौसम विभाग के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी में गुरुवार को आसमान में बादल छाए रहने और हल्की बारिश होने की संभावना है, जिससे कुछ दिनों के लिए शीतलहर से लोगों को थोड़ी राहत मिल सकती है। आईएमडी की ओर से जारी एक बुलेटिन के अनुसार, दिल्ली और उसके पड़ोसी राज्यों के कुछ इलाकों में 15 जनवरी से एक बार फिर शीतलहर चलने की संभावना है।

भारतीय मूल्यों के प्रतीक और युवाओं के लिए प्रेरणापुंज थे स्वामी विवेकानंद : खड़गे

नई दिल्ली, (हि.स.)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने राष्ट्रीय युवा दिवस की बधाई देते हुए कहा कि स्वामी विवेकानंद भारतीय मूल्यों के प्रतीक और युवाओं के लिए प्रेरणापुंज थे। खड़गे ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि राष्ट्रीय युवा दिवस भारत के महानतम दार्शनिकों में से एक, स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर मनाया जाता है। स्वामी विवेकानंद 'भारत जोड़ो' में विश्वास करते थे, जो भारत के आंतरिक मूल्यों में रचा-बसा है। इसको उन्होंने 1893 में शिकागो के विश्व धर्म संसद में अपने ऐतिहासिक भाषण में स्पष्ट रूप से अभिव्यक्त किया था। स्वामीजी ने कहा था कि सांप्रदायिकता, कट्टरता और धार्मिक हठ ने लंबे समय से इस खूबसूरत धरती को जकड़ रखा है। उन्होंने इस धरती को हिंसा से भर दिया है और कितनी ही बार यह धरती खून से लाल हो चुकी है। न जाने कितनी सभ्यताएं तबाह हुईं और कितने देश मिटा दिए गए। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने कहा कि भारत का युवा बदलाव के लिए बेकरार है। वे बेहतर और सुरक्षित जीवन का सपना देख रहे हैं और चाहते हैं कि भारत वैश्विक प्रगति के शिखर पर विराजमान हो। यह तभी संभव हो सकता है जब हम धर्म, जाति, भाषा, जातीयता, रंग, पंथ या लिंग की बाधाओं को तोड़ दें। खड़गे ने कहा कि स्वामीजी के विचारों और आदर्शों को श्रद्धांजलि के रूप में राजीव गांधी ने इस दिन को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में घोषित किया था।

भारत और गुयाना कृषि क्षेत्र में मिलकर करेंगे काम : तोमर

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि भारत और गुयाना कृषि क्षेत्र के विकास के लिए साथ काम करेंगे। तोमर ने गुरुवार को गुयाना के राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद इरफान अली से दिल्ली में मुलाकात के बाद ट्वीट कर कहा कि भारत और गुयाना आपस में कृषि और संबंधित क्षेत्रों, मुख्य रूप से गन्ने, मोटा अनाज (मिलेट्स) और ऑर्गेनिक कृषि आदि में एक दूसरे का तकनीकी सहयोग करेंगे। इस संबंध में उन्होंने गुयाना के राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद इरफान अली से आज नई दिल्ली में मुलाकात की है। तोमर ने कहा कि भारत और गुयाना के बीच कृषि से संबंधित विभिन्न विषयों पर विचारों और सुझावों का आदान - प्रदान हुआ। गुयाना के राष्ट्रपति के साथ उन्होंने आज कृषि के मुद्दों पर सार्थक चर्चा की है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में स्वामी जी के विचारों को समाहित कर किया गया है: धर्मेन्द्र प्रधान

-विवेकानंद जयंती व युवा दिवस पर केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने दी शुभकामनाएं

भुवनेश्वर, (हि.स.)। केन्द्रीय शिक्षा, कौशल विकास व उद्यमिता मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने स्वामी विवेकानंद जयंती पर श्रद्धा सुमन अर्पित करने के साथ राष्ट्रीय युवा दिवस पर शुभकामनाएं दी हैं। उन्होने ट्वीट कर कहा कि अपने ज्ञान और ओजस्वी विचारों से विश्व को भारतीय संस्कृति व दर्शन की सुगंध से पुलकित करने वाले युवा आदर्श स्वामी विवेकानंद जी की जयंती पर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन व राष्ट्रीय युवा दिवस की सभी को शुभकामनाएं। उनके विचार आज भी प्रासंगिक हैं और सदैव मानव जीवन को प्रेरणा देते रहेंगे। स्वामी विवेकानंद जी एक ऐसी शिक्षा व्यवस्था चाहते थे जिससे चरित्र बने, मानसिक विकास हो और जो मनुष्य को सेवा के लिए विकसित करे।

स्वामी जी के विचारों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में समाहित कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एक विद्यार्थी-केंद्रित और न्यायसंगत शिक्षा व्यवस्था का निर्माण कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारत के युवाओं और अगली पीढ़ियों को विश्व मानव के रूप में तैयार करने का एक पवित्र दर्शन है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति का अक्षरशः क्रियान्वयन ही स्वामी विवेकानंद जैसे युग प्रवर्तक को सच्ची श्रद्धांजलि है।

पूर्व आप पार्षद ताहिर हुसैन पर दंगे भड़काने और फंडिंग के आरोप तय

अजय कुमार

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली में साल 2020 फरवरी में हुए दंगों को लेकर कड़कड़डूमा कोर्ट में बुधवार को सुनवाई हुई। कोर्ट ने दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में आरोप तय किए हैं। कोर्ट ने ताहिर हुसैन पर आरोप तय किए हैं कि उसने गलत तरीके से मिले धन का इस्तेमाल दंगों के लिए किया। हालांकि ताहिर हुसैन ने अब तक अपना गुनाह कबूल नहीं किया है। कोर्ट 10 फरवरी को मामले में अगली सुनवाई करेगी। दरअसल साल 2020 फरवरी में उत्तर-पूर्वी दिल्ली में दंगे हुए थे जिसमें 50 से ज्यादा लोगों की जान चली गई थी। ताहिर हुसैन पर दंगे भड़काने और उनकी फंडिंग के आरोप के साथ ही अन्य कई आरोप हैं। दंगों के वक्त ताहिर हुसैन आम आदमी पार्टी के पार्षद थे लेकिन आरोपी होने पर पार्टी ने उन्हें निकाल दिया था। आपको बता दें कि ताहिर हुसैन और अन्य के खिलाफ आईपीसी की धारा 302 307 147 148 और 153 ए 120 बी के तहत भी आरोप कोर्ट तय कर चुकी है। आपको बता दें कि बीते साल 16 दिसंबर को कोर्ट ने 2020 में हुए दंगों के आरोपी चार लोगों को यह कहते हुए बरी कर दिया।

मनीष सिसोदिया का एलजी पर गंभीर आरोप

अजय त्यागी

नई दिल्ली। सीएम अरविंद केजरीवाल सरकार और एलजी विनय सक्सेना के बीच विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने उपराज्यपाल विनय सक्सेना पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने दिल्ली के एलजी पर चुनी हुई सरकार और उनके कामकाज को रोकने का आरोप लगाया है। मनीष ने कहा कि एलजी लगातार दिल्ली सरकार की सेवाओं पर अपने नियंत्रण में लेने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने अपने ट्विट में लिखा है कि दिल्ली सरकार में कार्यरत नौकरशाहों पर असंवैधानिक नियंत्रण का गलत है। भारतीय जनता पार्टी ने केजरीवाल सरकार की सूचना विभाग सचिव ऐलिस वाज से नोटिस दिलवाया है कि 2017 से दिल्ली से बाहर राज्यों में दिये गए विज्ञापनों का खर्चा मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से वसूला जाएगा। दिल्ली के अखबारों में बीजेपी के तमाम राज्यों के सीएम के विज्ञापन छपते हैं पूरी दिल्ली में इनके सीएम के फोटो वाले सरकारी होर्डिंग लगे हैं। क्या इनका खर्चा बीजेपी शासित राज्यों के सीएम से वसूला जाएगा? क्या ये सब इसलिए किया जा रहा है कि बीजेपी दिल्ली के अधिकारियों पर गैर कानूनी नियंत्रण चाहती है? इससे पहले दिल्ली के उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना मुख्य सचिव को राजनीतिक विज्ञापनों को प्रकाशित करवाने के लिए 163.62 करोड़ रुपये का वसूली नोटिस जारी किया था। साथ ही सरकारी विज्ञापनों की आड़ में प्रकाशित राजनीतिक विज्ञापनों के लिए आप से 97 करोड़ रुपये वसूलने का निर्देश दिया था जिसके एक महीने बाद यह घटनाक्रम देखने को मिला जानकारी के मुताबिक सूचना एवं प्रचार निदेशालय द्वारा जारी वसूली नोटिस में मूल राशि पर लगा ब्याज भी शामिल है। एलजी के आदेश में कहा गया है कि दिल्ली में सत्तारूढ़ आप के लिए 10 दिन के अंदर पूरी राशि का भुगतान करना अनिवार्य है। यदि आप संयोजक ऐसा करने में विफल रहते हैं तो दिल्ली के उपराज्यपाल के पिछले आदेश के मुताबिक समयबद्ध तरीके से सभी कानूनी कार्रवाई की जाएगी जिसमें पार्टी की संपत्तियां कुर्क किया जाना भी शामिल है। वहीं आप सांसद संजय सिंह को उत्तर प्रदेश सुल्तानपुर कोर्ट ने 3 महीने की सजा सुनाई है। अदालत ने आप सांसद पर 1500 रुपए का आर्थिक जुमार्ना भी लगाया है। संजय सिंह को 21 साल पुराने मामले में यह सजा सुनाई गई है। कोर्ट के आदेश पर अपनी प्रतिक्रिया में संजय सिंह कहा कि वो ऊपरी अदालत में अपना पक्ष रखेंगे। उन्होंने कहा कि 18 जून 2001 में बिजली कटौती से परेशान जनता के लिए आंदोलन करने की सुल्तानपुर कोर्ट ने सुनाई है। इसके बावजूद जनहित के मुद्दों पर हमारा संघर्ष जारी रहेगा। बता दें कि सुल्तानपुर की एमपी एमएलए कोर्ट के न्यायाधीश योगेश यादव ने आप सांसद को सजा सुनाई है।

जेल में कैदियों को सुधारने डी-रेडिकलाइजेशन योजना शुरू

- कैदियों की मानसिकता सुधारने के लिए योजना पर होगा अमल

नई दिल्ली (ईएमएस)। जेल में कैदियों को सुधारने के लिए सरकार ने डी-रेडिकलाइजेशन योजना की शुरूआत की है। एक अंग्रेजी अखबार की रिपोर्ट के अनुसार गृह मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के सभी डीजी कारागार से कहा है कि वे सभी जेलों में सुधारात्मक और व्यवहार विशेषज्ञों की मदद से नियमित विशेष डी-रेडिकलाइजेशन सत्र आयोजित करने पर ध्यान केंद्रित करें ताकि गुमराह लोगों की मानसिकता को बदला जा सके। उप सचिव अरुण सोबती ने एक पत्र में कहा कि जेलप्रशासन को यह सुनिश्चित करना होगा कि कट्टरपंथ की विचारधारा का प्रचार करने वाले कैदियों को अन्य कैदियों से दूर अलग बाड़े में रखा जाए। जेल प्रशासन को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि जो कैदी नशीले पदार्थों और ड्रग्स की तस्करी आदि से संबंधित अपराधों के लिए हिरासत में हैं उन्हें भी अलग से रखने की आवश्यकता है। सोबती ने अपने पत्र में कहा कि 3240 अदालत परिसरों में वीडियो कांफ्रेंसिंग की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। पत्र में जेल अधिकारियों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधा का उपयोग करने के लिए विशेष प्रयास करने का अनुरोध किया गया है। 2021 एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार भारतीय जेल की आबादी में 77 प्रतिशत विचाराधीन कैदी थे जबकि केवल 22 प्रतिशत अपराधी थे जिनमें लगभग आधे विचाराधीन कैदी 2 साल से अधिक समय से जेल में थे। 554000 कैदियों में से 427000 मुकदमे की प्रतीक्षा कर रहे थे जिनमें से 24033 विचाराधीन कैदी पहले से ही तीन से पांच साल से जेल में थे।

जोशीमठ के हालात पर सेना प्रमुख बोले- हर संभव मदद मुहैया कराने को तैयार

नई दिल्ली, (हि.स.)। सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने गुरुवार को जोशीमठ के मौजूदा हालात पर कहा कि हम स्थानीय प्रशासन को हर संभव मदद मुहैया कराएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि अगर नागरिक प्रशासन की ओर से रेस्क्यू ऑपरेशन में सेना की मदद मांगी जाती है, तो हम पूरी तरह तैयार हैं। सेना प्रमुख जनरल पांडे ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि चीन सीमा से लगे इलाकों में स्थित 20-25 सेना के भवनों में दरारें आई हैं। यहां के स्टाफ को अन्य जगह स्थानांरित किया गया है, जरूरत पड़ने पर ऊंचाई के इलाके औली में भेजा जाएगा। सीमा के करीबी इलाकों में कई सड़कों में भी दरारें आई हैं, जिन्हें बीआरओ के जरिए ठीक कराया जा रहा है। अग्रिम इलाकों तक हमारी पहुंच और परिचालन संबंधी तैयारियों पर कोई असर नहीं पड़ा है। उन्होंने कहा कि उत्तरी सीमाओं पर स्थिति स्थिर है, लेकिन अप्रत्याशित है। हम सात मुद्दों में से पांच को हल करने में सफल रहे हैं। हमने सैन्य और राजनयिक दोनों स्तरों पर चीन से बात करना जारी रखा है। किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए हमारे पास पर्याप्त भंडार है। एलएसी पर तैनात हमारे सैनिक दृढ़ तरीके से चीन के उन प्रयासों को रोकने में सक्षम रहे हैं, जिसमें उन्होंने यथास्थिति को एकतरफा बदलने की कोशिश की थी। जनरल पांडे ने कहा कि चीन के किसी भी प्रयास को रोकने के साथ ही उत्तरी सीमा पर विरोधी पक्ष के जवाब में हमारी भी तैनाती जारी है। सीमा पर हमारे पास बराबर संख्या में सैनिक हैं। हमारी पूर्वी कमान के विपरीत चीन ने सैनिकों की संख्या में थोड़ी वृद्धि हुई है, लेकिन हम कड़ी नजर रख रहे हैं। उन्होंने कहा कि सीमा पर सैनिकों की संख्या का कोई महत्व नहीं होता, बल्कि उनमें उत्साह, जोश और हौसला मायने रखता है, जो हमारे सैनिकों में है। यही वजह है कि हम दुश्मन के किसी भी दुस्साहस का जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। सेना प्रमुख जनरल पांडे ने कहा कि पूर्वोत्तर के अधिकांश राज्यों में शांति लौट आई है। आर्थिक गतिविधियों और विकास की पहल के अच्छे परिणाम मिले हैं। यह सेना दिवस विशेष है, क्योंकि यह आजादी का 75वां वर्ष भी है। जहां तक जम्मू और कश्मीर की स्थिति का सवाल है, तो फरवरी 2021 में हुआ संघर्ष विराम अच्छी तरह से चल रहा है, लेकिन आतंकवाद और आतंकी ढांचे को सीमा पार से समर्थन अभी भी बना हुआ है। जम्मू-कश्मीर में घुसपैठ में कमी आने का दावा करते हुए उन्होंने कहा कि नियंत्रण रेखा पर हमारा घुसपैठ विरोधी तंत्र मजबूत होने से अब आतंकियों ने पीर पंजाल क्षेत्रों में और सीमावर्ती इलाकों के नागरिक आबादी वाले क्षेत्रों को निशाना बनाना शुरू किया है। सीमा पर और सीमावर्ती इलाकों में हमारा आतंक विरोधी अभियान चलता रहेगा। उन्होंने बताया कि हमने भारतीय सेना का परिवर्तन करने का फैसला किया है। यह अनिवार्य रूप से पांच प्रमुख क्षेत्रों में शुरू होता है, जिसमें बल पुनर्गठन, अनुकूलन, आधुनिकीकरण, प्रौद्योगिकी संचार और मानव संसाधन प्रबंधन शामिल हैं। सेना प्रमुख ने कहा कि महिला अधिकारियों को भारतीय सेना की कोर ऑफ आर्टिलरी में कमीशन दिया जाएगा। इस बारे में हमने प्रस्ताव सरकार को भेज दिया है और हमें उम्मीद है कि इसे स्वीकार कर लिया जाएगा। हमारे पास आर्मी मार्शल आर्ट्स रूटीन भी है, जो युद्ध की स्थितियों से निपटने में मदद करेगा। यह देश में विभिन्न मार्शल आर्ट का एक मिला-जुला रूप है। जनरल पांडे ने कहा अग्निपथ स्कीम के तहत रिस्पांस अच्छा, उत्साहजनक मिला है। पहले बैच के अग्निवीरों का प्रशिक्षण शुरू किया गया है।

नितिन गडकरी ने ऑटो एक्सपो-2023 के 16वें संस्करण की शुरूआत की

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने ऑटो एक्सपो-2023 के 16वें संस्करण की गुरुवार को औपचारिक शुरूआत की। इस अवसर पर केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री डॉ. महेंद्र नाथ पांडेय भी मौजूद रहे। तीन साल के लंबे अंतराल के बाद शुरू हुए इस एक्सपो में देश और दुनिया की कई नामी कंपनियों की ओर से अपने वाहनों को प्रदर्शन किया गया है। 11 से 18 जनवरी तक चलने वाले इस ऑटो एक्सपो का गुरुवार को दूसरा दिन है। ऑटो एक्सपो को दो जगहों पर आयोजित किया गया है। राजधानी नई दिल्ली के प्रगति मैदान में ऑटो एक्सपो कंपोनेंट शो और ग्रेटर नोएडा में ऑटो एक्सपो मोटर शो का आयोजन किया गया है। एक्सपो में मारुति सुजुकी सहित हुंडई मोटर इंडिया, टाटा मोटर्स, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर, किआ इंडिया, एमजी मोटर इंडिया और रेनॉ इंडिया के कारों का अनावरण होगा। इसके साथ ही कई इलेक्ट्रिक कारों का भी प्रदर्शन होगा। ऑटो एक्सपो में आगंतुक के लिए 13 जनवरी को टिकट की कीमत 750 रुपये रखी गई है, जबकि 14 और 15 जनवरी के लिए कीमत 475 रुपये है। आयोजन के आखिरी तीन दिनों के लिए टिकट की कीमत 350 रुपये रखी गई है। इसकी टिकट BookMyShow की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

जनप्रतिनिधियों के नेतृत्व में निवेशक सम्मेलन आयोजित किये जाएं : योगी आदित्यनाथ

- सांसदों, विधायकों के साथ मुख्यमंत्री ने चित्रकूट मण्डल के विकास कार्यों की समीक्षा की

लखनऊ, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को चित्रकूट मण्डल के विकास कार्यों की समीक्षा की। फरवरी में प्रस्तावित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि जनप्रतिनिधियों के नेतृत्व में निवेशक सम्मेलन आयोजित किये जाएं। उन्होंने कहा कि चित्रकूट में क्षमता, लैंडबैंक और सम्भावनाएं हैं। जनप्रतिनिधि निवेशक से मिलें और अपनी इन खूबियों के बारे में उन्हें बताएं। इस बैठक में मण्डल के सभी सांसद, विधायक के अलावा शासन के संबंधित अधिकारी भी शामिल हुए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को चित्रकूटधाम मंडल की समीक्षा करते हुए एक-एक जनपद बांदा, महोबा, हमीरपुर और चित्रकूट जिलों से आए सांसद व विधायकों से उनके क्षेत्र की विकास योजनाओं की जानकारी ली और निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि चित्रकूट में भगवान राम ने अपने वनवास काल का सर्वाधिक समय व्यतीत किया था। आज चहुंमुखी विकास की नई कहानी कह रहा है। बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे के माध्यम से आज यहां बेहतरीन रोड कनेक्टिविटी है। एयरपोर्ट का विकास हो रहा है। डिफेंस कॉरीडोर का एक महत्वपूर्ण नोड चित्राकूट में ही है। यहां के हर घर में नल से शुद्ध पेयजल सुलभ हो रहा है। इन प्रयासों से आज पूरे चित्रकूट धाम मंडल में सकारात्मकता का संचार हुआ है। आम जन की सुविधा के दृष्टिगत ईज ऑफ लिविंग के सभी मानकों पर चित्रकूट में कार्य किया गया है। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में उप्र ने स्वयं के लिए एक ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य रखा है। इस संकल्प की पूर्ति के लिए पूरा प्रदेश एकजुट होकर प्रयास कर रहा है। आगामी 10-12 फरवरी को आयोजित उत्तर प्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि

समिट से पहले दुनिया भर के निवेशकों को उप्र में निवेश का आमंत्रण देने की हमारी कार्ययोजना को आशातीत सफलता मिली है। 16 राष्ट्रों में हुए रोड शो से सात लाख 12 हजार करोड़ रुपये से अधिक के निवेश का मार्ग प्रशस्त हुआ है। विदेश में रोड शो की सफलता के बाद अब देश के प्रमुख महानगरों में उद्योग जगत को आमंत्रित करने रोड शो का आयोजन हो रहा है। जीआईएस-2023 ऐतिहासिक होने जा रहा है। व्यापक निवेश से बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर सृजित होंगे, जिसका सीधा लाभ हमारे युवाओं को मिलेगा। विदेशी और घरेलू निवेशक रोड शो से प्रेरणा लेते हुए अनेक जनपदों ने जिला स्तर पर निवेशक सम्मेलन आयोजित किए और हजारों करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त किए। ऐसे ही प्रयास चित्रकूट मंडल में भी किये जाने चाहिए। जनपदीय निवेशक सम्मेलन के आयोजन के लिए बेहतर कार्ययोजना तैयार करें। सांसद के नेतृत्व में विधायक गण कमान संभालें। जिला प्रशासन, औद्योगिक अवस्थापना विभाग, इन्वेस्ट यूपी और मुख्यमंत्री कार्यालय से सहयोग लें। अपने क्षेत्र के उद्यमियों, व्यापारियों, प्रवासी जनों से संवाद-संपर्क बनाएं। उन्हें प्रदेश सरकार की औद्योगिक नीतियों, सेक्टोरल पॉलिसी की जानकारी दें। अपने क्षेत्र के क्षमता का परिचय दें और निवेश के लिए प्रोत्साहित करें।

प्रयासों से प्रदेश में खनन संबंधी कार्यों में आई पारदर्शिता - मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार सभी तहसील मुख्यालयों पर चरणबद्ध रूप से फायर स्टेशन स्थापित करा रही है। चित्रकूट के हर तहसील में अग्निशमन केंद्र होंगे। यहां प्रशिक्षित कर्मी तैनात होंगे। विगत साढ़े पांच-छह वर्षों में योजनाबद्ध प्रयासों से प्रदेश में खनन संबंधी कार्यों में पारदर्शिता आई है। आमजन हों या पट्टाधारक अथवा ट्रांसपोर्टर, सभी की सुविधा का ध्यान रखते हुए अनेक अभिनव प्रयास किए गए हैं। खनन कार्य से जुड़े सभी हितधारकों के लिए पारदर्शी प्रक्रिया सुनिश्चित की जा रही है। व्यवस्था को सुचारु बनाये रखने में सांसद-विधायक गण भी सहयोग करें। कहीं भी अवैध खनन अथवा ओवरलोडिंग की गतिविधि न हो। वर्षों से लंबित अर्जुन सहायक परियोजना के पूरा होने से हमीरपुर, महोबा और बांदा के लाखों किसानों को सीधा लाभ मिल रहा है।

सांसद-विधायक प्रदेश सरकार की नई औद्योगिक नीतियों का व्यापक प्रचार-प्रसार करें। स्थानीय विश्वविद्यालय, महाविद्यालयों, पॉलिटेक्निक, आईटीआई में युवाओं के बीच इन पर परिचर्चा कराई जाए। जनप्रतिनिधि क्षेत्र में संचालित विकास परियोजनाओं का निरीक्षण करते रहें। यह योजनाएं स्थानीय जनप्रतिनिधियों की छवि निर्माण में सहायक होंगी। तकनीक का बेहतर इस्तेमाल करें। आज सोशल मीडिया, संवाद का बेहतरीन माध्यम बन कर उभरा है। सभी सांसद, विधायक को इस मंच का उपयोग करना चाहिए। केंद्र व राज्य सरकार की लोककल्याणकारी योजनाओं, औद्योगिक नीतियों, रोजगारपरक कार्यक्रमों के बारे में सकारात्मक भाव से सोशल मीडिया मंच पर अपनी राय रखनी चाहिए।

संभ्रांत परिवारों को भी गो पालन के लिए प्रेरित करें - बुंदेलखंड के सभी जनपदों में विषमुक्त गौ-आधारित प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित किया जा रहा है। सांसद, विधायक गण रुचि लेकर किसानों को इस बड़े कार्यक्रम से जोड़ने का प्रयास करें। निराश्रित गोवंश संरक्षण के लिए राज्य सरकार के स्तर पर निराश्रित गो-आश्रय स्थल निर्माण, सहभागिता योजना तथा कुपोषित परिवारों को गाय उपलब्ध कराने की तीन योजनाएं चल रही हैं। इन योजनाओं का प्रचार-प्रसार हो। संभ्रांत परिवारों को भी गो-पालन के प्रति प्रेरित किया जाना चाहिए। निराश्रित गोवंश प्रबंधन में हर जनप्रतिनिधि का सहयोग आवश्यक है।

सत्य, ज्ञान और शिक्षा के प्रतिमान थे विवेकानंद : एबीवीपी

- अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने मनाया स्वामी विवेकानंद का जन्मदिवस

महाराजगंज, (हि.स.)। स्वामी विवेकानंद सन्निहित सत्य, ज्ञान और शिक्षा के प्रतिमान रूप थे। हमें शास्त्रों की गहराई में उतरने का साहस करना चाहिए। यदि यह संभव नहीं है तो हमें स्वयं और अपनी संस्कृति को समझने के लिए स्वामी विवेकानंद को अपने जीवन में आत्मसात करने की जरूरत है। यह बातें गुरुवार को युवा राष्ट्रीय दिवस पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद सदर नगर इकाई द्वारा एक कोचिंग सेंटर पर आयोजित विवेकानंद की जयंती के दौरान वक्ताओं ने कही। वक्ताओं ने कहा कि स्वामी विवेकानंद के दर्शन और उनके विचार युवाओं के लिए हर युग में प्रासंगिक हैं। उनके संदेश आज के युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। वक्ताओं ने कहा कि जिस प्रकार स्वामी जी का शिक्षा दर्शन यथार्थवादी है, उसी प्रकार उनका जीवन दर्शन बताता है कि विजय प्राप्त कर के जीवित रहने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को जीवन की हर चुनौती का डटकर मुकाबला करना होगा।

स्वामी जी के बताये सफलता के तीन मंत्रों की हुई चर्चा - इस दौरान स्वामी विवेकानंद के सफलता के लिए दिये गये चार मंत्रों की चर्चा हुई। पहला, उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए। दूसरा मंत्र बताया कि एक समय में एक काम करो, अपनी आत्मा उसमें डाल दो और बाकी सब कुछ भूल जाओ। तीसरा मंत्र था। एक विचार लो, उस विचार को अपना जीवन बना लो। यही सफल होने का तरीका है। उनका चौथा मंत्र बताया कि जो शारीरिक, बौद्धिक व आध्यात्मिक रूप से कमजोर बनाता हो, जहर मानकर नकार दो।

छोटे अपराधों में कारागार में बंद कैदी जल्द होंगे आजाद : जिलाधिकारी

बस्ती (हि.स.)। छोटे अपराधों में कारागार में बंद कैदियों को मुक्ति दिलाने की पहल जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने की है। कलेक्ट्रेट सभागार में गुरुवार को आयोजित अभियोजन की बैठक में उन्होंने सभी प्रॉसीक्यूशन ऑफिसर को निर्देशित किया कि ऐसे लोगों की सूची तैयार करें, जो छोटे अपराधों में जेल में निरुद्ध है, या उन्होंने पारित अपराध में निर्धारित सजा से अधिक समय तक जेल में बिता लिया है। जिलाधिकारी ने प्रभारी वरिष्ठ जेल अधीक्षक, एडीएम को इस सम्बंध में निर्देशित किया कि ऐसे व्यक्ति की सूची संबंधित सीओ को उपलब्ध कराएं, जिसमें कारागार में उनके लाने की अवधि अंकित हो। उल्लेखनीय है कि प्रत्येक माह जिला कारागार में लोक अदालत का आयोजन किया जाता है, जिसमें ऐसे कैदियों को छोड़ने की संस्तुति की जाती है, लेकिन वह बहुत कम संख्या में होती है। जिलाधिकारी की पहल पर बड़े पैमाने पर यह कार्य किया जाएगा ताकि अधिक से अधिक छोटे अपराधों वाले व्यक्तियों को छोड़ा जा सके।

प्रभारी वरिष्ठ जेल अधीक्षक कमलेश चंद्र ने बताया कि वर्तमान समय में जेल में कुल 850 कैदी निरुद्ध हैं, जिसमें से 200 सजायाफ्ता हैं। शेष 650 का ट्रायल चल रहा है। ऐसी स्थिति में कारागार में क्षमता से अधिक कैदी रखे गए हैं, जिनके भरण-पोषण पर शासन का व्ययभार भी बढ़ता है। उन्होंने बताया कि इस प्रकरण को जनपद न्यायाधीश की अध्यक्षता में संपन्न होने वाली मॉनीटरिंग सेल की बैठक में विचारार्थ रखा जाएगा। बताया कि बैठक में गंभीर अपराधों जैसे हत्या, बलात्कार में निरुद्ध अपराधियों को अधिक से अधिक सजा दिलाने की जिलाधिकारी ने शासकीय अधिवक्ताओं तथा प्रॉसीक्यूशन आफिसर को निर्देशित किया है। वर्तमान समय में पाक्सो एक्ट के 125 केस चल रहे हैं। समीक्षा में उन्होंने पाया कि 965 में से 483 सम्मन की तामीला रिपोर्ट प्राप्त हुई हैं, शेष 482 के बारे में कोई जानकारी नहीं है। इस संबंध में थानावार रिपोर्ट मंगाने के लिए जिलाधिकारी ने निर्देशित किया है।

कड़ाके की सर्दी में हुई शिक्षामित्र स्वाभिमान बचाओ रैली

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश में कार्यरत सैकड़ों शिक्षामित्रों ने कड़ाके की सर्दी के बीच सैकड़ों की संख्या में लखनऊ के इको गार्डेन में पहुंच कर शिक्षामित्र स्वाभिमान बचाओ रैली में भाग लिया। रैली में भाग लेने आए शिवनाथ पाठक ने कहा कि उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आये शिक्षा मित्रों की यही राय है कि 2023 के जनवरी में शुरू हुए इस रैली को अंजाम तक पहुंचाया जाए। शिक्षा मित्र भी शिक्षा प्रणाली का हिस्सा है, उन्हें मजबूत स्थिति में लाने के लिए पहले की तरह स्थायी शिक्षक बनाया जाए। उन्होंने अपने साथियों के साथ कहा कि पीएम ने एकबार शिक्षा मित्रों का ख्याल रखने की बात कही थी। अभी तक ख्याल जैसा कुछ खास दिखा नहीं। यूपी में वेतन वृद्धि, समान वेतन,

नियमित किए जाने जैसे मामलों में कुछ खास होता दिखा नहीं है। उनकी मुख्य मांग है कि सीधी तौर पर उन्हें शिक्षक की उपाधि दी जाए। वे भी समाज में शिक्षक कहलाने की स्थिति में आ सके। रैली में जुटे विभिन्न वक्ताओं ने अपनी बातों को रखते हुए नियमितीकरण के मांग को दोहराया और कहा कि शिक्षामित्र भी शिक्षक कहलाने का अधिकार रखते हैं। वर्तमान परिवेश में हम शिक्षा क्षेत्र के महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

कानपुर सेन्ट्रल रेलवे स्टेशन को बम से उड़ाने की धमकी देने वाला गिरफ्तार

कानपुर, (हि.स.)। रेलवे स्टेशन कानपुर सेंट्रल को बम से उड़ाने की धमकी देने वाले 20 हजार रुपये के आरोपी को रेलबाजार पुलिस ने गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी ढाई वर्ष से फरार चल रहा था। कानपुर कमिश्नरेट पुलिस ने उसके कब्जे से नकदी एवं दो मोबाइल फोन तथा अन्य दस्तावेज बरामद किए हैं। गिरफ्तार आरोपित पश्चिमी दिल्ली के गुरुद्वारा रकाबगंज बस स्टॉप के पास रहने वाला बजिंदर सिंह है। आरोपी के खिलाफ 24 अक्टूबर 2020 में कानपुर के रेलबाजार थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। जिसके बाद से बजिंदर सिंह फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी के लिए बीस हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। उक्त जानकारी कानपुर पुलिस कमिश्नरेट के

रेलबाजार प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार सिंह ने देते हुए बताया कि पुलिस आयुक्त बीपी जोगदंड के निर्देश पर पुलिस उपायुक्त पूर्वी जोन की देखरेख में पूरी टीम फरार आरोपी की तलाश कर रही थी। रेलबाजार थाने में तैनात उपनिरीक्षक सुरदीप सिंह डागर, उपनिरीक्षक राजकुमार रावत समेत पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर गुरुवार को आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ विधिक कार्रवाई करते हुए न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेजा जाएगा।

एनआईए ने झारखंड, बिहार और पश्चिम बंगाल में की छापेमारी

रांची, (हि.स.)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने बुधवार को झारखंड, बिहार और पश्चिम बंगाल में कई स्थानों पर छापेमारी की है। यह छापेमारी सरायकेला खरसावां जिले में भाकपा माओवादियों के पांच पुलिसकर्मियों की हत्या और हथियार लूटने के मामले में की गई है। एनआईए के आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को बताया कि एनआईए ने सरायकेला- खरसावां जिले में चार स्थानों और झारखंड के रांची जिले में एक स्थान, बिहार के मुंगेर जिले में एक स्थान और पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिले में एक स्थान पर संदिग्धों के परिसरों की तलाशी ली गयी है।छापेमारी के दौरान डिजिटल उपकरण और विभिन्न आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद किए गए है। जानकारी के अनुसार अब तक की जांच के दौरान यह सामने आया कि संदिग्ध व्यक्ति भाकपा (माओवादी), एक आतंकवादी संगठन के सदस्य हैं, और भाकपा (माओवादी) के ओवर ग्राउंड वर्कर के रूप में काम कर रहे थे। उन पर भाकपा (माओवादी) के सशस्त्र कैडरों को हथियार, गोला-बारूद, विस्फोटक सामग्री और अन्य रसद सहायता प्रदान करने में शामिल होने का संदेह है। जांच के दौरान यह भी पता चला कि वे भाकपा (माओवादी) के सशस्त्र कैडरों द्वारा तत्काल अपराध को अंजाम देने के लिए रची गई आपराधिक साजिश का हिस्सा था।

मामले में आगे की जांच जारी है। उल्लेखनीय है कि 14 जून 2019 को सरायकेला खरसावां जिले के तीरूलडीह के कुकुरूहाट बाजार में भाकपा माओवादियों ने पेट्रोलिंग करने निकली पुलिस टीम पर हमला कर पांच पुलिसकर्मियों को मौत के घाट उतार दिया था। वहीं हत्या के बाद दो पिस्टल, 70 जिंदा कारतूस, तीन इंसास राइफल और उसकी 550 राउंड कारतूस, 10 मैगजीन, मोबाइल फोन, पुलिसकर्मियों के बेलेट माओवादियों ने लूट लिए थे।

सरायकेला के राजनगर में पिकअप वैन पलटा, सात की मौत, एक दर्जन घायल

सरायकेला, (हि. स.)। सरायकेला-खरसावां जिले के राजनगर थाना क्षेत्र में गुरुवार की अहले सुबह एक अनियंत्रित पिकअप वैन पलटने से सात यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दर्जनभर लोग घायल हो गए हैं। मामले की सूचना मिलते ही राजनगर थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाने में जुट गई है। घटना राजनगर- चाईबासा मार्ग पर स्थित खैरबनी गांव के समीप घटी। बताया जाता है कि पिकअप वैन पर चाईबासा की ओर से मजदूरों को लाया जा जा रहा था, जो अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई। दुर्घटना में महिला मजदूर समेत सात मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई। पिकअप वैन में करीब 20 मजदूर सवार थे, जो चाईबासा से जमशेदपुर की ओर जा रहे थे। घायलों में आठ मजदूरों की स्थिति गंभीर है।

राहुल गांधी के खिलाफ दायर याचिका को दूसरे सक्षम बेंच में ट्रांसफर करने का निर्देश

रांची, (हि.स.)। झारखंड हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति नवनीत कुमार की कोर्ट ने गुरुवार को भाजपा के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह के खिलाफ कांग्रेस के वर्ष 2018 के अधिवेशन में टिप्पणी करने से जुड़े रांची सिविल कोर्ट में दर्ज केस को निरस्त करने को लेकर कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी द्वारा दाखिल याचिका पर आंशिक सुनवाई हुई। कोर्ट ने मामले को दूसरे सक्षम बेंच में ट्रांसफर करने का निर्देश दिया। भाजपा नेता नवीन झा की ओर से कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी के खिलाफ रांची सिविल कोर्ट में शिकायतवाद दर्ज कराया गया है। इससे पहले नवीन झा ने लीगल नोटिस देकर राहुल गांधी से उनके द्वारा अमित शाह के खिलाफ की गई टिप्पणी पर माफी मांगने को कहा था। राहुल गांधी द्वारा माफी नहीं मांगे जाने पर नवीन झा ने रांची सिविल कोर्ट में शिकायतवाद दर्ज की थी। उल्लेखनीय है कि राहुल गांधी द्वारा वर्ष 2018 में कांग्रेस के अधिवेशन में तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह के खिलाफ टिप्पणी करने से जुड़ा है, जिसमें राहुल गांधी ने कहा था कि कांग्रेस में कोई हत्यारा राष्ट्रीय अध्यक्ष नहीं बन सकता है।

कांग्रेसजन किसी हत्यारा को राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वीकार नहीं कर सकते हैं, यह भाजपा में ही पॉसिबल है। नवीन झा ने राहुल गांधी के इस बयान के खिलाफ रांची सिविल कोर्ट में शिकायतवाद दर्ज कराई थी, जिस पर कोर्ट ने संज्ञान ले लिया था, जिसे राहुल गांधी ने निरस्त करने के लिए हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की है।

आईईडी विस्फोट में घायल जवान के सिर की हुई सर्जरी, दो अन्य घायल जवानों की भी होगी सर्जरी

रांची, (हि.स.)। पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा) जिले के टोंटो थाना क्षेत्र के तुम्बाहाका जंगल में आईईडी ब्लास्ट में घायल जवान भरत सिंह राय के सिर की सर्जरी की गई है। मेडिका के सर्जन डॉक्टर गौतम चंद्रा ने बताया कि बुधवार देर रात भरत सिंह राय के सिर की सर्जरी की गई। अन्य दो जवानों की भी सर्जरी की जाएगी। आईईडी ब्लास्ट में मुकेश कुमार सिंह का बायां पैर जख्मी हुआ है। अजय लिंडा के जांघ, पैर और गर्दन में चोट आई है। जबकि भरत सिंह राय का बायां पैर और सिर जख्मी है। सभी का इलाज चल रहा है। सभी जवानों का इलाज मेडिका अस्पताल में चल रहा है। डॉक्टर गौतम चंद्रा और डॉक्टर राकेश अग्रवाल की देखरेख में जवानों का इलाज चल रहा है। सभी घायल जवान सुरक्षित बताये जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि बुधवार को पश्चिमी सिंहभूम के तुम्बाहाका जंगल के समीप भाकपा (माओवादी) नक्सलियों और

सुरक्षा बलों में मुठभेड़ के बाद आईईडी ब्लास्ट में कोबरा बटालियन के 6 जवान घायल हो गए थे। छह घायल जवान को हेलिकॉप्टर से रांची लाकर मेडिका अस्पताल में भर्ती किया गया था। घायल जवानों में अजय लिंडा, शाहरुख खान, भरत सिंह राय, मुकेश कुमार सिंह, आलोक दास और बीरपाल सिंह तोमर शामिल थे।

रिवर क्रूज "एमवी गंगा विलास" से दिनकर को नमन करने आएंगे स्विटजरलैंड के पर्यटक

बेगूसराय, (हि.स.)। देश को साहित्य के माध्यम से दिशा देने वाले राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की जन्म भूमि को नमन करना यूं तो देश-विदेश के पर्यटक आते ही रहते हैं। लेकिन अब एक साथ स्वीटजरलैंड के 32 पर्यटक 18 जनवरी को राष्ट्रकवि दिनकर को नमन करने आ रहे हैं। दुनिया के सबसे लंबे रिवर क्रूज "एमवी गंगा विलास" के माध्यम से 13 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा झंडा दिखाए जाने के बाद वाराणसी से नदी के रास्ते भारत भ्रमण पर रवाना होने वाले यह पर्यटक 18 जनवरी को सिमरिया आएंगे। सिमरिया में गंगा तट पर इनका क्रूज रुकेगा तथा यहां से यह लोग सड़क मार्ग से राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की जन्म भूमि सिमरिया पहुंचेंगे। यहां वे सब दिनकर जी के पैतृक आवास पर उनकी स्मृतियों को देखने के बाद दिनकर पुस्तकालय भी जाएंगे। दिनकर जी को नमन करने के बाद सभी पर्यटक आसपास के ग्रामीण जीवन को भी देखेंगे। सूचना मिलने के बाद सिमरिया में स्वागत की तैयारी शुरू कर दी गई है। दिनकर पुस्तकालय के सचिव संजीव फिरोज ने बताया कि राष्ट्रकवि दिनकर जी का जन्मस्थल सिमरिया साहित्य का तो तीर्थ है ही, देश-विदेश

के लोग आते रहते हैं। अब एक साथ स्वीटजरलैंड के 32 पर्यटक जा रहे हैं तो यह गौरव की बात है और हम लोग सूचना मिलने के बाद उनके स्वागत की तैयारी कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि दुनिया के सबसे लंबे रिवर क्रूज "एमवी गंगा विलास" को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 13 जनवरी को वाराणसी में हरी झंडी दिखाएंगे। यह लग्जरी क्रूज भारत और बांग्लादेश के 27 नदी प्रणालियों में 32 सौ किलोमीटर से अधिक की दूरी तय करेगा। उत्तर प्रदेश के बाद यह रिवर क्रूज 15 जनवरी को बिहार में बक्सर में प्रवेश करेगा तथा पटना, सिमरिया, मुंगेर, सुल्तानगंज, भागलपुर, साहेबगंज होते हुए पश्चिम बंगाल पहुंचेगा। उसके बाद वहां से फरक्का होते हुए बंगलादेश जाएगा। एमवी गंगा विलास क्रूज को दुनिया के सामने भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए तैयार किया गया है। एमवी गंगा विलास 62 मीटर लंबा और 12 मीटर चौड़ा है तथा 36 पर्यटकों की क्षमता वाले 18 सुइट हैं, जिनमें पर्यटकों के लिए एक यादगार और शानदार अनुभव प्रदान करने के लिए सभी सुविधा हैं। प्रदूषण मुक्त तंत्र और शोर नियंत्रण तकनीकों से लैस एमवी गंगा विलास की पहली यात्रा में स्विटजरलैंड के 32 पर्यटक वाराणसी से डिब्रूगढ़ की यात्रा का आनंद लेंगे। बिहार में आठ दिनों के सफर में यह बिहार की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत को जानेंगे। सिमरिया से पहले बक्सर में सीता राम उपाध्याय म्यूजियम, डोरीगंज में चिरांद पुरातत्विक स्थल, पटना में गोलघर, बिहार म्यूजियम और पटना साहिब गुरुद्वारा का भ्रमण करेंगे। सिमरिया के बाद मुंगेर में योगा स्कूल एवं मुंगेर फोट, सुल्तानगंज में अजगैबीनाथ मंदिर और भागलपुर से विक्रमशिला उत्खनन स्थल देखने जाएंगे। इस रिवर क्रूज को शरू करने का मुख्य उद्देश्य भारत की समृद्ध विरासत, आध्यात्मिक, शैक्षिक, कल्याण, सांस्कृतिक और जैव विविधता की समृद्धि से दुनिया को अवगत करना है। इसी उद्देश्य से विश्व विरासत स्थलों, राष्ट्रीय उद्यानों, नदी घाटों, और प्रमुख शहरों सहित 50 पर्यटन स्थलों की 51 दिनों की क्रूज से यात्रा की योजना बनाई गई है।

कोई सांसद आपको 5 बार से ठग रहा है तो दिक्कत नेता में नहीं आप में है : प्रशांत किशोर

मोतिहारी,(हि.स.)। जन सुराज पदयात्रा के दौरान जिले के तुरकौलिया प्रखंड स्थित परसौना गांव में एक आम सभा को संबोधित करते हुए प्रशांत किशोर ने कहा कि आप शिकायत करते हैं कि नेता जीतने के बाद हमें नहीं पूछते हैं। आप मुझे बताइए की ऐसा कैसे हो सकता है कि कोई नेता आपको 5 बार ठग ले, नेता आपको नहीं ठग रहा है। आप (जनता) नेता से ठगाने के लिए बैठे हैं। प्रशांत किशोर ने कहा कि कमी उस नेता में नही कमी तो आप में है।पिछले 32 साल से लालू नीतीश और 5 बार से आपके सांसद जीत रहे हैं।बताइये आखिर ऐसे कैसे हो सकता है ? कि वो आपको ठगे भी जा रहे हैं और आप उनको वोट किए भी जा रहे हैं। आपको हाथ जोड़ कर के बोल रहा हूं कि अपने बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ मत कीजिए। किशोर ने तुरकौलिया प्रखंड के शंकर सरैया दक्षिणी पंचायत में आम सभा को संबोधित करते हुए

कहा कि आज बिहार देश का सबसे बड़ा लेबर का सप्लायर राज्य बन कर रह गया है। देश के नेता जानबूझकर कर बिहार में फैक्ट्री नहीं लगाते,क्योकी उन्हें पता है कि अगर बिहार में फैक्ट्री लगा दिया गया तो 12 हजार में 10 लाख मजदूर आएंगे कहां से ? इसीलिए बिहार में फैक्ट्री न लगाकर सूरत,अहमदाबाद जैसों जगहों में फैक्ट्री लगा रहे हैं।उन्होने कहा कि कोरोना के समय बिहार के लड़कों को मार-मार कर दूसरे राज्यों में घर से बेघर कर दिया गया। वक़्त के साथ जैसे ही कोरोना खत्म हुई वैसे ही दूसरे राज्यों के बड़े फैक्ट्रियों के मालिक बस भेज कर बिहार से मजदूरों को मंगवाने लगे, इससे साफ पता चलता है कि वो बिहारियों को लेबर से ज्यादा कुछ नहीं समझते। प्रशांत किशोर ने कहा कि पूरे गुजरात में 10 लाख बिहारी मजदूरी कर रहे हैं,किसी बिहार के नेता को देखा है,इसपर चर्चा करते? आज कहानी ठीक वैसी हो गई है जैसे नील की खेती होती थी बिहार में और कपड़े बनते थे इंग्लैंड में।

सरकारी तंत्र की लापरवाही से खाद को ले बिहार के किसान त्रस्त - डॉ पूनम

नवादा, (हि. स.)। भाजपा प्रदेश मंत्री सह स्वतंत्र निदेशक नेशनल फर्टिलाइजर लीमिटेड डॉ पूनम शर्मा ने कहा है कि बिहार सरकार के अधिकारियों की लापरवाही तथा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अनदेखी के कारण केंद्र से आवंटन के बावजूद रासायनिक खाद के लिए बिहार के किसान त्रस्त है इसकी सारी जिम्मेदारी राज्य सरकार पर ही होनी चाहिए। बिहार के आयात कोटा में केन्द्र ने खाद का आंवटन कराया। फिर किस तरह किसानों को मिल नही पा रहे, यह चिंता का विषय है। रब्बी की बुआई में किसानों को परेशानिया झेलनी पड रही। वही बिहार सरकार कान में रुई डालकर प्रशासन को लाठी डंडे चलाने को छोड दी हैं। यूरिया की कालाबजारी और नेनो यूरिया को अनदेखी करना बिहार सरकार ने कर रखा है।ये असफल शराब बंदी का झेंप मिटाने को केन्द्र सरकार पर ठीकरा फोड अपने कर्त्व्य से बचना चाहते हैं। बिहार को आवंटित खाद का डाटा उपलब्ध है ।फिर ये किल्लत क्यों।

महिलायें और पुरुष इस ठंढी मे घंटो खडा रहते है। फिर लाठिया बरसाये जाते है। यह कोन सा कानून है। नीतीश सरकार को जबाब देना चाहिए। विस्कोमान, इफको मे कार्यरत कर्मचारी से पूछा जाय। एजेन्सी लेकर खाद को ब्लैक कर देने वाले से पूछा जाय। कडी से कडी और सख्त कारवाई की जाय। यह सुशासन के नाम पर कुशासन की सरकार बनी हुई है। राज सरकार की गलत नीतियों के कारण रासायनिक खाद का कृत्रिम अभाव पैदा कर किसानों को जलील किया जा रहा है। जिसका बुरा असर कृषि बुआई पर भी पड़ेगी। इसकी सारी जिम्मेदारी राज्य सरकार की होगी।

संपादकीय

राज्यपाल का 'तमिलवाद'

तमिलनाडु के राज्यपाल आर. एन. रवि को विधानसभा से बहिर्गमन करना पड़ा। जब यह ख़बर सामने आई, तो देश का संवैधानिक ढांचा अस्थिर होता लगा, क्योंकि यह दुर्लभ परिस्थिति थी। सवाल राज्यपाल की तमिल सोच और सियासत पर भी उठाए जा रहे हैं। उन्हें सदन से बहिर्गमन करना पड़ा, क्योंकि उन्होंने अपने अभिभाषण के कुछ अंश पढ़े नहीं थे। यूं कहें कि वह पढ़ना ही नहीं चाहते थे और आगे बढ़ गए। सत्ता पक्ष ने घोर आपत्ति जताई और राज्यपाल के खिलाफ ही प्रस्ताव ध्वनिमत से पारित कर दिया। अमूमन ऐसा नहीं होता, क्योंकि संविधान में राष्ट्रपति और राज्यपाल को कुछ अतिरिक्त शक्तियों और छूट दी गई हैं। राज्य में राज्यपाल ही सरकार का संवैधानिक प्रमुख होता है। दरअसल राष्ट्रपति या राज्यपाल के अभिभाषण सरकारें ही तय करती हैं और परंपरा है कि उन अभिभाषणों के जरिए वे सदन के सत्र को संबोधित करते हैं। सरकार के नीतिगत ब्लूप्रिंट भी स्पष्ट होते हैं कि सरकार ने क्या किया है और भविष्य के कार्यक्रम क्या हैं। बहरहाल राज्यपाल रवि ने अभिभाषण के वे अंश छोड़ दिए, जो तमिल नेताओं से संदर्भित थे। उन नेताओं में पेरियार, कांग्रेस के पूर्व मुख्यमंत्री के. कामराज, द्रमुक सरकार के पूर्व मुख्यमंत्री सी.एन.अन्नादुरई और करुणानिधि, अंततः डॉ. अंबेडकर आदि के नाम शामिल थे। राज्यपाल ने प्रशासन और सरकार के द्रविड़ मॉडल और सांप्रदायिक सौहार्द के प्रति द्रमुक गठबंधन की सरकार की प्रतिबद्धता वाला अंश भी, बिना पढ़े, छोड़ दिया। इनमें से किसी भी नाम और संदर्भ को विवादित, असंवैधानिक और साफ तौर पर गलत या झूठा करार नहीं दिया जा सकता। फिर राज्यपाल ने ये अंश क्यों नहीं पढ़े, जबकि तमिलनाडु से इनका गहरा संबंध रहा है? तमिल नेता और राजनीतिक दल इसका कारण स्पष्ट मान रहे हैं। वे राज्यपाल रवि को केंद्र की मोदी सरकार का एजेंट तक मान रहे हैं। यह भी संवैधानिक अपमान की स्थिति है। सितंबर, 2021 में आर.एन. रवि को तमिलनाडु का राज्यपाल नियुक्त किया गया था। तभी से राज्य सरकार के साथ उनके संबंध और समीकरण तनावपूर्ण और खटास भरे रहे हैं। महाराष्ट्र के राज्यपाल भगतसिंह कोशयारी, केरल के राज्यपाल आरिफ मुहम्मद खान, पश्चिम बंगाल के पूर्व राज्यपाल एवं मौजूदा उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और पुडुचेरी की उपराज्यपाल रहीं किरण बेदी आदि के साथ राज्य सरकारों के विवाद और विभाजन चिपके रहे हैं। चूंकि केंद्र में भाजपा सरकार है, लिहाजा यह भी स्वाभाविक है कि राज्यपाल या अन्य संवेदनशील और संवैधानिक नियुक्तियां उसी के जरिए होंगी। यही हमारी संवैधानिक व्यवस्था है, लेकिन राज्यपाल रवि ने अपनी लक्ष्मण-रेखा क्यों लांघी है? वह कई मुद्दों पर राज्य सरकार से असहमत रहे हैं। नीट के सरकारी विरोध को उन्होंने सत्यापित नहीं किया और विधानसभा द्वारा पारित एक दर्जन से ज्यादा बिलों पर कुंडली मार कर बैठे हैं। जाहिर है कि राज्य सरकार भी आरोपित करेगी। फिर राज्यपाल ने 'राजभवन' में एक आयोजन के दौरान टिप्पणी की कि राज्य का नाम 'तमिलनाडु' से बेहतर 'तमिझागम' होगा। इसकी क्या जरूरत थी? द्रमुक ने घोर आलोचना की और कहा कि राज्यपपाल फिजूल ही राज्य की राजनीति में हस्तक्षेप कर रहे हैं। 'तमिलनाडु' अलगाव का प्रतीक है और द्रमुक के राजनीतिक इतिहास के मद्देनजर विवादित भी है।

> बहरहाल राज्यपाल रवि ने अभिभाषण के वे अंश छोड़ दिए, जो तमिल नेताओं से संदर्भित थे। उन नेताओं में पेरियार, कांग्रेस के पूर्व मुख्यमंत्री के. कामराज, द्रमुक सरकार के पूर्व मुख्यमंत्री सी.एन.अन्नादुरई और करुणानिधि, अंततः डॉ. अंबेडकर आदि के नाम शामिल थे। राज्यपाल ने प्रशासन और सरकार के द्रविड़ मॉडल और सांप्रदायिक सौहार्द की सरकार की प्रतिबद्धता वाला अंश भी, बिना पढ़े, छोड़ दिया। इनमें से किसी भी नाम और संदर्भ को विवादित, असंवैधानिक और साफ तौर पर गलत या झूठा करार नहीं दिया जा सकता। फिर राज्यपाल ने ये अंश क्यों नहीं पढ़े, जबकि तमिलनाडु से इनका गहरा संबंध रहा है? तमिल नेता और राजनीतिक दल इसका कारण स्पष्ट मान रहे हैं।

कुछ अलग

मंत्रिमंडल की निर्णायक बैठक

हिमाचल सरकार अपने वादों की फेहरिस्त से निकल कर अब यथार्थ के धरातल पर कर्मचारियों के साथ लोहड़ी मनाने जा रही है। विभागीय आबंटन व अधूरे मंत्रिमंडल विस्तार के बावजूद सुक्खू सरकार की अहम प्राथमिकताओं में शुमार ओपीएस पर मंत्रिमंडल की निर्णायक बैठक कल होने जा रही है। जाहिर तौर पर यह बैठक शपथ पत्र की तरह कर्मचारियों से ओपीएस और महिलाओं से पंद्रह सौ के भुगतान के वादे को पूरा करेगी। यह पहली ऐसी कसरत है जहां मौका, दस्तूर और दरियादिली का इजहार करती कांग्रेस सरकार सारे देश के सामने नजीर पेश करेगी। इस तरह लोहड़ी त्योहार में मंत्रिमंडल की रेवडियां जब बंटेगी, तो सरकार का आगाज मीठा होगा। दूसरी ओर मंत्रिमंडल के पद और पदक पर अटकी राजनीतिक सांसों के लिए ऐसे ही त्योहार का इंतजार जारी है। मंत्री होने की काबिलीयत में हिमाचल का सियासी परिदृश्य भले ही अपेक्षाओं से भरा रहे, मगर सच यह भी है कि प्रदेश स्तरीय छवि में अधिकांश नेता अब तक अव्वल साबित होने से चूकते रहे हैं। हमें नहीं मालूम कि कल किस मंत्री के पास कौन सा विभाग होगा, लेकिन उम्मीद यह है कि सुक्खू मंत्रिमंडल अपनी छाप तय करे। हिमाचल के परिप्रेक्ष्य में जो विभाग अहम हो सकते हैं या जहां भविष्य तैयार होगा, उन्हें फिर से परखने की जरूरत है। विडंबना यह भी रही कि हिमाचल का बजट अब खिलौना सरीखा होकर खेला जाता है यानी रिसते आर्थिक आधार पर अपनी वित्तीय विपन्नता का सौदागर बनकर सरकारों को करिश्मा दिखाना है, तो कुछ इमारतें, कुछ संस्थान और कुछ कार्यालय खोल दिए जाते हैं, वरना हिमाचल की हैसियत में ये नखरे उठाने की क्षमता कभी रही ही नहीं। बेशक सुक्खू सरकार ने ऐसी घोषणाओं को डिनोटिफाई करके राजनीतिक जवाबदेही की एक तरह से परख शुरू की है, लेकिन इस मुहिम को इसकी भावना में प्रकट करने के लिए कांटों भरा रास्ता तय करना होगा। एक खुशहाल उम्मीदों भरे और ऊर्जावान हिमाचल को कितने विभाग चाहिएं। प्रायः चर्चाओं में गिने चुने विभाग या बजटीय आबंटन में आगे रहने वाले विभागों को बड़ा माना जाता है, लेकिन प्रदेश के भविष्य के लिए शिक्षा, चिकित्सा, युवा एवं खेल, पर्यटन, वन, ग्रामीण व शहरी विकास मंत्रालय सीधा असर रखते हैं। ऐसे में सुक्खू सरकार में इन विभागों के प्रभारी मंत्री ऐसा बहुत कुछ कर सकते हैं, जो इससे पहले हुआ ही नहीं। पर्यटन की दृष्टि से हिमाचल केवल एक विभाग नहीं, बल्कि हर विभाग के केंद्र में ऐसी गतिशीलता है जो रोजगार व आर्थिक विकास को सुनिश्चित कर सकती है। पर्यटन के मायनों में पीडब्ल्यूडी, जलशक्ति, वन, विद्युत, ग्रामीण एवं शहरी विकास तथा भाषा-संस्कृति विभागों के दायित्व जोड़े जाएं, तो ही दिशा तय होगी, वरना कुछ सरकारी होटल बना कर संसाधन ठिकाने लगाए जा सकते हैं। कायदे से पर्यटन एवं उड्डयन विभाग मुख्यमंत्री के पास होना चाहिए और इसके तहत ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्ज को जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। हिमाचल ने आज तक युवा एवं खेल विभाग को वांछित अहमियत नहीं दी। विभाग का ताल्लुक हर गांव से शहर तक ही नहीं, बल्कि हर युवा से छात्र तक है। शारीरिक फिटनेस और नशे की चुनौतियों को देखते हुए इस विभाग की क्षमता में युवाओं को प्रेरणा देने का संकल्प लेना सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए।

> विभागीय आबंटन व अधूरे मंत्रिमंडल विस्तार के बावजूद सुक्खू सरकार की अहम प्राथमिकताओं में शुमार ओपीएस पर मंत्रिमंडल की निर्णायक बैठक कल होने जा रही है। जाहिर तौर पर यह बैठक शपथ पत्र की तरह कर्मचारियों से ओपीएस और महिलाओं से पंद्रह सौ के भुगतान के वादे को पूरा करेगी। यह पहली ऐसी कसरत है जहां मौका, दस्तूर और दरियादिली का इजहार करती कांग्रेस सरकार सारे देश के सामने नजीर पेश करेगी।

पंजाब से विदेशों में पढ़ाई के लिए जाने वाले विद्यार्थियों की संख्या भी काफी है

असंगठित उद्योग का महत्त्व

पीके खुराना

> खोमचे वाले, पटरी वाले, घूम-घूम कर सामान बेचने वाले इन लोगों की हम उपेक्षा करते हैं, पर यह भूल जाते हैं कि हमारी रोज़मर्रा की अधिकांश जरूरतें यही लोग पूरी करते हैं। बड़े उद्योग घाटे में जाएं तो सरकारों में हडक्रंप मच जाता है और उनके लिए राहत पैकेज की बात होने लगती है, जबकि असंगठित क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए सरकार कुछ नहीं करती। हमारी अर्थव्यवस्था में संगठित क्षेत्र का योगदान सिर्फ 25 प्रतिशत है, जबकि असंगठित क्षेत्र अर्थव्यवस्था में 70 प्रतिशत तक योगदान देता है। आज आवश्यकता है कि हम इस उद्योग की महत्ता को समझें।

135 करोड़ की आबादी वाले हमारे देश में युवाओं की संख्या विश्व भर में सर्वाधिक है और हम इस बात पर बहुत गर्व करते प्रतीत होते हैं कि हम विश्व के सर्वाधिक युवा देश हैं। देश में युवाओं की आबादी सर्वाधिक होने के अपने लाभ हैं, लेकिन इसी कारण जो चुनौतियां दरपेश हैं उनकी चर्चा बहुत कम है। युवाओं की बड़ी आबादी का मतलब है कि छोटे से छोटे अवसर के लिए भी युवाओं की बड़ी संख्या उस अवसर का लाभ उठाने की जुगत कर रही होगी। नौकरी की तो बात ही छोड़िए, फीस देकर पढ़ाई करने वालों में भी ऐसी गलाकाट प्रतियोगिता है कि किसी अच्छे कालेज में दाखिला लेना भी एक प्रोजेक्ट हो जाता है। आज हालत यह है कि बड़े शहरों में नर्सरी क्लास में नन्हे-नन्हे बाल-गोपालों के दाखिले के लिए तगड़ी सिफारिश, रिश्वत या डोनेशन आम बात है। पंजाब एक ऐसा प्रदेश है जो हाल ही में युवाओं में फैलते नशे की आदत के कारण बदनाम हुआ जबकि इससे पहले यह कबूतरबाजी के लिए भी बदनाम रहा है। पंजाब से विदेशों में पढ़ाई के लिए जाने वाले विद्यार्थियों की संख्या भी काफी है। विदेश जाकर पढ़ाई करने के इच्छुक एक विद्यार्थी से जब मैंने इस बारे में पूछताछ की तो उसने बताया कि भारतवर्ष में उसे अपने मनचाहे कालेज में दाखिला नहीं मिल रहा है, इसलिए उसने विदेश जाकर पढ़ाई करने का निश्चय किया है। जिस देश में नर्सरी क्लास में दाखिले के लिए रिश्वत देनी पड़े, वहां युवकों को नौकरी के कैसे लाले होंगे यह अंदाज़ा लगाना कठिन नहीं है। यही कारण है कि बैंकों में चपरासी तथा रेलवे में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की भर्ती के लिए उच्च शिक्षित युवकों में भी होड़ लगी रहती है। सिर्फ एक साल पहले ही यह खबर बहुत चर्चा का विषय बनी थी कि राजस्थान में एक विधायक के उच्च शिक्षित बेटे को चपरासी की नौकरी के लिए चुना गया है। समस्या यह है कि हमारे देश में यह धारणा आम है कि नौकरी देना सरकार का कत्त्तव्य है। यह समझना आवश्यक है कि सरकारी नौकरियां न केवल सीमित हैं, बल्कि वे हमेशा सीमित ही रहेंगी। सरकार का काम नौकरी देना नहीं है। सरकार का काम है कि वह ऐसे नियम-कानून बनाए कि उद्योग फल-फूल सकें और अधिक से अधिक रोजगार पैदा कर सकें। समस्या यह है कि यह धारणा सिर्फ जनता में ही नहीं है

बल्कि राजनीतिज्ञों में भी आम है कि नौकरी देना सरकार का कत्त्तव्य है। यही कारण है कि सरकारें बार-बार नई नौकरियां देने की घोषणाएं करती हैं और फिर अपनी ही घोषणाओं के जाल में फंस कर जोड़-तोड़ से नौकरियां बनाने के चक्रव्यूह में उलझ जाती हैं। इसी तरह की एक दूसरी गलतफहमी यह है कि बड़े उद्योग लगने से रोजग़ार के अवसरों में वृद्धि होगी। तकनीक में तेजी से उन्नति के लिए हमें विश्व भर में फैले वैज्ञानिकों का आभारी होना चाहिए, लेकिन तकनीकी उन्नति ने जहां हमारे जीवन को सुविधाजनक बनाया है, वहीं बड़े उद्योगों में मशीनों, कंप्यूटरों और रोबोट का दखल बढ़ते जाने से इनसानों के लिए रोजगार के अवसर लगातार घट रहे हैं। यह सही है कि आर्टिफीशियल इंटेलीजेंस के चलते उद्योगों का विकास हुआ है, लेकिन इससे रोजग़ार के अवसर संकुचित हुए हैं। एक और बड़ी गड़बड़ यह है कि रोजग़ार कार्यालयों में दर्ज बेरोजग़ारों में बड़ी संख्या ऐसे लोगों की है जो कम पढ़े-लिखे तो हैं ही, उनमें कोई तकनीकी योग्यता भी नहीं है। इस कारण उन्हें या तो नौकरी मिलती ही नहीं, और अगर मिलती भी है तो तनख्वाह चिडिया के चुग्गे जैसी होती है। उन्हें रोजग़ार के काबिल बनाना एक बड़ी चुनौती है और इसके बिना मेक इन इंडिया, स्किल इंडिया जैसी सभी घोषणाएं कागज़ी बन कर रह जाती हैं। यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि कुछ श्रम शक्ति का एक बहुत छोटा भाग ही संगठित क्षेत्र में कार्यरत है। सच तो यह है कि हमारी बहुसंख्य श्रमशक्ति कृषि, बागवानी तथा अन्य छोटे-छोटे काम धंधों में संलग्न है। आकार के कारण अक्सर हम बड़े रोजग़ारों के प्रति विस्मय, आदर और डर की मिलीजुली भावना से ग्रस्त रहते हैं, जबकि असलियत यह है कि हमारे देश की अर्थव्यवस्था असंगठित क्षेत्र के योगदान के कारण ही ज़िंदा है, वरना हम बहुत पहले ही पाकिस्तान की तरह मदद के लिए फरियाद कर रहे होते। इस तथाकथित असंगठित क्षेत्र के बारे में और भी ऐसे बहुत से तथ्य हैं जिनकी ओर हम ध्यान ही नहीं देते और असंगठित क्षेत्र की अनदेखी की गलती करते हैं। असंगठित क्षेत्र ही एक ऐसा क्षेत्र है जहां उद्यमिता खुल कर पनपती है। असंगठित क्षेत्र ही ऐसा क्षेत्र है जहां औरत, मर्द, बच्चे, बूढ़े और दिव्यांग तक को रोजग़ार हासिल है जबकि संगठित क्षेत्र की बहुत सी सीमाएं हैं। असंगठित क्षेत्र में ठेला लगाने वाले बहुत से लोग मौसम बदल जाने पर प्रोडक्ट बदल देते हैं। सर्दियों में सूप बेचने वाले लोग गर्मियों में कुल्फी बेचने का काम करने लगते हैं। पटरियों पर बैठ कर सामान बेचने वाले लोग होली के समय रंग बेचते हैं, दिवाली क समय पटाखे लगाते हैं, क्रिसमस के समय वे सांता क्लाज की लाल टोपियां बेचने लगते हैं तो पंद्रह अगस्त और छब्बीस जनवरी को वे तिरंगा बेचने में मशगूल हो जाते हैं। ऐसा हर उत्पाद ज्यादा से ज्यादा तीन सप्ताह तक ही प्रासंगिक रहता है और इस समय सीमा के बाद उन्हें हमेशा क्या यह आश्चर्यजनक नहीं है कि तीन सप्ताह की समय सीमा बीतते ही ये लोग अपना उत्पाद बदल लेते हैं। उल्लेखनीय है कि यह कोई आसान प्रक्रिया नहीं है बल्कि उत्पाद बदलने का मतलब है कि सभी शहरों के सभी पटरी वालों से पुराना सारा सामान वापिस लेना, उसका हिसाब रखना, वापिस लिए गए बचे हुए माल का भुगतान करना या अगले दिए गए सामान की कीमत में उसे एडजस्ट करना एक लंबा काम है जिसे असंगठित उद्योग से जुड़े लोग अत्यंत कुशलतापूर्वक निभाते हैं और उसमें कोई चूक भी नहीं होती। प्रोडक्ट लाइन बदलने का यही काम संगठित क्षेत्र के उद्यमों को करना पड़े तो वे सोच-विचार में ही चार-पांच साल खपा दें। मज़ेदार बात यह है कि असंगठित क्षेत्र अपने अधिकतर काम बिना किस तकनीकी सहायता के निपटाता है, तेजी से निपटाता है और बिना गलती के निपटाता है। उसके पास कोई सैप, कोई ईआरपी नहीं होती, तो भी उसकी कुशलता देखते ही बनती है। बड़े उद्योगों की बात करें तो हर जगह घमंड और सेवा में कमियों की भरमार है।

जातिगत जनगणना पर सबकी निगाह

> आंकड़े न हों, तो न राजनीति हो सकती है और न ईमानदार शासकीय कोशिश। ऐसे में, जातियों की संख्या पता लगाने और उनकी सामाजिक व आर्थिक स्थिति को जांचने के लिए जातिगत जनगणना का यह प्रयास तारीफ के काबिल है। हालांकि, इसे हम आधिकारिक तौर पर जनगणना नहीं कह सकते, क्योंकि यह काम केंद्र सरकार का है, जो हर दस साल पर इसे करती है। बहस इस बात पर भी है कि जब केंद्र सरकार इस तरह की जनगणना को लेकर उत्साहित नहीं है, तब बिहार इसको लेकर इतना आग्रही क्यों है? मेरा मानना है कि ओबीसी की संख्या और उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति का पता लगाने में कोई बुराई नहीं है, क्योंकि इससे बिहार में ओबीसी की संख्या, बिहार की आबादी में उनकी हिस्सेदारी जैसी तमाम अटकलों पर वरिाम लग जाएगा। ऐसे वक्त में, जब ओबीसी की आबादी को काफी ज्यादा बताया जा रहा हो और 1931 की जनगणना के आंकड़ों पर ववािद हो, तब जनगणना ही एकमात्र ऐसा तरीका है, जिससे वश्विसनीय जानकारी हासिल हो सकती है और बिहार सरकार फिलहाल यही काम कर रही है।

जब से बिहार में जातिगत जनगणना शुरू हुई है, तभी से यह सवाल पूछा जा रहा है कि क्या मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पहल पर शुरू हुई यह जनगणना महज राजनीतिक लाभ कमाने की कवायद है या यह पिछड़े तबकों के सामाजिक-आर्थिक उत्थान में सचमुच मददगार साबित होगी? सवाल इसके समय को लेकर भी उठ रहा है, क्योंकि लोकसभा चुनाव सिर्फ 16 महीने दूर हैं और कयास लगाए जा रहे हैं कि बिहार की सत्ता में बैठी पार्टियां इससे राजनीतिक लाभ कमाना चाहती हैं। कुछ ऐसे लोग भी हैं, जिनका तर्क है कि बिहार में जातिगत जनगणना क्यों जरूरी है? फिलहाल, यह बता पाना कठिन है कि बिहार की जातिगत जनगणना राजनीति से प्रेरित कोई सियासी खेल है या पिछड़े वर्गों के सामाजिक-आर्थिक पिछड़ेपन को दूर करने की सरकार की नेक कवायद? यह तो आंकड़ों के सार्वजनिक होने और उन पर होने वाले विचार-विमर्श से पता चल सकेगा। मगर इससे शायद ही किसी को ऐतराज होगा कि मंशा चाहे जैसी भी हो, उसे पूरा करने के लिए आंकड़ों की दरकार होगी ही। आंकड़े न हों, तो न राजनीति हो सकती है और न ईमानदार शासकीय कोशिश। ऐसे में, जातियों की संख्या पता लगाने और उनकी सामाजिक व आर्थिक स्थिति को जांचने के लिए जातिगत जनगणना का यह प्रयास तारीफ के काबिल है। हालांकि, इसे हम आधिकारिक तौर पर जनगणना नहीं कह सकते, क्योंकि यह काम केंद्र सरकार का है, जो हर दस साल पर इसे करती है। बहस इस बात पर भी है कि जब केंद्र सरकार इस तरह की जनगणना को लेकर उत्साहित नहीं है, तब बिहार इसको लेकर इतना आग्रही क्यों है? मेरा मानना है कि ओबीसी की संख्या और उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति का पता लगाने में कोई बुराई नहीं है, क्योंकि इससे बिहार में ओबीसी की संख्या, बिहार की आबादी में उनकी हिस्सेदारी जैसी तमाम अटकलों पर विराम लग जाएगा। ऐसे वक्त में, जब ओबीसी की आबादी को काफी ज्यादा बताया जा रहा हो और 1931 की जनगणना के आंकड़ों पर विवाद हो, तब जनगणना ही एकमात्र ऐसा तरीका है, जिससे विश्वसनीय जानकारी हासिल हो सकती है और बिहार सरकार फिलहाल यही काम कर रही है। इसी तरह, जातिगत जनगणना को राजनीति से प्रेरित बताने का आरोप भी सिरे नहीं चढ़ता, क्योंकि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शुरू से जाति आधारित जगनणना के समर्थक रहे हैं। जब एनडीए के भीतर इस मसले पर चर्चा हो रही थी और नीतीश कुमार राजग गठबंधन का हिस्सा थे, तब भी वह इस मुद्दे पर मुखर थे। इसी कारण यह आरोप निराधार लगता है कि लोकसभा चुनाव को देखते हुए राजनीतिक मकसद से उन्होंने यह दांव चला है। बेशक अभी आंकड़े एकत्र किए जाने बाकी हैं, क्योंकि घरों की सूची का पहला चरण ही अभी शुरू हुआ है और दूसरे चरण में घरों के मुखिया की गिनती की जाएगी और उनकी सामाजिक व आर्थिक स्थिति के बारे में जानकारियां जुटाई जाएंगी, लेकिन इससे इनकार नहीं किया जा सकता है कि इस गणना से कोई राजनीतिक प्रभाव नहीं पड़ेगा। नीतीश कुमार की जद (यू)-राजद-कांग्रेस गठबंधन सरकार ने साफ संकेत दिया है कि बिहार में ओबीसी के सामाजिक-आर्थिक पिछड़ेपन को संजीदगी से दूर करने की उसकी मंशा है। और, इस तरह के किसी भी प्रयास के लिए सरकार को आंकड़े चाहिए, जिसके लिए यह कवायद शुरू की गई है। संभव है, राजद और जद (यू) को इस प्रयास से कुछ चुनावी लाभ मिले, लेकिन ओबीसी के सामाजिक-आर्थिक उत्थान में भी मदद मिल सकती है, क्योंकि नीतीश कुमार यह संकेत देने में सफल रहे हैं कि वह ओबीसी की परवाह करते हैं। यहां यह ध्यान रखना भी महत्वपूर्ण होगा कि बिहार में सत्तारूढ़ दोनों मुख्य दलों (राजद और जद-यू) के पास ओबीसी मतदाताओं का अच्छा-खासा समर्थन है। उनके लिए चुनाव बहुत कुछ इस बात पर भी निर्भर करता है कि ओबीसी के कितने वोट उनके खाते में जाते हैं। जातिगत जनगणना से इन दोनों पार्टियों ने कम से कम ओबीसी के एक बड़े हिस्से को इसकी जरूरत को लेकर आश्वस्त कर दिया है, और उनमें यह उम्मीद जगाई है (यह छलावा भी साबित हो सकती है) कि इस जनगणना के बाद उनका जीवन कुछ बेहतर होगा। यही वजह है कि जद (यू) और राजद को इससे सियासी लाभ मिलने की उम्मीद है। हमें यहां यह भी आश्चर्य नहीं करना चाहिए कि समाजवादी पार्टी या बीजू जनता दल जैसी पार्टियां, जो पुराने जनता दल से टूटकर अलग हुई हैं, अपने-अपने राज्यों में इस कवायद को आगे बढ़ा सकती हैं या ओबीसी जनगणना के लिए राज्य सरकारों पर अब दबाव बन सकता है। हालांकि, जद (यू) और राजद को मिलने वाले इस फायदे को बांटा जा सकता था, यदि भाजपा ने जातिगत जनगणना का विरोध नहीं किया होता। इसने ओबीसी के एक बड़े वर्ग में संदेह पैदा किया है। ओबीसी जातियों के लोगों को इस बात का जवाब नहीं मिल रहा कि भाजपा आखिर क्यों इसका लगातार विरोध कर रही है? क्या केंद्र सरकार के पास इस बाबत कुछ ऐसे तथ्य हैं, जो वह छिपाना चाहती है? भाजपा को एहसास होना चाहिए कि उसने देश भर के ओबीसी मतदाताओं, विशेषकर निचली ओबीसी जातियों के बीच अपनी अच्छी पकड़ बनाई है। लोकनीति-सीएसडीएस के आंकडे. बताते हैं कि 2009 के आम चुनाव में महज 22 फीसदी ओबीसी वोट पाने वाली भाजपा ने 2019 के लोकसभा चुनाव में 44 प्रतिशत ओबीसी मत हासिल किया। ऐसे में, केंद्र सरकार की तरफ से जातिगत जनगणना शुरू की जाती, तो ओबीसी समुदायों में सकारात्मक संदेश जाता, मगर संभव है कि उसके पास कुछ अन्य मजबूरियां रही हों। मुमकिन है, उसकी यह आशंका हो कि जातिगत जनगणना का नतीजा 'मंडल पार्ट-2' के रूप में सामने आ सकता है। उल्लेखनीय है कि 'मंडल-1' ने विशेषकर उत्तर भारत के राज्यों में ओबीसी राजनीति को काफी बदल दिया था। हालांकि, भाजपा नेतृत्व को भरोसा रखना चाहिए कि आज की भाजपा 1990 के दशक से अलग है। केंद्र सरकार द्वारा समर्थित जातिगत जनगणना जैसी कोई भी कवायद शायद ही उसके समर्थन आधार को प्रभावित करती।

देश दुनीया से

प्रेम एवं भाईचारे की मिसाल कायम करता पर्व 'लोहड़ी'

उत्तर भारत में मनाया जाने वाला प्रमुख पर्व है लोहड़ी। पंजाब, हरियाणा तथा हिमाचल प्रदेश में खासतौर से पंजाबी समुदाय में तो इस पर्व पर एक अलग ही उत्साह देखा जाता है। यह ऐसा त्यौहार है, जो आधुनिक युग के व्यस्तता भरे माहौल में सुकून भरे कुछ पल लेकर आता है और लोग सारी व्यस्तताएं भूलकर भरपूर जोश और उल्लास के साथ इस पर्व का भरपूर आनंद लेते हैं। पंजाब तथा जम्मू कश्मीर में तो लोहड़ी पर्व मकर संक्रांति के रूप में ही मनाया जाता है। सिंधी समाज में भी मकर संक्रांति से एक दिन पहले लोहड़ी के रूप में 'लाल लाही' नामक पर्व मनाया जाता है। लोहड़ी को लेकर कुछ लोककथाएं भी प्रचलित हैं। मान्यता है कि कंस ने इसी दिन लोहिता नामक एक राक्षसी को श्रीकृष्ण का वध करने के लिए भेजा था, जिसे श्रीकृष्ण ने खेल-खेल में ही मार डाला था और उसी घटना की स्मृति में यह पर्व मनाया जाने लगा। लोहड़ी पर अग्नि प्रज्जवलित करने के संबंध में एक लोककथा यह भी है कि दक्ष प्रजापति की पुत्री सती के योगाग्नि दहन की स्मृति में ही इस दिन अग्नि प्रज्जवलित की जाती है। लोहड़ी को लेकर सर्वाधिक प्रचलित कथा दुल्ला भट्टी नामक डाकू से संबंधित रही है, जिसे 'पंजाबी रॉबिनहुड' का दर्जा प्राप्त है। जिस प्रकार होली जलाई जाती है, ठीक उसी प्रकार लकड़ियां एकत्रित कर लोहड़ी के अवसर पर अलाव जलाये जाते हैं और अग्नि का तिलों से पूजन किया जाता है। जिस दिन यह पर्व मनाया जाता है, उस दिन कड़ाके की ठंड होती है और उत्तर भारत में अधिकांश जगहों पर घने कोहरे के बीच तापमान प्रायः शून्य से पांच डिग्री के बीच होता है लेकिन इतनी ठंड के बावजूद इस पर्व के प्रति लोगों का उत्साह देखते बनता है। लोहड़ी के पावन अवसर पर लोग घरों के बाहर अलाव जलाकर यह पर्व धूमधाम से मनाते हैं। इस पर्व का संबंध उस उत्सव से भी माना गया है, जिसमें सर्दी को अलविदा कहते हुए सूर्यदेव का आव्हान करते हुए कहा जाता है कि वह इस माह अपनी किरणों से पृथ्वी को इतना गर्म कर दे कि ठंड से किसी को कोई नुकसान न पहुंचे और लोग आसानी से सर्दी के मौसम का मुकाबला कर सकें। माना जाता है कि इसी दिन से सर्दी कम होने लगती है। लोग अपने घरों के बाहर अलाव जलाकर ठंड से बचाव करने के साथ-साथ अग्नि की पूजा भी करते हैं ताकि उनके घर में अग्निदेव की कृपा से सुख-समृद्धि का साम्राज्य स्थापित हो सके। लोहड़ी का संबंध सुन्दरी नामक एक ब्राह्मण कन्या और दुल्ला भट्टी नामक कुख्यात डाकू से जोड़कर देखा जाता रहा है। दुल्ला भट्टी अमीरों का धन लूटकर निर्धनों में बांट दिया करता था। कहा जाता है कि गंजीबार क्षेत्र, जो इस समय पाकिस्तान में है, में एक ब्राह्मण रहता था, जिसकी सुन्दरी नामक एक बहुत खूबसूरत बेटी थी, जो इतनी खूबसूरत थी कि उसके सौन्दर्य की चर्चा गली-गली में होने लगी थी। जब उसके बारे में गंजीबार के राजा को पता चला तो उसने ठान लिया कि वह सुन्दरी को अपने हरम की शोभा बनाएगा। तब उसने सुन्दरी के पिता को संदेश भेजा कि वह अपनी बेटी को उसके हरम में भेज दे। इसके लिए ब्राह्मण को तरह-तरह के प्रलोभन भी दिए मगर ब्राह्मण अपनी बेटी को राजा की रखैल नहीं बनाना जाता था। उसे समझ नहीं आ रहा था कि वह क्या करे? जब उसे कुछ नहीं सूझा तो उसे जंगल में रहने वाले कुख्यात डाकू दुल्ला भट्टी का ख्याल आया, जो गरीबों व शोषितों की मदद करने के लिए हमेशा तत्पर रहता था। घबराया ब्राह्मण अपनी बेटी सुन्दरी को लेकर उसी रात उसके पास पहुंचा और विस्तार से सारी बात बताई। दुल्ला भट्टी ने ब्राह्मण की व्यथा सुन उसे सांत्वना दी और रात को ही एक योग्य ब्राह्मण लड़के की तलाश कर सुन्दरी को अपनी ही बेटी मानकर उसका कन्यादान अपने हाथों से करते हुए उस युवक के साथ सुन्दरी का विवाह कर दिया।

> पंजाब तथा जम्मू कश्मीर में तो लोहड़ी पर्व मकर संक्रांति के रूप में ही मनाया जाता है। सिंधी समाज में भी मकर संक्रांति से एक दिन पहले लोहड़ी के रूप में 'लाल लाही' नामक पर्व मनाया जाता है। लोहड़ी को लेकर कुछ लोककथाएं भी प्रचलित हैं। मान्यता है कि कंस ने इसी दिन लोहिता नामक एक राक्षसी को श्रीकृष्ण का वध करने के लिए भेजा था, जिसे श्रीकृष्ण ने खेल-खेल में ही मार डाला था और उसी घटना की स्मृति में यह पर्व मनाया जाने लगा। लोहड़ी पर अग्नि प्रज्जवलित करने के संबंध में एक लोककथा यह भी है कि दक्ष प्रजापति की पुत्री सती के योगाग्नि दहन की स्मृति में ही इस दिन अग्नि प्रज्जवलित की जाती है। लोहड़ी को लेकर सर्वाधिक प्रचलित कथा दुल्ला भट्टी नामक डाकू से संबंधित रही है, जिसे 'पंजाबी रॉबिनहुड' का दर्जा प्राप्त है।

नागरिक बोध

हर समाज मे मिलती है लोहड़ी पर्व की झांकी

सूर्य हमारे जीवन का आधार है। सूर्य उपासना के आयाम कई रूपो में सामने है। कही पर पोंगल के रूप में है तो कई पर लोहड़ी के रूप में है।सूर्य के साथ ही ऋतू पर्व का आनन्द इन दिनों पर्वो में मिलता है। लोहड़ी का पर्व मस्ती और उमंग का पर्व है। इस पर्व को सभी मिलकर मनाते है।लोहड़ी जलाई जाती है। सूर्य को भगवान विष्णु ने योग का मौलिक उपदेश दिया है। सूर्य का तेज केवल उनके लिए नही है।बल्कि मानव समाज के लिए है। पोष माह में सूर्य शीत को जड़ता से कम करता है। और मकर राशि मे प्रवेश करते है तो लोहड़ी की धूम मच जाती है। यह पर्व परम्पराओ के हिसाब से अलग अलग भले ही मनाया जाता हो,लेकिन इसके नाम अलग अलग है। असम में माघ बिहू, दक्षिण में पोंगल,पंजाब में लोहड़ी,बंगाल में सक्रांति और समस्त उतर भारत मे मकर सक्रांति के नाम से जाना जाता है। राजस्थान में मकर सक्रांति तो गुजरात मे उत्तरायण के नाम से प्रसिद्ध है। वेदों में भी सूर्य को वशिष्ठ महत्व दिया गया है। सूर्य सभी राशियों में किसी न किसी रूप में प्रभावित करते है लेकिन कर्क और मकर में सूर्य का आना विशेष महत्व रखता है। यह क्रिया छह छह माह में होती है।मकर सक्रांति से ठीक फहले लोहड़ी का पर्व विभिन्न संस्कृति का परिचायक है। लोहड़ी पर्व आनन्द और उल्लास का पर्व है। किसी न किसी रूप में नई संस्कृति की झलक इसमें चूपी होती है। रात को लोहड़ी जलाकर भंगड़ा और डांस,बच्चो को आशीष और बुजुर्गों का आशीर्वाद लेने की परंपरा जीवन के उदात्त क्षणों को अभिव्यक्त करती है। लोहड़ी भले ही पंजाबी समुदाय का विशेष पर्व त्योहार है,लेकिन इसकी झांकी हर समाज मे मिलती है।सभी लोग इसमें शामिल होते है। मुख्य रूप से लोहड़ी का पर्व भी सूर्य का ही पर्व है। लोहड़ी के बाद से ही दिन बड़े और राते छोटी होने लगती है। दक्षिणायन रहने से रात्रि बड़ी और दिन छोटे होते है। इस प्रकार से सूर्य ज्योतिष विज्ञान का भी आधार है। वह सभी को पूजनीय है।इस नाते प्रकृति प्रेमियों की और से सूर्य देव की उपासना से दैहिक, दैविक और भौतिक तापो के क्षय होता है। उनकी पूजा से मनोवांछित फलों की प्राप्ति होती है। सूर्य की उपासना करने वालो में तेज आता है। और निरोगी रहते है। पंजाब के साथ पूरे भारत मे लोहड़ी पर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है। कड़कड़ाती ठंड में जब बाहर कोहरा हो रहा हो,तब जलती आग के चारो ओर कई लोग शोर मचाते,बड़ो का आशीर्वाद मिल जाए, तो समझ लीजिए कि यह मौका लोहड़ी का है। लोहड़ी का त्योहार पंजाब में धूमधाम से मनाया जाता है। पंजाब के इस त्योहार की खासियत है मन मे उमड़ पड़ता उल्लास।लोहड़ी 13 जनवरी को आज ही के दिन मनाया जाता है। इस दिन के बाद से सूर्य उतरी गोलार्द्ध की और आना शुरू हो जाता है। इसके उतरायन चल पड़ने की घटना को 13 जनवरी की रात लोहड़ी के माध्यम से नांच गाकर और बढ़िया खाना आदि बनाकर मनाया जाता है।वैसे पंजाब जिसे भारत मे रोटी की टोकरी के नाम से भी बुलाया जाता है। लोहड़ी रबी की फसल बढ़ जाती है तब ही आती है। फसलों को काटने का समय होता है। ऐसे में सोना उगने में देर नही लगती,इसलिए पूरे पंजाब में लोहड़ी को खास तौर पर परम्परागत गीतों और गिद्दा करके खुशी के साथ मनाया जाता है।

तालिबान ने महिला खिलाड़ियों को किया प्रताड़ित, महिला एथलीटों को खेल से दूर रहने की दी धमकी

काबुल।
अफगानिस्तान में महिला एथलीटों ने कहा है कि तालिबान ने न सिर्फ लड़कियों और महिलाओं के किसी भी खेल गतिविधि में हिस्सा लेने पर पाबंदी लगा दी है, बल्कि किसी वक्त खेल में सक्रिय रही महिलाओं व लड़कियों को लगातार धमकाया और प्रताड़ित भी किया है। तालिबान के लोग लड़कियों को निजी रूप से खेल का अभ्यास करने पर भी गंभीर अंजाम भुगतने की धमकी दे रहे हैं।

अफगानिस्तान में खेल के प्रति परिवार के विरोध के बावजूद 20 वर्षीय एथलीट नूरा ने अपना खेल नहीं रोका लेकिन अब वह तालिबान शासकों की नाफरमानी का साहस नहीं जुटा पा रही है। दुनियाभर में अपने खेल का परचम लहरा चुकी नूरा ने कहा अब वह पूरी तरह से टूट गई है। वह कहती है, मैं अब पहले जैसी नहीं रह गई हूं। तालिबान के आने के बाद से मुझे लगता है कि मैं मर चुकी हूं। अफगानिस्तान में अलग-अलग खेलों में सक्रिय रह चुकी कई लड़कियों और महिलाओं ने पहचान गुप्त रखने की शर्त पर बताया कि तालिबान उन्हें फोन करके या घर पहुंचकर खेल गतिविधियों में हिस्सा न लेने की धमकी दे रहे हैं। इन लड़कियों ने फोटोग्राफर के साथ पसंदीदा उपकरणों को लेकर तस्वीर भी खिंचवाई। लेकिन तालिबानी डर से उन्होंने बुर्के से अपनी पहचान छिपाए रखी। उन्होंने कहा, वे आमतौर पर बुर्का नहीं पहनतीं, लेकिन अब घर से बाहर निकलते वक्त अपनी पहचान छिपाने व उत्पीड़न से बचने के लिए इसे अक्सर पहनती हैं।

खेल से दूर रहने के वादे पर किया रिहा - 20 साल की मार्शल आर्टिस्ट सरीना याद करती है कि कैसे वह अगस्त 2021 में काबुल के एक स्पोर्ट्स हॉल में स्थानीय महिला स्पर्धा में हिस्सा ले रही थी, तभी खबर आई कि तालिबान शहर के बाहरी इलाके तक पहुंच गए हैं और देखते-देखते ही सभी महिला प्रतिभागी और दर्शक हॉल छोड़कर भाग गईं। सरीना के अनुसार, यह आखिरी स्पर्धा थी, जिसमें उसने हिस्सा लिया। इसके बाद तालिबान ने उस जिम पर छापा मारा, जहां वे अभ्यास कर रही थीं और सभी को हिरासत में ले लिया। इस दौरान लड़कियों को अपमानित किया गया। बड़े-बुजुर्गों के दखल पर भविष्य में खेल से दूर रहने का वादा करने के बाद ही उन्हें रिहा किया गया।

महिला खेल परिसर पर विचार : तालिबान - इस बीच, तालिबान के खेल संगठन और राष्ट्रीय ओलंपिक समिति के प्रवक्ता मुशवानेय ने कहा कि प्राधिकारी महिलाओं के लिए अलग खेल परिसर स्थापित करके उनके लिए खेल गतिविधियों को बहाल करने पर विचार कर रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

आईएसआईएस ने ली काबुल सुसाइड अटैक की जिम्मेदारीः अस्पताल के किचन-कैंटीन में हुआ घायलों का इलाज; 20 की मौत

काबुल। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में हुए सुसाइड बॉम्ब अटैक की जिम्मेदारी आईएसआईएस ने ली है। आईएसआईएस खुरासान ने दावा किया है कि धमाके में 20 लोगों की मौत हुई है। हालांकि, तालिबान मरने वालों की अलग-अलग संख्या बता रहा है। काबुल के पुलिस विभाग के प्रवक्ता खालिद जादरान ने कहा है कि हमले में 5 नागरिकों की मौत हुई है, वहीं तालिबान के सूचना मंत्रालय में अधिकारी उस्ताद फरीदुन ने 20 लोगों के मारे जाने की बात कही है। धमाके में घायल 40 से ज्यादा लोगों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया। अस्पताल के डायरेक्टर स्टेफानो सूजा ने बताया कि घायलों का इलाज करने के लिए उन्हें किचन और कैंटीन में भी बेड लगाने पड़े। बताया कि उनके हमलावर ने विदेश मंत्रालय के एंट्री गेट के पास जाकर खुद को उड़ा लिया। उस समय वहां बड़ी संख्या में तालिबानी कर्मचारी मौजूद थे। आईएसआईएस -खुरासान आतंकी संगठन आईएसआईएस का सहयोगी संगठन है। यह अफगानिस्तान में काम करता है और तालिबान को अपना दुश्मन मानता है। उनके ड्राइवर जमशेद करीमी बाहर खड़े होकर इंतजार कर रहे थे। उन्होंने बताया- एक शख्स मेरे आगे से निकलकर गया था। उसके कंधे पर राइफल थी और हाथ में एक बैग था। कुछ ही सेकंड बाद मैंने देखा कि उस शख्स ने खुद को उड़ा लिया और एक जोरदार धमाका हुआ। तालिबान हमले में मारे गए लोगों की सही संख्या नहीं बता रहा है। काबुल पुलिस के प्रवक्ता खालिद जादरान ने कहा है कि हमले में 5 नागरिकों की मौत हुई है और कई घायल हुए हैं।

विपक्ष के हंगामे के बीच पंजाब के मुख्यमंत्री परवेज इलाही ने विश्वास मत जीता

इस्लामाबाद । पाकिस्तान में सबसे अधिक आबादी वाले प्रांत में कई हफ्तों की राजनीतिक अशांति के बाद पंजाब के मुख्यमंत्री चौधरी परवेज इलाही ने गुरुवार की तड़के विश्वास मत जीतकर प्रांतीय विधानसभा में बहुमत साबित किया। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने ट्वीट किया, संकल्प के पक्ष में 186 वोट पड़े। चौधरी परवेज इलाही को पंजाब के मुख्यमंत्री के रूप में सदन से विश्वास मत मिला है। बताया कि आधी रात के बाद विश्वास मत शुरू हुआ और पीटीआई और पाकिस्तान मुस्लिम लीग-कायदे (पीएमएल-क्यू) गठबंधन ने 186 सांसदों के समर्थन से बहुमत हासिल किया। यह वोट लाहौर उच्च न्यायालय के फैसले के बाद आयोजित किया गया। पंजाब के राज्यपाल बाली-उर-रहमान के पास यह अधिकार था कि वह चालू सत्र के दौरान भी मुख्यमंत्री से सदन का विश्वास हासिल करने के लिए कह सकते थे। इससे पहले बुधवार को लाहौर उच्च न्यायालय ने कहा था कि मुख्यमंत्री के पास 186 सांसदों का समर्थन होना चाहिए।

हीथ्रो हवाई अड्डे पर यूरेनियम मिलने से हड़कंप, पाकिस्तान से ओमान के रास्ते पहुंचा था ब्रिटेन

लंदन । ब्रिटेन के हीथ्रो हवाई अड्डे से परमाणु बम बनाने में इस्तेमाल होने वाला यूरेनियम बरामद होने से हड़कंप मच गया है। घटना के बाद कई देशों की जांच एजेंसियां अलर्ट हो गई हैं। दावा किया जा रहा है कि यूरेनियम का यह पैकेट पाकिस्तान से ओमान होते हुए ब्रिटेन पहुंचा था, जिसे सुरक्षा एजेंसियों ने जब्त कर लिया है और इसके बाद आतंकवाद रोधी जांच शुरू हो गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पैकेट पर ब्रिटेन में ईरान से जुड़ी एक फर्म का पता है। संदेह जताया जा रहा है कि यह पैकेट पाकिस्तान में तैयार किया गया, जो ओमान से यहां तक पहुंचा। हालांकि, अभी तक यह साफ नहीं हुआ है कि यह पैकेट ब्रिटेन में किसे भेजा गया था। दरअसल, यूरेनियम को व्यापक रूप से परमाणु ऊर्जा उत्पादन के लिए उपयोग किया जाता है और यह काफी खतरनाक होता है। हालांकि, सुरक्षा एजेंसियों का कहना है कि हीथ्रो हवाई अड्डे पर बहुत कम मात्रा में यूरेनियम बरामद हुआ, जिससे जनता को कोई खतरा नहीं है।

उज्बेकिस्तान में 18 बच्चों की मौत के बाद डब्ल्यूएचओ का अलर्ट, खासी की सिरप इस्तेमाल नहीं किया जाए

उज्बेकिस्तान ।
उज्बेकिस्तान में 18 मौतों से जुड़े उत्पादों के बाद विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा है कि भारत के मैरियन बायोटेक द्वारा बनाए गए दो खांसी के सिरप का बच्चों के लिए उपयोग नहीं किया जाना चाहिए। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने सिफारिश की है कि उज्बेकिस्तान में बच्चों के लिए नोएडा की कंपनी मैरियन बायोटेक द्वारा बनाए गए दो कफ सिरप का इस्तेमाल न करें। बुधवार को एक चिकित्सा उत्पाद चेतावनी में डब्लूएचओ ने कहा कि मैरियन बायोटेक द्वारा निर्मित घटिया चिकित्सा उत्पाद ऐसे उत्पाद हैं जो गुणवत्ता मानकों या विशिष्टताओं को पूरा करने में विफल हैं।

दूषित चिकित्सा उत्पाद बताया

डब्ल्यूएचओ ने अपनी वेबसाइट पर जारी एक अलर्ट में कहा, यह डब्ल्यूएचओ मेडिकल प्रोडक्ट अलर्ट दो दूषित उत्पादों को संदर्भित करता है, उज्बेकिस्तान में पहचाना गया और 22 दिसंबर 2022 को डब्ल्यूएचओ को रिपोर्ट किया गया। दूषित चिकित्सा उत्पाद ऐसे उत्पाद हैं जो गुणवत्ता मानकों या विशिष्टताओं को पूरा करने में विफल हैं।

अलर्ट जोड़ा गया कि दो उत्पाद सिरप मैक्स सिरप हैं। दोनों उत्पादों के घोषित निर्माता मैरियन बायोटेक प्रा. लि. (उत्तर प्रदेश, भारत) हैं। आज तक निर्माता ने सुरक्षा पर डब्ल्यूएचओ को इन उत्पादों की गुणवत्ता और गारंटी प्रदान नहीं की है।

18 बच्चों की मौत

गौरतलब है कि बीते साल दिसंबर में उज्बेकिस्तान के अधिकारियों ने दावा किया था कि कफ सिरप पीने से 18 बच्चों की मौत हो गई है। उज्बेकिस्तान की सरकार ने बच्चों की मौत के लिए भारत की एक दवा कंपनी को जिम्मेदार ठहराया था। मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया था कि फार्मास्यूटिकल कंपनी मैरियन बायोटेक द्वारा निर्मित सिरप के पीने से बच्चों की मौत हुई है। यह दवा कंपनी ने वर्ष 2012 में उज्बेकिस्तान के बाजार में कदम रखा था। सूत्रों के मुताबिक, इस कंपनी द्वारा निर्मित सिरप वर्तमान में भारतीय बाजार में नहीं बेचा जा रहा है।

तब विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा था कि वह उज्बेकिस्तान में कफ सिरप के सेवन से 18 बच्चों की मौत मामले में आगे की जांच में सहायता करने के लिए तैयार है। डब्ल्यूएचओ का कहना था कि वह उज्बेकिस्तान में स्वास्थ्य अधिकारियों के संपर्क में है।

गाम्बिया में हुई थी 60 से अधिक बच्चों की मौत

अक्तूबर 2022 में, अफ्रीकी देश गाम्बिया में भारतीय दवा कंपनी के कफ सिरप से 60 से अधिक बच्चों की मौत का मामला सामने आया था। इसके बाद केंद्र सरकार ने मामले की जांच के लिए एक कमेटी का गठन किया था, लेकिन अभी तक भारतीय कंपनी के कफ सिरप से बच्चों की मौत की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। गाम्बिया में कथित तौर पर भारत में बने कफ सिरप से बच्चों की मौत पर सरकार ने संसद में जानकारी दी थी कि मेडेन फार्मास्यूटिकल्स की खांसी की दवा के नमूने मानक गुणवत्ता वाले पाए गए हैं। रसायन और उर्वरक राज्य मंत्री भगवंत खुबा ने 13 दिसंबर को राज्यसभा में एक लिखित जवाब में कहा था कि केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने राज्य औषधि नियंत्रक के सहयोग से सोनीपत में मेडेन फार्मास्यूटिकल्स की एक संयुक्त जांच की थी।

डब्ल्यूएचओ ने जारी की थी रिपोर्ट

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अक्तूबर की शुरुआत में इसे लेकर रिपोर्ट जारी की थी। जिसमें कहा गया था कि खांसी की दवा डाइथेलेन ग्लाइकोल और इथिलेन ग्लाइकोल इंसान के लिए जहर की तरह हैं। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस अधनोम घेब्रेयेसुस ने कहा था कि बच्चों की मौत का संबंध चार दवाओं से है। इन सिरप के सेवन से उनके गुर्दों को क्षति पहुंची। ये चारों दवाएं हरियाणा की एक ही कंपनी मेडेन फार्मास्यूटिकल्स की हैं।

अमेरिका ने फेडेरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन पर साइबर अटैक से किया इनकार, शुक्रवार तक सामान्य नहीं हो सकेंगी विमानन सेवाएं

वॉशिंगटन।
अमेरिका में विमानन सेवाएं गुरुवार से फिर से शुरू हो सकती हैं। बुधवार को फेडेरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन के कंप्यूटर में आई तकनीकी खराबी के चलते पूरे देश में विमानन सेवाएं ठप रहीं। फ्लाइट अवेयर की रिपोर्ट के अनुसार, इस दौरान अमेरिका में करीब 10 हजार फ्लाइट्स में देरी हुई और 1300 के करीब फ्लाइट्स रद्द हुईं। 11 सितंबर 2001 को अमेरिका में हुए आतंकी हमले के करीब 20 साल बाद ऐसा हुआ, जब पूरे देश में विमानन सेवाएं प्रभावित हुईं। अमेरिका की प्रमुख एयरलाइंस जैसे साउथवेस्ट एयरलाइन, यूनाइटेड एयरलाइंस, डेल्टा एयरलाइंस की करीब 40 फीसदी फ्लाइट्स या तो देरी से चलीं या फिर रद्द हुईं।

क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों का कहना है कि गुरुवार से विमानन सेवाएं फिर से सामान्य रूप से संचालित होनी शुरू हो जाएंगी। अमेरिका के फेडेरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन के कंप्यूटर सिस्टम में खराबी और इसके चलते पूरे देश में हवाई सेवाओं के ठप होने के बाद साइबर हमले की आशंका जाहिर की जाने लगी थी। हालांकि व्हाइस हाउस ने बुधवार को बयान जारी कर साफ कर दिया कि एफएए पर साइबर अटैक के कोई सबूत नहीं मिले हैं। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कारिन जीन पिएरे ने यह जानकारी दी। हालांकि राष्ट्रपति जो बाइडेन ने तकनीकी विभाग को इस मामले की पूरी जांच करने के निर्देश दिए हैं। एफएए अधिकारियों ने बताया कि प्राथमिक जांच में पता चला है कि उनके सिस्टम के डाटाबेस फाइल में दिक्कत हुई। इस डाटाबेस फाइल ने मुख्य सिस्टम और बैकअप सिस्टम को प्रभावित किया, जिसके चलते यह समस्या हुई। फेडेरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन के जिस कंप्यूटर सिस्टम में खराबी आई, उसे नोटिस टू एयर मिशन सिस्टम यानि कि नोटम कहा जाता है। नोटिस टू एयर मिशन सिस्टम एक तरह की संचार व्यवस्था है, जिसकी मदद से फ्लाइट में मौजूद पायलट समेत पूरे केबिन क्रू को अहम सूचनाएं भेजी जाती हैं। नोटिस टू एयर मिशन सिस्टम के तहत विमान के पायलट को मौसम, ज्वालामुखी विस्फोट, हवाई क्षेत्र में प्रतिबंध, पैराशूट जंप, रॉकेट लॉन्च और सैन्य अभ्यास की जानकारी दी जाती है। साथ ही हवाई पट्टी पर बर्फबारी, लाइटों में गड़बड़ी और हवाई पट्टी पर किसी पक्षी आदि की मौजूदगी की जानकारी दी जाती है।

वैगनर ग्रुप प्रमुख के बढ़ते प्रभाव से घबराए पुतिन! यूक्रेन से अपने टॉप कमांडर को हटाया

मॉस्को।
रूस यूक्रेन युद्ध को छिड़े करीब एक साल होने वाला है लेकिन रूस को यूक्रेन में आशा के अनुरूप सफलता नहीं मिल पाई है। यही वजह है कि रूस में ही रूसी नेतृत्व को लेकर सवाल उठ रहे हैं। रूस के भाड़े के सैनिकों के समूह वैगनर ग्रुप के संस्थापक येवगेनी प्रिगोझिन यूक्रेन युद्ध के दौरान काफी ताकतवर होकर उभरे हैं। अब ऐसा लग रहा है कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भी शायद येवगेनी प्रिगोझिन के बढ़ते प्रभाव से दबाव में हैं। साथ ही रूस में सत्ता को लेकर गुटबाजी भी तेज होने के कयास लगाए जा रहे हैं। पुतिन के हालिया फैसले से भी इन कयासों को बल मिल रहा है। दरअसल व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन में अपने टॉप कमांडर सर्गेई सुरोविकिन को पद से हटा दिया है।

रूस में बढ़ती गुटबाजी - यूक्रेन के ऊर्जा क्षेत्र पर अक्टूबर में हुए भारी हमलों के पीछे भी सुरोविकिन का हाथ था। हालांकि उन्हीं के नेतृत्व में रूस को खेरसान से पीछे हटना पड़ा था। कई रक्षा मामलों के जानकारों का कहना है कि यूक्रेन में रूस के टॉप कमांडर के रूप में सर्गेई सुरोविकिन की ताकत काफी बढ़ गई थी। सर्गेई इतना ताकतवर हो गए थे कि वह रक्षा मंत्रालय और रूसी सेना के जनरल को दरकिनार कर सीधे राष्ट्रपति पुतिन से बात कर रहे थे। ऐसे में माना जा रहा है कि सर्गेई को पद से हटाने के पीछे उनके नेतृत्व में यूक्रेन में आशातीत सफलता ना मिलने के साथ ही रूस की सत्ता में उनका ताकतवर होकर उभरना भी एक बड़ी वजह रही।

येवेगनी प्रिगोझिन से घबराए पुतिन - सर्गेई सुरोविकिन की जगह जनरल गेरासिमोव को यूक्रेन कब्जाने की जिम्मेदारी दी गई है। यह बदलाव ऐसे समय में देखने को मिला है, जब रूस ने यूक्रेन के नमक की खदानों वाले शहर सोलेदार पर कब्जा करने का दावा किया है। खास बात ये है कि बीबीसी की एक रिपोर्ट के अनुसार, रूस के भाड़े के सैनिकों के संगठन वैगनर ग्रुप प्रमुख येवगेनी प्रिगोझिन ने सोलेदार की जीत के बाद दावा किया है कि सोलेदार पर कब्जा करने में सिर्फ उनके वैगनर ग्रुप की भूमिका है। जिसके बाद रूस के रक्षा मंत्रालय ने बयान जारी कर येवगेनी प्रिगोझिन के उस दावे को खारिज कर दिया कि सोलेदार पर कब्जे में सिर्फ वैगनर ग्रुप की भूमिका है।

ईरान ने ब्रिटिश नागरिक को मौत की सजा सुनाई: परफ्यूम की एक बोतल और शर्ट के बदले खुफिया जानकारी देने का आरोप

तेहरान।
ईरान में प्रदर्शनकारियों और सरकार का विरोध करने वाले लोगों को सजा ए मौत देने का सिलसिला जारी है। अब ईरान ने एक ब्रिटिश नागरिक अलीरेजा अकबरी को मौत की सजा सुनाई गई है। ईरान ने अलीरेजा को साल 1997 से 2005 तक रक्षा मंत्री के डिप्टी रहते हुए जासूसी करने का गुनहगार माना है। साल 2019 में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था। ईरान ने अलीरेजा पर आरोप लगाया था कि उन्होंने परफ्यूम की एक बोतल और एक शर्ट के लिए नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल की खुफिया जानकारी लीक कर दी थी।

अलीरेजा की सजा राजनीति से प्रेरित

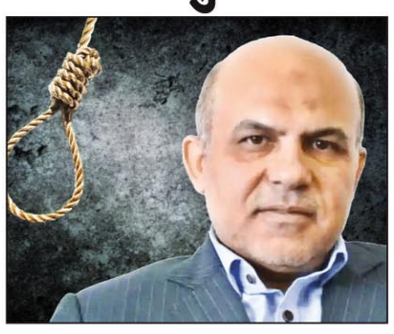

अलीरेजा की पत्नी मरियम ने बताया है कि ईरान की सरकार ने उनके परिवार को आखिरी बार उनसे मिलने को कहा है। दरअसल अलीरेजा ने कुछ सालों पहले ही ब्रिटेन की नागरिकता ले ली थी। इसके चलते इंगलैंड ने उनकी तुरंत रिहाई की मांग की है। ब्रिटेन के फॉरेन सेक्रेटरी जेम्स क्लीवर्ली ने ट्वीट कर लिखा है कि अली रेजा को मौत की सजा देना राजनीति से प्रेरित है।बीबीसी को अलीरेजा अकबरी का एक ऑडियो मिला है। इस ऑडियो में वो बता रहे हैं कि कुछ साल से वो ईरान के बाहर रह रहे थे। 2019 में उन्हें एक ईरान के डिप्लोमेट ने बातचीत के लिए बुलाया था। जब अलीरेजा वहां पहुंचे तो उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। उनका आरोप है कि 3500 घंटों से इंटेलिजेंस एजेंट उन्हें टॉर्चर कर रहे हैं। ऑडियो में अलीरेजा ने बताया है कि ईरान 10 कैमरे लगाकर हॉलीवुड स्टाइल में उनसे गुनाह कबूल करवा रहा है। अलीरेजा ने कहा, टॉर्चर कर और साइकोलॉजिकल तरीकों से ये लोग मेरी हिम्मत तोड़ रहे हैं। ये मुझे पागल कर रहे हैं और वो सब बुलवा रहे हैं जो ये चाहते हैं।

अलीरेजा ने सीक्रेट इंटेलिजेंस सर्विस को दी जानकारी

ईरान की इंटेलिजेंस मिनिस्ट्री ने अलीरेजा अकबरी का देश के सबसे बड़े घुसपैठियों में से एक बताया है। उन पर आरोप लगाया है कि वो ब्रिटेन की सीक्रेट इंटेलिजेंस सर्विस रू6 को खुफिया जानकारी दे रहे थे। इंटेलिजेंस मिनिस्ट्री ने बताया कि उनके एजेंट्स ने झूठी जानकारी देने के लालच में अलीरेजा को फंसाया और फिर पकड़ लिया।

7 जनवरी को भी दी थी दो लोगों को मौत की सजा

मोहम्मद माहदी करामी और सैयद मोहम्मद होसैनी नाम के दो युवकों को 7 जनवरी की सुबह फांसी दी गई थी। इन दोनों पर पैरामिलिट्री फोर्स के जवान को जान से मारने का आरोप था। कोर्ट ने इन्हें दिसंबर में मौत की सजा सुनाई थी। 3 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट ने इनकी सजा को बरकरार रखा था। नॉर्वे के ईरान ह्यूमन राइट्स ग्रुप के मुताबिक, ईरान ने 2022 में 500 से ज्यादा लोगों को मौत की सजा दी है। इन्हें रिवोल्यूशनरी कोर्ट के बंद दरवाजों के पीछे बिना निष्पक्ष सुनवाई के ही सजा सुना दी गई।

स्वास्थ्यकर्मी हड़ताल पर, बगैर इलाज जा रही जान

ब्रिटेन के अस्पताल यूक्रेन से बदतर, हर सप्ताह 500 मौतें

लंदन।
ब्रिटेन का हेल्थ केयर सिस्टम पूरी तरह से ठप पड़ गया है। स्वास्थ्यकर्मियों की हड़ताल और सेवाएं ठप पड़ने से मरीज अस्पतालों के फर्श, गलियारों, फंसी हुई एंबुलेंस और अन्य जगहों पर मर रहे हैं। रॉयल कॉलेज ऑफ इमरजेंसी मेडिसिन के अध्यक्ष एड्रियन बॉयल के अनुसार, 'हर सप्ताह करीब 500 लोगों की इलाज के अभाव में जान जा रही है।'

ब्रिटेन के डॉक्टर अस्पतालों की हालत युद्धग्रस्त यूक्रेन से भी बदतर बता रहे हैं। इस साल ऑर्डर ऑफ द ब्रिटिश एम्पायर से सम्मानित डॉक्टर पॉल रैनसम ने कहा कि हमारे अस्पतालों की स्थिति यूक्रेन और श्रीलंका से भी खराब है।

डॉक्टर तय नहीं कर पा रहे किस मरीज को पहले बचाएं - डॉक्टर पॉल रैनसम ने बताया कि गलियारों में इलाज के इंतजार में पड़े मरीजों को लेकर अपनी बेबसी भी जाहिर की। उन्होंने कहा, 'मैं जब अपने ह।स् सहयोगियों को मरीजों की देखभाल में अक्षम पाता हूं तो खुद को दोषी मानने लगता हूं। मैंने यूक्रेन, जॉर्जिया, श्रीलंका, जिम्बाब्वे जैसे देशों में भी मरीजों को गलियारों में पड़े हुए देखा है। उस हिसाब से हमारे यहां की हालत और खराब हैं। नर्सिंग स्टाफ के लिए ये तय करना मुश्किल हो रहा है कि कौन सा मरीज सबसे गंभीर है और इलाज के लिए किसे भीड़ भरे इमरजेंसी रूम में बुलाएं।

ब्रिटेन में स्वास्थ्य सेवाओं की हालत सबसे खस्ता - ब्रिटेन जितनी बदतर स्वास्थ्य सेवाएं और किसी यूरोपीय देश में नहीं हैं। दरअसल, ब्रिटेन में स्वास्थ्य सेवा, अस्पताल का संचालन और फंड राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवाओं के तहत सरकार द्वारा किया जाता है। पिछले कुछ वर्षों में कंजरवेटिव सरकारों ने अस्पतालों का फंड घटाकर, कर्मचारी कम कर दिए हैं। कर्मचारियों का वेतन भी कम है। मेडिकल व्यवस्थाओं के चरमराने का अंदाजा इसी से लगता है कि अगर किसी सामान्य मरीज को फिजीशियन को दिखाना है, तो उसे 6 से 9 महीने बाद की तारीख मिल रही है। अगर बड़ा ऑपरेशन कराना है, तो उसे 18 महीने तक इंतजार करना पड़ रहा है। ये स्थिति बीते महीने तब और विकराल हो गई, जब वेतन बढ़ाने और कामकाजी स्थिति सुधारने की मांग को लेकर नर्सों और एंबुलेंस स्टाफ हड़ताल पर चला गया।

ऋषि सुनक ने वादा पूरा नहीं किया - जब ऋषि सुनक ने प्रधानमंत्री के तौर पर पद संभाला था, तो उन्होंने वादा किया था कि ह।स् के लिए अधिक नर्सों और डॉक्टरों की भर्ती की जाएगी, ताकि मरीजों को डॉक्टर से परामर्श लेने में लंबे समय तक इंतजार न करना पड़े। साथ ही 7000 बेड बढ़ाए जाएंगे। लेकिन उनके वादे के आगे अब तक कुछ नहीं हुआ। बुधवार को परेशानी तब और बढ़ गई, जब नर्सों और एंबुलेंस स्टाफ ने सरकार के वेतन वृद्धि के प्रस्ताव को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि यह बेहद कम है। देश में 10 लाख स्वास्थ्यकर्मी और एंबुलेंस स्टाफ 14 यूनियनों से जुड़े हुए हैं। ये यूनियन स्वास्थ्य मंत्री से चर्चा करना चाहती हैं। ब्रिटेन के अस्पतालों ने मरीजों को चेतावनी देना शुरू कर दिया है कि जब तक जान का खतरा न हो, तब तक इमरजेंसी विभाग में न आएं।

पूर्व नियोजित संगठित व्यवधान लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं : ओम बिरला

जयपुर (हि.स.)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि भारत के लोकतंत्र से सभी देशों को प्रेरणा मिलती है, इसलिए पीठासीन अधिकारी और जनप्रतिनिधि विधायी निकायों को आदर्श संस्थाएं बनाने में अपना योगदान दें। बिरला ने इस बात का उल्लेख भी किया कि वाद-विवाद और विचार-विमर्श से सुदृढ़ कानून बनते हैं और पूर्व नियोजित संगठित व्यवधान लोकतंत्र के लिए शुभ नहीं है। लोकसभा अध्यक्ष बिरला गुरुवार को राजस्थान विधानसभा में आयोजित अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों के 83वें सम्मेलन के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। बिरला ने कहा कि पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन ने विधायी निकायों में ठोस लोकतांत्रिक परंपराओं और संसदीय पद्धतियों तथा प्रक्रियाओं को सुस्थापित करने और विभिन्न विधानमंडलों में परस्पर बेस्ट प्रैक्टिसेज साझा करने में सदैव महत्वपूर्ण भूमिका निभाई हैं। बिरला ने इस बात की जानकारी दी कि 83वें सम्मेलन में लोकतंत्र को अधिक जवाबदेह, भागीदारीपूर्ण और सार्थक बनाने के लिए नौ संकल्प पारित किए गए। बिरला ने कहा कि आजादी के अमृत काल में जहां देश में व्यापक परिवर्तन आ रहे हैं, वहीं विधानमंडलों की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो गई है। विधायी निकायों में सार्थक, अनुशासित और लाभप्रद चर्चा पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि सदनों में अधिकतम संवाद हो, टेक्नोलॉजी का सही उपयोग हो तथा जनता और विधानमंडलों के बीच अधिक जुड़ाव हो। जनता के बीच यह संदेश जाए कि जनता की बढ़ती आशाएं और आकांक्षाओं को विधानमंडलों के माध्यम से पूरी किया जा सकता हैं। राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने पीठासीन अधिकारियों को सदन के नियमों का अंतिम व्याख्याकार बताते हुए कहा कि संसदीय लोकतंत्र को मजबूत करने की दृष्टि से ऐसे सम्मेलन बहुत महत्वपूर्ण होते हैं। मिश्र ने जनप्रतिनिधियों से जनहित में संवेदनशीलता के साथ कार्य करने का आह्वान किया। विधायी प्रक्रिया पर विचार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि सदन में बहुमत विधेयक पारित करने का एकमात्र आधार नहीं होना चाहिए, बल्कि जनहित और स्वस्थ बहस ही इसका मुख्य आधार होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सदन में अनुशासन और शालीनता अत्यंत आवश्यक है और व्यवधान के बीच विधेयक पारित करना उचित नहीं है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य विधान सभाओं को वित्तीय स्वायत्तता देने के विचार तथा राजस्थान विधानसभा की दक्षता और प्रभावकारिता में सुधार के लिए की गई पहल और नवाचारों की सराहना की। गहलोत ने विशेष रूप से स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में अधिकार आधारित विकास योजनाओं का समर्थन किया। इस अवसर पर राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने जनप्रतिनिधियों से विधायी कार्यों के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने और सदन में उत्पादक और सार्थक चर्चा करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि एक ऐसे देश के रूप में जिसकी आत्मा में लोकतांत्रिक मूल्य निहित हैं, जी20 नेतृत्व का उपयोग दुनिया में शांति, स्थिरता और साझा समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए किया जा सकता है। राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. सी. पी. जोशी ने कहा कि वित्तीय स्वायत्तता के बिना, विधायिकाएं कुशलता से कार्य नहीं कर सकतीं। लोक सभा अध्यक्ष सहित बीस अध्यक्ष, पांच सभापति, राज्यसभा के उपसभापति के साथ ही बारह उपाध्यक्षों और चार उपसभापतियों ने सम्मेलन में भाग लिया। राजस्थान विधान सभा में विपक्ष के नेता गुलाब चंद कटारिया ने आभार जताया। दो दिवसीय सम्मेलन के दौरान जी-20 में लोकतंत्र की जननी भारत का नेतृत्व, संसद और विधानमंडलों को अधिक प्रभावी, जवाबदेह और उपयोगी बनाने की आवश्यकता, डिजिटल संसद के साथ राज्य विधानमंडलों को जोड़ना और संविधान के आदर्शों के अनुरूप विधायिका और न्यायपालिका के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध बनाए रखने की आवश्यकता पर चर्चा की गई।

गृहमंत्री के दौरे से पहले कश्मीरी पंडित कर्मचारियों के दो गुट आमने सामने

जम्मू। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के राजौरी दौरे से ठीक एक दिन पहले पीएम पैकेज कर्मचारियों के दो गुट आमने सामने आ गए हैं। एक गुट ने गुरुवार को एलजी मनोज सिन्हा से मुलाकात की, तो दूसरे गुट ने कहा कि वे छह हजार कर्मचारियों के प्रतिनिधि नहीं हैं। गृहमंत्री से कर्मचारियों की वास्तविक स्थिति को छुपाने के लिए एजली प्रशासन ने ऐसे लोगों से बातचीत की है, जिन्होंने न कभी हमारे प्रदर्शन में भाग लिया है और न ही वह हमारे प्रतिनिधि है। ऑल माइग्रेंट डिसप्लेस्ड इंप्लाइज एसोसिएशन कश्मीर के कर्मचारियों ने अभी भी प्रेस क्लब के बाहर प्रदर्शन कर रहे हैं। कर्मचारियों ने कहा कि जब तक हमारी मांगे पूरी नहीं की जाएगी हमारा प्रदर्शन जारी रहेगा। कर्मचारियों ने कहा कि सरकार फूट डालो राज करो की नीति के तहत काम कर रही है। इसी बीच पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी प्रदर्शनकारियों को समझाने के लिए पहुंचे हैं। दोनों पक्षों में बातचीत जारी है। वहीं, ऑल माइग्रेंट डिसप्लेस्ड इंप्लाइज एसोसिएशन कश्मीर के अध्यक्ष सतीश रैना ने कहा कि उपराज्यपाल से मिलने का कई बार समय मांगा, लेकिन उन्हें समय नहीं दिया गया। इसके कुछ दिन बाद एलजी कार्यालय ने संपर्क किया और जल्द बुलाए जाने की बात कही, लेकिन आज तक नहीं बुलाया गया। गुरुवार को सुबह उन्हें पता चला की किसी अन्य संगठन को एलजी ने मुलाकात के लिए बुलाया। कर्मचारियों की जायज मांगे गृहमंत्री तक नहीं पहुंचे इसके लिए सरकारी उस संगठन को कर्मचारियों का प्रतिधि माना है जो न तो 248 दिनों के इस संघर्ष में उनके साथ रहे हैं और न ही कर्मचारियों की हितों की बात करते हैं।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने मुख्यमंत्री का पुतला फूंका

जयपुर (हि.स.)। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा जयपुर शहर ने अल्पसंख्यक बाहुल्य रामगंज चौपड़ पर प्रदेश के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, कांग्रेस के स्वायत शासन मंत्री शांति धारीवाल, केबिनेट मंत्री महेश जोशी, प्रताप खाचरियावास, लालचंद कटारिया, बगरू विधायक गंगा देवी, आदर्श नगर विधायक रफीक खान और किशनपोल विधायक अमीन कागजी का पुतला फूंका। इस मौके पर मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष एम. सादिक खान ने कहा कि अल्पसंख्यक बालक छात्रावास भू-आवंटन निरस्त करने पर शांति धारीवाल व जयपुर के विधायक आगामी विधानसभा चुनाव में नतीजे भुगतने को तैयार रहें। मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हुसैन खान ने कहा कि कांग्रेस के मंत्री शांति धारीवाल व विधायक गंगा देवी ने भाजपा को बदनाम करने की साजिश के तहत अल्पसंख्यक बालक छात्रावास को रद्द किया है। मोर्चा के प्रदेश महामंत्री हमीद खान मेवाती ने कहा कि जयपुर शहर में वक्फ बोर्ड भवन, मदरसा बोर्ड भवन, हज हाऊस, मोती-डूंगरी रोड अल कुरैशी बालिका स्कूल जैसे अनेकों भू-आवंटन भाजपा सरकारो के राज में किए गए हैं। भाजपा ने ऐसे किसी भी भू-आवंटन का विरोध नहीं किया है। यह सिर्फ भाजपा को बदनाम करने की साजिश है। इस मौके पर मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष, प्रदेश कार्यालय मंत्री, मीडिया प्रभारी, आईटी सह-संयोजक, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, जयपुर शहर जिलाध्यक्ष, जिला महामंत्री, जिला उपाध्यक्ष, जिला मंत्री, सोशल मीडिया प्रभारी सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गणतंत्र दिवस को लेकर पूरी तरह से सतर्क रहें लोग : एसपी

आरएस पुरा (हि.स.)। पुलिस स्टेशन आरएस पुरा की तरफ से वीरवार को थाना दिवस मनाया गया, जिसमें क्षेत्र के गणमान्य लोगों सहित मीडिया कर्मियों ने भी हिस्सा लिया और क्षेत्र की सुरक्षा के साथ-साथ कई अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। इस अवसर पर एसपी हेडक्वार्टर रामनिश गुप्ता मुख्य तौर पर उपस्थित रहे। इसके अलावा एसडीपीओ आरएस पुरा सुरेंद्र सिंह तथा थाना प्रभारी पवन कुमार डोगरा विशेष तौर पर मौजूद रहे। इस मौके पर एस.पी हेडक्वार्टर ने कहा कि थाना दिवस मनाने का मुख्य मकसद पुलिस तथा आम लोगों के बीच तालमेल बढ़ाना है तथा क्षेत्र के महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करना है। उन्होंने कहा कि इससे पहले अन्य थानों में भी थाना दिवस मनाया गया है और आज पुलिस स्टेशन आरएस पुरा में इस दिवस को मनाया जा रहा है। इस मौके पर उन्होंने सभी लोगों से अपील करते हुए कहा कि वे गणतंत्र दिवस को लेकर पूरी तरह से सतर्क रहें और कोई भी संदिग्ध व्यक्ति तथा वस्तु देखने पर तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दें। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों के सहयोग के साथ ही पुलिस कामयाब हो सकती है। ऐसे में सभी को अपनी जिम्मेदारी निभाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस को लेकर पड़ोसी देश हमेशा साजिशें रचने में लगा रहता है। ऐसे में इन साजिशों को हम सब ने मिलकर नाकाम करना है। उन्होंने खासकर आरएस पुरा के सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोगों से अपील करते हुए कहा कि वह पूरी तरह से सतर्कता बरतें। इस मौके पर उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने अपने घरों तथा दुकानदारों में किराएदार रखे हैं उनकी जानकारी भी तुरंत पुलिस को दर्ज करवाए।

पुंछ पुलिस लाइन मैदान में मिला हैंड ग्रेनेड

पुंछ। पुंछ के पुलिस लाइन मैदान में हैंड ग्रेनेड बरामद किया गया। इसके बाद पूरे इलाके को सील कर दिया। बम निरोधक दस्ते ने इलाके को सील कर उसे अपने कब्जे में ले लिया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पुलिस लाइन में एक पुराना हैंड ग्रेनेड मिला था। सूचना के बाद बम निरोधक दस्ते को बुलाया गया। पूरे क्षेत्र की घेराबंदी कर उसकी जांच शुरू की गई। देश शाम को भारी बारिश के बीच सेना के बम निरोधक दस्ते ने उसे विस्फोट कर निष्क्रिय कर दिया।

कोटा में एनआईए की रेड, पीएफआई और एसडीपीआई से जुड़े लोगों के यहां छापेमारी

कोटा। एनआईए ने कोटा में पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया के जिलाध्यक्ष साजिद खान और एसडीपीआई से जुड़े मुबारक खान के घरों और ठिकानों पर गुरुवार सुबह छापेमार कार्रवाई की। पीएफआई की फंडिंग से जुड़े मामले में सुभाष नगर और विज्ञान नगर में रेड डाली गई। सुभाष नगर में एसडीपीआई (सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया) से जुड़े मुबारक खान के यहां छापा डाला गया। जानकारी के मुताबिक मुबारक के बेटे नौशाद को एनआईए पकड़कर अपने साथ ले गई। मुबारक के कैथून इलाके में घर पर भी सर्च की कार्रवाई की गई है। मुबारक का बेटा नौशाद कोटा में सैलून चलाता है। एनआईए की टीम जांच खत्म होने के बाद मकान से एक काले रंग का बैग लेकर भी निकली है। इस कार्रवाई के दौरान एनआईए को बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स भी मौजूद रही। कार्रवाई के दौरान एनआईए की टीम ने मौके से डॉक्यूमेंट्स और रिकॉर्ड को जप्त किया। करीब 2 घंटे तक चली कार्रवाई के दौरान टीम ने आसपास के एरिया को पूरी तरह सीज कर दिया था। अचानक सुबह 5:30 बजे साजिद खान के अमन कॉलोनी स्थित मकान पर पुलिस टीम और एनआईए को देखकर आसपास के लोग आशंका से डर गए। सूत्रों के मुताबिक इस कार्रवाई दौरान एनआईए ने कोटा की लोकल पुलिस को इस बारे कोई इनपुट और जानकारी नहीं दी। जानकारी में यह भी आया है कि नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी टीम को पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया के जिला अध्यक्ष रहे साजिद खान के घर से पीएफआई से जुड़े कुछ दस्तावेज और रिकॉर्ड मिले हैं। जिसे टीम अपने साथ ले गई। पिछले साल भी सितंबर 2022 में अमन कॉलोनी में एनआईए टीम ने छापेमारी की कार्रवाई की थी। तब एनआईए टीम ने सुल्तानपुर में भी छापेमारी की थी। जहां से भारी मात्रा में दस्तावेज और रिकॉर्ड को जब्त किया गया था।

सड़क हादसे में एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत

सुनाम (पंजाब)। पंजाब के सुनाम में गुरुवार को एक दर्दनाक हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई है। लोहड़ी समारोह में भाग लेने के बाद आल्टो कार से घर लौट रहा परिवार हादसे की भेंट चढ़ गया। हादसा गुरुवार शाम को हुआ। दर्दनाक हादसे में कार चालक जसप्रीत सिंह (23), उसकी मां चरणजीत कौर (45), रिश्तेदार वीरपाल कौर (28), परमजीत कौर (55) और जपजौत सिंह (6) की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं 42 वर्षीय सिमरजीत कौर को गंभीर हालत में पटियाला स्थित राजिंदरा अस्पताल ले जाया गया। कोठे आला सिंह के सरपंच भोला राम ने बताया कि उनके गांव का रहने वाला यह परिवार रिश्तेदारी में आयोजित लोहड़ी समारोह में भाग लेने के बाद आल्टो कार से लौट रहा था। गांव चट्ठा ननहेडा और छाहड के मध्य नहरी पानी की हौदी से ऑल्टो कार टकरा कर पलट गई। मौके पर ही पांच लोगों की मौत हो गई जबकि गंभीर रूप से घायल महिला को सुनाम से पटियाला रेफर

नोटबंदी व जीएसटी ने छोटे व्यापारियों को बर्बाद किया : राहुल गांधी

चंडीगढ़ (हि.स.)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा है कि नोटबंदी व जीएसटी जैसे फैसलों ने पंजाब में छोटे व्यापारियों के व्यापार को बर्बाद करने का काम किया है। पंजाब मदद करने वालों का राज्य है। यहां गुरुओं ने सभी को प्यार करना सिखाया है। राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा के दूसरे दिन पंजाब की औद्योगिक राजधानी लुधियाना में एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। राहुल गांधी ने पंजाब के छोटे उद्योगों का मुद्दा उठाते हुए कहा कि केंद्र का फोकस सिर्फ दो-तीन घरानों पर है। स्मॉल स्केल इंडस्ट्री की तरफ किसी का ध्यान नहीं है। बड़े घराने देश को रोजगार नहीं दे सकते, लेकिन स्मॉल स्केल इंडस्ट्री दे सकती है। केंद्र सरकार एमएसएमई के लिए कुछ नहीं कर रही। अगर स्मॉल स्केल इंडस्ट्री को सहायता मिले तो हम चाइना से मुकाबला कर सकते हैं। मैनचेस्टर की तुलना लुधियाना से करते हुए राहुल ने कहा कि मैनचेस्टर का भविष्य नहीं है, लेकिन लुधियाना का भविष्य उज्ज्वल है। राहुल गांधी ने कहा कि केंद्र देश में डर, नफरत व अहिंसा फैला रहा है। धर्म के नाम पर लोगों को लड़वाया जा रहा है। इस अवसर पर पंजाब कांग्रेस प्रधान अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग, नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा, पार्टी प्रभारी हरीश चौधरी समेत कई नेता मौजूद थे।

दुष्कर्म के दोषी को 20 साल की कैद

सोनीपत (हरियाणा)। सोनीपत की अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुरुचि अतरेजा सिंह की अदालत ने किशोरी के साथ दुष्कर्म के मामले में सुनवाई करते हुए आरोपी को दोषी करार दिया है। अदालत ने दोषी को 20 साल कैद और 50 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है। जुर्माना राशि पीड़िता को देने के आदेश दिए गए हैं। जुर्माना न देने पर एक साल अतिरिक्त कारावास की सजा भुगतनी होगी। सदर थाना क्षेत्र के गांव की 16 वर्षीय किशोरी ने 16 नवंबर, 2021 को सदर थाना पुलिस को बताया था कि वह कन्या स्कूल की छात्रा है। 1 अक्तूबर, 2021 को वह अपने घर पर थी। इसी दौरान उनके गांव का अरुण उनके घर में घुस आया था। आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म किया था। साथ ही उसे धमकी दी थी कि अगर उसने किसी को बताया तो वह उसे व उसके घर वालों को मार देगा। जिसके चलते वह डर गई थी। करीब डेढ़ माह बाद उसने परिजनों व पुलिस को अवगत कराया था। जिसके बाद केस दर्ज हुआ था। पुलिस ने किशोरी का मेडिकल कराने के साथ ही उसके कोर्ट में बयान

सीएम ने निर्माणाधीन विधायक आवासों का किया निरीक्षण

जयपुर(हि.स.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने गुरुवार को राजस्थान विधानसभा के सामने विधायक आवास परियोजना के कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने अत्याधुनिक सुविधायुक्त सैम्पल फ्लैट देखकर राजस्थान आवासन मण्डल के कार्यों की सराहना की। गहलोत को आवासन आयुक्त पवन अरोड़ा ने बताया कि 160 आवासों का कार्य जून, 2023 तक पूर्ण कर लिया जाएगा। इस अवसर पर नगरीय विकास मंत्री शांति धारीवाल और जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री डॉ. महेश जोशी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री द्वारा विधायकों के लिए बहुमंजिला आवास बनाने के लिए घोषणा की गई थी। उन्होंने परियोजना का शिलान्यास 11 अगस्त, 2021 को किया था।

नैशनल हाईवे के बोर्ड पर लगा भारत जोड़ो यात्रा का होर्डिंग, चालक परेशान

लुधियाना (विक्की)। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा, जोकि आज लुधियाना पहुंच चुकी है, को लेकर कांग्रेसी नेताओं व वर्करों में खूब जोश दिख रहा हैं। शहर के अंदर सड़कों पर हर तरफ राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के होर्डिंग व पोस्टर दिखाई दे रहे हैं। इतना ही नहीं कांग्रेसियों ने साहनेवाल के पास लुधियाना-दिल्ली हाईवे (एन.एच.-44) पर लगे नैशनल हाईवे अथारिटी के बोर्ड पर भी कांग्रेसियों ने भारत जोड़ो यात्रा का बोर्ड चिपका दिया है। बता दें कि नैशनल हाईवे अथारिटी का यह बोर्ड वाहन चालकों के लिए एक साइनबोर्ड का काम करता है, जिसमें विभिन्न

दिशाओं व शहरों में टर्न व दूरी लिखी होती है, लेकिन उस पर भी भारत जोड़ो यात्रा का होर्डिंग दिखाई दे रहा है, जिसके चलते उक्त नैशनल हाईवे पर चलने वाले वाहन चालकों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बेशक कई जगह पर इन होर्डिंग्स को उतार फैंका गया है, लेकिन इस तरह से हाईवे के बोर्ड पर होर्डिंग लगाने पर कई तरह के सवाल उठ रहे हैं।

NOTICE INVITING QUOTATION

Sealed quotation for rate of items affixing non refundable Court Fee stamp of Rs.8.25 (Rupees Eight & Paise twenty five) only are invited from the Registered Contractors /Suppliers/ Firms of Mechanical Zone, Water Resources Department having similar experiences to execute the urban flood mitigation works of cleaning & desiltation of Bondajan outlet channel from NH Road to the outfall of river Brahmaputra and cleaning & desiltation of drain from Padma Lake to River Kalbhog for augmentation of flash flood discharge of LGBI Airport and its adjoining areas. The item of works as per enclosed annexure to be executed under Guwahati Mechanical W.R Division for which Administrative Approval has been accorded by Guwahati Development Department. The quotation must be accompanied with EMD of Rs 2000/- (Rupees Two Thousand) only to be deposited in the form of demand draft/ banker's cheque / FDR pledged in favour of the undersigned.

The quotation will be received in the office of the undersigned up to **13-00** hours on **21-01-2023** or the next working day if the day as mentioned to be a holiday / half holiday and will be opened on same date and place at **15-30** hours in presence of the quotationers or their authorized representative, if any.

The detail quotation papers / particulars with terms and conditions may be collected from the office of the undersigned on any working day during office hours up-to **12-00** hours **21-01-2023** on payment of Rs. 50/-(Rupees fifty) only in the form of crossed I.P.O pledged in favour of the undersigned.

All rights are reserved by the undersigned.

Additional Chief Engineer
Mechanical Zone, W.R. Deptt.
Basistha, Guwahati-29

-- Janasanyog /C/18381 / 22

फार्मर्स फील्ड स्कूल में यूपी के किसान सीख रहे प्राकृतिक खेती का हुनर

लखनऊ।

यूपी में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए सरकार तेजी से बढ़ रही है। इसी कारण फार्मर्स फील्ड स्कूल में इस खेती का हुनर सीख रहे हैं। मुख्यमंत्री की मंशा के अनुसार कृषि विभाग ने इस पर काम करना भी शुरू कर दिया है। इस क्रम में अब तक करीब 10 हजार किसानों को प्रशिक्षित किया जा चुका है। उल्लेखनीय है कि केन्द्र द्वारा वित्त पोषित नेशनल मिशन ऑन नेचुरल फार्मिंग योजना के तहत प्रदेश के 49 जिलों में 85710 हेक्टेयर में प्राकृतिक खेती कार्यक्रम का क्रियान्वयन किया जा रहा है। इसमें 1714 क्लस्टर गठित कर फार्मस फिल्ड स्कूल कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। इसी प्रकार राज्य सेक्टर से बुन्देलखंड के समस्त जिलों (बांदा, हमीरपुर, ललितपुर, जालौन, झांसी, महोबा) में 470 क्लस्टरों (23500 हेक्टेयर) में दो चरणों में प्राकृतिक खेती कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। इसके अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2022-23 में 235 क्लस्टर गठित कर फार्मस फिल्ड स्कूल के आयोजन का कार्यक्रम वर्तमान में संचालित है। दोनों योजनाओं अन्तर्गत फार्मस फिल्ड स्कूल संचालन में कुल 93369 कृषक प्रतिभाग कर रहे है।

कृषि विशेषज्ञों की मानें तो रासायनिक खादों के अंधाधुंध प्रयोग से हमारी धरती बांझ हो रही है। अब अधिक खाद डालने पर भी अपेक्षित पैदावार नहीं हो रही। इसी तरह फसलों को कीटों एवं रोगों से बचाने के लिए जिन जहरीले रासायनिक कीटनाशकों का प्रयोग हो रहा है उनके प्रति रोग एवं कीट क्रमशः प्रतिरोधी होते जा रहे हैं। लिहाजा हर कुछ साल बाद और जहरीले एवं महंगे कीटनाशकों की जरूरत पड़ रही है। इन दोनों के प्रयोग से किसानों की लागत जरूर बढ़ती जा रही है। जल, जमीन एवं जन एवं जैव विविधता को होने वाली क्षति अलग से। इन सबका समाधान है प्राकृतिक खेती। यूपी के लिए तो यह और भी जरूरी है। साथ ही यहां इनकी संभावनाएं भी अधिक हैं।

खेती किसानी के विशेषज्ञ गिरीश पांडेय ने बताया कि कृषि एवं पर्यटन आदि को शामिल कर लें तो देश की जीडीपी में इस क्षेत्र का योगदान करीब 40 फीसद है। देश के भौगोलिक रकबे का मात्र 11 फीसद होने के बाद अगर उत्तर प्रदेश कुल पैदा होने वाले अनाज का 20 फीसद पैदा करता है तो इसकी वजह इंडो गैंजेटिक बेल्ट की वह जमीन है जिसका शुमार दुनिया की सबसे उर्वर भूमि में होता है।

पांडेय ने बताया कि गंगा की गोद में 27 जिलों, 21 नगर निकायों, 1038 से अधिक ग्राम पंचायतें आती हैं। इनके दोनों किनारों पर 10 किलोमीटर के दायरे में प्राकृतिक खेती की योजना गंगा को जहरीले रासायनिक खादों एवं कीटनाशकों से मुक्त कराने की पहल की ही एक कड़ी है।

न्यूज ब्रीफ

मेटा क्वेस्ट उपयोगकर्ता अब हार्ट रेट को कर सकते हैं ट्रैक

सैन फ्रांसिस्को। मेटा ने मेटा क्वेस्ट पर एक नया हार्ट रेट ट्रैकिंग फीचर और एंड्रॉइड इंटीग्रेशन द्वारा हेल्थ कनेक्ट पेश किया है, ताकि उपयोगकर्ता अपने सभी फिटनेस आंकड़ों पर नजर रख सकें। कंपनी ने बुधवार को एक ब्लॉगपोस्ट में कहा, मेटा क्वेस्ट के लिए सबसे अनुरोधित फिटनेस फीचर्स में से एक हार्ट रेट ट्रैकिंग है, ताकि आप आसानी से परिणाम रियल टाइम देख सकें। नए हार्ट रेट फीचर के साथ, उपयोगकर्ता वर्चुअल रियलिटी (वीआर) वर्कआउट के दौरान भी ब्लूटूथ-सक्षम हार्ट रेट मॉनीटर द्वारा मापे जाने पर अपनी हृदय गति देख सकेंगे। जब उपयोगकर्ता अपने हेडसेट के साथ हार्ट रेट मॉनिटर जोड़ते हैं, तो उनके पास इस बारे में बेहतर जानकारी होगी कि उनका वीआर वर्कआउट उनकी हार्ट रेट को कैसे बढ़ा रहा है। कंपनी ने कहा, हार्ट रेट मॉनिटर जो मेटा क्वेस्ट के साथ काम कर सकते हैं वे गार्मिन एचआरएम-डुअल और पोलर एच10 हैं। अन्य हार्ट रेट मॉनिटर जो पेयरिंग के लिए ब्लूटूथ का उपयोग करते हैं, वे भी आपके मेटा क्वेस्ट के साथ जोड़े जा सकते हैं। इसके अलावा, उपयोगकर्ता अब अपने आंकड़ों को मेटा क्वेस्ट मोबाइल एप्लिकेशन में सिंक कर सकते हैं और एंड्रॉइड डिवाइस वाले लोग सीधे एंड्रॉइड द्वारा हेल्थ कनेक्ट से जानकारी को लिंक और साझा कर सकते हैं।

सात बड़ी विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेज रहेगी भारत की आर्थिक वृद्धि दर

नई दिल्ली। विश्व बैंक ने कहा कि भारत की आर्थिक वृद्धि दर 2023-24 में घटकर 6.6 फीसदी रह जाएगी। इसके बावजूद भारत सात सबसे बड़े उभरते बाजारों और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं (ईएमडीई) में सर्वाधिक तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहेगा। विश्व बैंक ने ताजा अनुमान में कहा कि चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था 6.9 फीसदी की रफ्तार से आगे बढ़ेगी। 2024-25 में वृद्धि दर 6.1 फीसदी रहने का अनुमान है। 2021-22 में यह 8.7प्रतिशत रही थी। बयान के मुताबिक, वैश्विक अर्थव्यवस्था में अनिश्चितता का निर्यात एवं निवेश पर असर पड़ेगा।

निजी खपत और निवेश में वृद्धि का संकेत

विश्व बैंक ने कहा कि सरकार ने बुनियादी ढांचे और कारोबार के लिए सुविधाओं पर खर्च बढ़ाया है। इससे निजी निवेश जुटाने में मदद मिलेगी और विनिर्माण क्षमता के विस्तार को समर्थन मिलेगा। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) में सालाना आधार पर जीडीपी की वृद्धि दर 9.7 फीसदी रही है। इससे निजी खपत और निवेश में वृद्धि का संकेत मिलता है।

वीडियो प्रोग्रामिंग डिस्ट्रीब्यूटर डायरेकटीवी सैकड़ों कर्मचारियों की करेगी छंटनी

सैन फ्रांसिस्को। यूएस में स्थित एक मल्टीचैनल वीडियो प्रोग्रामिंग डिस्ट्रीब्यूटर, डायरेकटीवी कॉर्ड-कटिंग के कारण कथित तौर पर सैकड़ों कर्मचारियों की छंटनी करेगी। सूत्रों का हवाला देते हुए डेडलाइन रिपोर्ट के अनुसार, अधिकांश छंटनी कंपनी के प्रबंधकों को प्रभावित करेगी। 10,000 की सीमा में कुल कार्यबल में से लगभग 10 प्रतिशत सभी प्रबंधक प्रभावित होंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, कर्मचारियों को छंटनी के बारे में पिछले हफ्ते सूचित किया गया था, जो 20 जनवरी से प्रभावी होगा। कंपनी के प्रवक्ता के हवाले से कहा गया है, पूरा पे-टीवी उद्योग धर्मनिरपेक्ष गिरावट और प्रोग्रामिंग को सुरक्षित और वितरित करने के लिए बढ़ती दरों से प्रभावित है। इसने कहा, हम इन परिवर्तनों के साथ संरेखित करने के लिए अपनी परिचालन लागत को समायोजित कर रहे हैं और नए मनोरंजन उत्पादों और सेवा संवर्धन में निवेश करना जारी रखेंगे। इस बीच, यूएस-आधारित सॉफ्टवेयर कंपनी स्केल एआई, जो मशीन लर्निंग एल्गोरिदम बनाने वाली कंपनियों के लिए इमेज, टेक्स्ट, वॉयस और वीडियो डेटा को लेबल करने के लिए सॉफ्टवेयर और लोगों का उपयोग करती है, उसने भी अपने कर्मचारियों के 20 प्रतिशत को निकाल दिया था।

रुपे डेबिट कार्ड व भीम-यूपीआई से लेनदेन पर प्रोत्साहन देगी सरकार

नई दिल्ली।

सरकार रुपे डेबिट कार्ड व कम राशि के भीम-यूपीआई लेनदेन को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहन देगी। इसके लिए केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को 2,600 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन योजना को मंजूरी दी है। इस कदम से देश में डिजिटल भुगतान को और बढ़ावा मिलेगा। योजना के तहत बैंकों को चालू वित्त वर्ष यानी 2022-23 में रुपे और यूपीआई का इस्तेमाल कर 'पॉइंट ऑफ सेल' (पीओएस) यानी दुकानों पर लगी भुगतान मशीन और ई-कॉमर्स लेनदेन को बढ़ावा देने के लिए वित्तीय प्रोत्साहन दिया जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट में कहा, मंत्रिमंडल ने रुपे डेबिट कार्ड और भीम-यूपीआई के जरिये व्यक्तियों एवं कारोबारियों के बीच कम राशि के लेनदेन को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहन योजना को मंजूरी दी। इससे डिजिटल भुगतान में भारत की प्रगति और मजबूत होगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पिछले बजट में कहा था, डिजिटल भुगतान बढ़ाने के लिए वित्तीय मदद जारी रखेंगे।

एनआरआई के लिए भी जल्द यूपीआई सुविधा

प्रवासी भारतीय (एनआरआई) भी जल्द अपने विदेशी मोबाइल नंबर से यूपीआई का इस्तेमाल कर सकेंगे। हालांकि, यूपीआई से सिर्फ उनके नॉन रेजिडेंट एक्सटर्नल (एनआरई) व नॉन रेजिडेंट ऑर्डिनरी (एनआरओ) जैसे अंतरराष्ट्रीय खाते ही जुड़ सकेंगे। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने सभी पेमेंट इंटरफेस वाली संस्थाओं से तैयारी करने को कहा है। शुरुआत में 10 देशों के लिए सेवा : अमेरिका, यूके, सिंगापुर, ऑस्ट्रेलिया, हांगकांग, ओमान, कतर, कनाडा, यूएई और सऊदी अरब। एनआरआई खाता : प्रवासी भारतीय के नाम पर भारत में खोला गया बैंक खाता, जो उसकी विदेशी कमाई रखता है एनआरओ खाता : भारत में प्रवासी भारतीय के नाम पर खोला गया बैंक खाता, जिसमें किराया, लाभांश, पेंशन, ब्याज आदि के रूप में हुई कमाई रखी जाती है।

ये होंगे फायदे...

मजबूत डिजिटल भुगतान तंत्र बनाने में मदद मिलेगी। कम खर्चीला एवं इस्तेमाल के लिहाज से सरल यूपीआई लाइट व यूपीआई123पे को बढ़ावा मिलेगा। भुगतान बैंकिंग नेटवर्क के जरिये डिजिटल भुगतान की पहुंच ग्रामीण और सुदूर इलाकों में बढ़ सकेगी।

इन्हें होगा लाभ

केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा, कैबिनेट के फैसले से डिजिटल भुगतान व्यवस्था को एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम), असंगठित क्षेत्र और सुदूर किसानों तक पहुंचाने में मदद मिलेगी।

तीन नई सहकारी समितियों के गठन को हरी झंडी

सरकार जैविक उत्पाद, बीज और निर्यात को बढ़ावा देने के लिए तीन नई सहकारी समितियों का गठन करेगी। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा, मंत्रिमंडल ने राष्ट्रीय निर्यात समिति, राष्ट्रीय जैविक उत्पाद सहकारी समिति और राष्ट्र स्तरीय बहुराज्यीय बीज सहकारिता समिति की स्थापना को मंजूरी दी।

आईडीपी एजुकेशन ने 4 नए कार्यालयों के शुभारंभ के साथ भारत में अपनी उपस्थिति मजबूत की

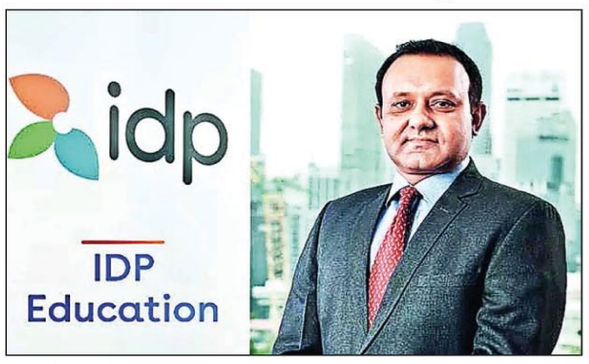

नई दिल्ली।

अंतरराष्ट्रीय शिक्षा सेवाओं में अग्रणी आईडीपी ने भारतीय छात्रों को उनके विदेशी शिक्षा के सपने को साकार करने में मदद करने के लिए फरवरी तक भारत में चार नए कार्यालय शुरू करने की घोषणा की है। इस विस्तार के साथ, आईडीपी के देश भर में 73 कार्यालय हो जाएंगे, जो अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा उद्योग में पूरे भारत में अधिकतम भौतिक उपस्थिति के मार्ग पर अग्रसर होगा।

कार्यालयों का उद्घाटन दिल्ली (उत्तर), दिलसुखनगर (हैदराबाद), खन्ना (पंजाब) और होशियारपुर (पंजाब) में किया जाएगा।

विदेशों में अध्ययन की बढ़ती मांग को देखते हुए, आईडीपी ने बड़ी टीमों के साथ गुवाहाटी, जम्मू, कालीकट और त्रिशूर में अपने मौजूदा कार्यालयों को विकसित करने की भी योजना बनाई है।

अपनी विश्व स्तरीय काउंसलिंग और डिजिटल इनोवेशन के साथ, आईडीपी एजुकेशन छात्रों को ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, यूएस, यूके, न्यूजीलैंड और आयरलैंड जैसे लोकप्रिय देशों में और सर्वोत्तम गंतव्य, कार्यक्रमों और संस्थान को चुनने, आवेदनों और वीजा आवश्यकताओं को पूरा करने, शिक्षा ऋण, स्वास्थ्य बीमा, धन हस्तांतरण सेवाओं, आवास, विदेशी बैंक खाते, सिम कार्ड, आदि के लिए आवेदन करने से लेकर विदेश में संपूर्ण अध्ययन सहायता प्रदान करता है। इस अवसर पर, दक्षिण एशिया और मॉरीशस, आईडीपी एजुकेशन के क्षेत्रीय निदेशक, पीयूष कुमार ने कहा, हमारा उद्देश्य भारत में हर छात्र के विदेश में अध्ययन के सपने को पूरा करना है। इन चार नए कार्यालयों को लॉन्च करना हमारे ग्राहकों के करीब आने और उन्हें बेहतरीन सेवाएं प्रदान करने की दिशा में एक और कदम है।

हम सभी अंतरराष्ट्रीय शिक्षा आवश्यकताओं के लिए एक-स्टॉप समाधान होने पर गर्व करते हैं और अपने ग्राहकों को उनके अध्ययन-विदेश यात्रा के हर हिस्से में समर्थन करते हैं। अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा उद्योग तीव्र गति से बढ़ रहा है। 2024 तक लगभग 18 लाख भारतीय छात्रों के विदेश में अध्ययन करने की उम्मीद है, कुल छात्र खर्च 75 अरब डॉलर से अधिक है। कनाडा, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और यूके जैसे प्रमुख गंतव्यों के लिए भारत शीर्ष प्रेषक बन गया है।

डीजीसीए ने एयरोब्रिज पर इंतजार कर रहे स्पाइसजेट के यात्रियों के मामले में जांच शुरू की

नई दिल्ली।

विमानन नियामक डीजीसीए ने दिल्ली हवाईअड्डे पर एक घटना की जांच शुरू की है, जहां बेंगलुरु जाने वाली स्पाइसजेट उड़ान के यात्रियों को एयरोब्रिज पर लंबे समय तक इंतजार करना पड़ा था।

एयरलाइन के प्रवक्ता के अनुसार, स्पाइसजेट की उड़ान एसजी 8133 (दिल्ली-बेंगलुरु) 10 जनवरी को नेटवर्क में खराब मौसम और विमान के पिछले घुमाव के कारण विलंबित हुई थी। इसके परिणामस्वरूप, आने वाले चालक दल को बेंगलुरु के लिए बाद की उड़ान संचालित करने का अधिकार नहीं था और चालक दल को दूसरी आने वाली उड़ान से व्यवस्थित किया गया था जो कि ड्यूटी समय सीमा के अनुसार कानूनी था। प्रवक्ता ने बताया कि औसतन, बोइंग विमान के लिए दिल्ली हवाईअड्डे पर टर्न अराउंड समय 40-45 मिनट है, जबकि इस विशेष उड़ान पर टर्न अराउंड समय औसत टर्न अराउंड समय से लगभग 20 मिनट अधिक था। चूंकि यात्रियों ने सुरक्षा जांच पूरी कर ली थी इसलिए उनसे एयरोब्रिज पर प्रतीक्षा करने का अनुरोध किया गया। उन यात्रियों को पानी परोसा गया जो विमान के दरवाजे और एयरोब्रिज मार्ग के पास निचली मंजिल पर थे। वीडियो को बोर्डिंग गेट के बाहर शूट किया गया था जिसकी पहुंच सीमित थी। उक्त उड़ान के सभी यात्रियों को सर्विस रिकवरी वाउचर प्रदान किए गए थे।

डीजीसीए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि नियामक इस मामले को देख रहा है और इस पर रिपोर्ट मांगी है। हाल ही में विमानन नियामक ने पाया कि गो फर्स्ट एयरलाइन 9 जनवरी को बेंगलुरु हवाईअड्डे पर एक यात्री कोच में 55 यात्रियों को छोड़ने वाली एक उड़ान की घटना में प्रासंगिक नियमों का पालन करने में विफल रही थी। डीजीसीए ने गो फर्स्ट के जवाबदेह प्रबंधक/चीफ ऑपरेशन ऑफिसर को कारण बताओ नोटिस जारी किया था कि उनके विनियामक दायित्व के उल्लंघन के लिए उनके खिलाफ प्रवर्तन कार्रवाई क्यों न की जाए।

भारत व अमेरिका व्यापार नीति फोरम की बैठक से कई उम्मीदें, पीयूष गोयल अमेरिका दौरे पर

वाशिंगटन।

भारत-अमेरिका व्यापार नीति फोरम की वाशिंगटन में होने वाली अहम बैठक के दौरान ज्यादा प्रगति की संभावना नहीं है। लेकिन इससे व्यापार विशेषज्ञों को कई उम्मीदें हैं। उम्मीद है कि दुनिया के दो सबसे बड़े लोकतंत्रों के बीच व्यापार वार्ता शुरू होगी। बता दें, 2021-22 में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 119.42 अरब डॉलर रह चुका है, जो 2020-21 में 80.51 अरब डॉलर था। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल अमेरिका के आधिकारिक दौरे पर हैं। उन्होंने सोमवार को न्यूयॉर्क में निवेश और वित्तीय दिग्गजों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों के साथ कई बैठकें कीं। पीयूष गोयल वाशिंगटन में अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कैथरीन ताई की तरफ से आयोजित की जा रही 13वीं व्यापार नीति फोरम (टीपीएफ) बैठक में भाग लेंगे। ताई के साथ गोयल द्विपक्षीय बैठक भी करेंगे।

दक्षिण-मध्य एशियाई मामलों के पूर्व सहायक अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि मार्क लिंसकोट ने कहा, मौजूदा बैठक में द्विपक्षीय व्यापार समस्याओं, माल और सेवाओं की चर्चा पर जोर रहेगा।

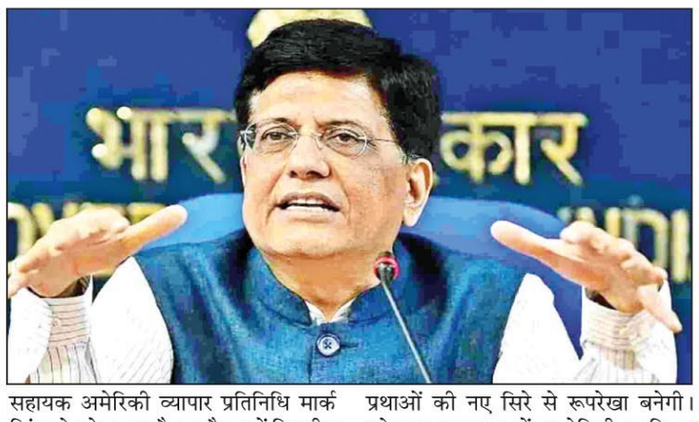

इसके साथ ही लचीला व्यापार पर नए कार्य समूह के रुप में एजेंडे के विशिष्ट क्षेत्रों जैसे श्रम, पर्यावरण और अच्छी नियामक प्रथाओं की नए सिरे से रूपरेखा बनेगी। ओबामा प्रशासन में अमेरिकी वाणिज्य मंत्रालय में वैश्विक बाजार नीति के वरिष्ठ निदेशक रह चुके आत्मान त्रिवेदी ने कहा, टीपीएफ से मामूली उम्मीदें हैं। हितधारकों के साथ ठोस परिणामों पर एक शिखर सम्मेलन की उम्मीद कम है।

पेटीएम भारत की यूपीआई प्रोत्साहन योजना का प्रमुख लाभार्थी होगा : मॉर्गन स्टेनली

नई दिल्ली।

ब्रोकरेज फर्म मॉर्गन स्टेनली ने गुरुवार को कहा कि भारत की अग्रणी डिजिटल भुगतान और वित्तीय सेवा कंपनी पेटीएम भारत की यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) प्रोत्साहन योजना की प्रमुख लाभार्थी होगी।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को रुपे डेबिट कार्ड और वित्त वर्ष 2023 के लिए कम मूल्य वाले भीम-यूपीआई लेनदेन (पी2एम) को बढ़ावा देने के लिए 26 अरब रुपये की प्रोत्साहन योजना को मंजूरी दे दी, जबकि वित्त वर्ष 2022 में यह 15 अरब रुपये थी।

ब्रोकरेज फर्म ने कहा, बैंकों के अलावा, पेटीएम उपरोक्त का एक प्रमुख लाभार्थी होना चाहिए। हमारे अनुमानों पर, पेटीएम को वित्त वर्ष 2022 के प्रोत्साहन का 5-7 प्रतिशत प्राप्त होगा, और वित्त वर्ष 2023 के लिए समान हिस्सेदारी मानते हुए, यह हमारे योगदान लाभ अनुमान के 3-5 प्रतिशत (वित्त वर्ष 2023 के लिए हमने पहले जो अनुमान लगाया था, उससे 1 प्रतिशत अधिक) का प्रतिनिधित्व करेगा।

वन97 कम्युनिकेशंस का सहयोगी पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (पीपीबीएल) यूपीआई लेनदेन के लिए शीर्ष लाभार्थी और अग्रणी

प्रेषक बैंक है।

पीपीबीएल एक जारीकर्ता और पीएसपी बैंक होने के साथ-साथ यूपीआई लेनदेन का अधिग्रहणकर्ता भी है।

योजना के तहत, अधिग्रहण करने वाले बैंकों को रुपे डेबिट कार्ड और भीम-यूपीआई लेनदेन का उपयोग करके पॉइंट-ऑफ-सेल और ई-कॉमर्स लेनदेन को बढ़ावा देने के लिए वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान किया जाता है।

पेटीएम के संस्थापक, सीईओ और एमडी विजय शेखर शर्मा ने ट्वीट किया, यूपीआई और रुपे के माध्यम से डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार की कैबिनेट की बड़ी प्रतिबद्धता है। हमारी सरकार का हैशटैग डिजिटल इंडिया मिशन हमारी अर्थव्यवस्था को लॉन्ग-टर्म लाभ पहुंचाएगा।

अपने पिछले अर्निंग कॉल के दौरान, पेटीएम के शीर्ष प्रबंधन ने कहा था कि यूपीआई मर्चेंट पेमेंट (जो मर्चेंट के लिए मुफ्त हैं) सरकार द्वारा यूपीआई पी2एम लेनदेन के लिए प्रोत्साहन के रूप में डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहित करने के कारण राजस्व पैदा करने वाला बन गया है।

उन्होंने कहा था, यूपीआई हमें कुशल ग्राहक और व्यापारी अधिग्रहण में मदद करता है और हमें वित्तीय सेवाओं के साथ-साथ भुगतान उपकरणों को बढ़ाकर हमारे प्लेटफॉर्म को बेहतर मुद्रीकृत करने की अनुमति देता है।

यह प्रोत्साहन योजना एक मजबूत डिजिटल भुगतान पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण और रुपे डेबिट कार्ड और भीम-यूपीआई डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा देने की सुविधा प्रदान करेगी।

सबका साथ, सबका विकास के उद्देश्य के अनुरूप, यह योजना यूपीआई लाइट और यूपीआई 123पे को किफायती और उपयोगकर्ता के अनुकूल डिजिटल भुगतान समाधान के रूप में भी बढ़ावा देगी और देश में आबादी के सभी क्षेत्रों और वर्गों में डिजिटल भुगतान को और गहरा करने में सक्षम बनाएगी।

सरकार पिछले बजट में घोषित डिजिटल भुगतानों के लिए वित्तीय सहायता जारी रखने का भी इरादा रखती है, जो कि किफायती और उपयोगकर्ता के अनुकूल भुगतान प्लेटफार्मों के उपयोग को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करती है।

यह योजना उपरोक्त बजट घोषणा के अनुपालन में तैयार की गई है, जिसमें कैबिनेट की घोषणा भी शामिल है।

पेटीएम सुपर ऐप ने दिसंबर 2022 को समाप्त तिमाही के लिए औसत एमटीयू के साथ बढ़ते उपभोक्ता जुड़ाव को देखना जारी रखा है, जो 32 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज कर रहा है।

दिसंबर 2022 को समाप्त तिमाही के लिए प्लेटफॉर्म के माध्यम से संसाधित कुल मर्चेंट जीएमवी 3.46 लाख करोड़ (42 अरब डॉलर) हो गया, जो 38 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि को दर्शाता है।

अजिथ और थलापति विजय की फिल्मों में टकराव टला स्थगित की गई एक साथ प्रदर्शन की योजना

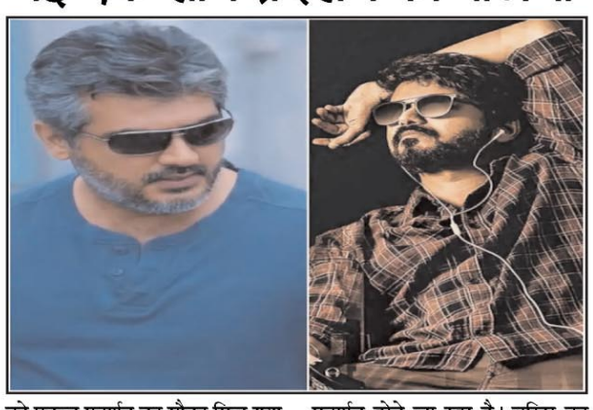

चेन्नई (ईएमएस)। दक्षिण भारत में पिछले कुछ समय से अभिनेता अजिथ और थलापति विजय की फिल्मों की बहुत चर्चा हो रही है। उनकी फिल्मों के प्रति दर्शकों का उन्माद सीमा पार कर गया है। कहा जा रहा था कि दोनों के बीच टवराव से बॉक्स ऑफिस को नुकसान होगा। अब यह टकराव टाल दिया गया है। खबर है कि थलापति विजय अभिनीत वारिसु का तेलुगू संस्करण वरसुदू अब मूल संस्करण तमिल के साथ सिनेमाघरों में प्रदर्शित नहीं होगा। 11 जनवरी को इसका तमिल संस्करण ही सिनेमाघरों में प्रदर्शित किया जाएगा। वारिसु के तेलुगु संस्करण वरसुदू को मकर संक्रांति के मौके पर १४ जनवरी को सिनेमाघरों में प्रदर्शित किया जाएगा। इस बात की जानकारी इस फिल्म के निमार्ता दिल राजू ने अपने ट्विटर अकाउंट पर दी है। थलापति विजय के इस निर्णय के बाद अब तेलुगु अभिनेता अजिथ की फिल्म थुनिवु को एकल प्रदर्शन का मौका मिल गया है। 11 जनवरी से 13 जनवरी अर्थात 3 दिन तक अजिथ की फिल्म बॉक्स ऑफिस पर एकछत्र राज करेगी। अजिथ की फिल्म को तेलुगू भाषा की अन्य दो फिल्मों चिरंजीवी की वाल्टेयर वीरैय्या और बालाकृष्णन की वीरा सिम्मा रेड्डी से टकराव झेलना पड़ेगा। इन सितारों की फिल्मों का 12 और 13 जनवरी को सिनेमाघरों में प्रदर्शन होने जा रहा है। वरिसु का निर्माण दक्षिण के ख्यातनाम निमार्ता दिल राजू ने किया है और इसका निर्देशन वामशी द्वारा किया गया है। इस फिल्म में विजय के साथ पहली बार रश्मिका मंदाना स्क्रीन स्पेस शेयर करती नजर आएंगी। गत वर्ष प्रदर्शित हुई थलापति विजय की बीस्ट के बाद यह पहली फिल्म होगी जो सिनेमाघरों में प्रदर्शित होने जा रही है।

सामंथा को लेकर हो रही बातों पर भड़के वरुण

- ट्रोलर को लगाई एक्टर ने जमकर फटकार

मुंबई (ईएमएस)। सोशल मीडिया पर सामंथा को लेकर हो रही बातों पर एक्टर वरुण धवन काफी भड़क गए हैं। दरअसल बीत साल सामंथा ने अपनी बीमारी के बारे में बताया था कि वह मायोसाइटिस नाम की बीमारी से जूझ रही हैं। अपनी बीमारी का खुलासा करने के बाद एक्ट्रेस पहली बार अपनी फिल्म के ट्रेलर लॉन्च के दौरान मीडिया के सामने नजर आईं लेकिन एक्ट्रेस ट्रोलिंग का शिकागर हो गईं। शकुंतला के ट्रेलर लॉन्च पर सामंथा रुथ प्रभु व्हाइट कलर की साड़ी और चश्मा लगाए नजर आई थीं। इसी इवेंट से एक्ट्रेस की तस्वीरें ट्विटर पर शेयर करते हुए एक यूजर ने उनके लुक्स पर कमेंट किया था। जिस पर खुद सांमथा और अब वरुण धवन ने भी जमकर क्लास लगाई है। सोशल मीडिया पर एक पोर्टल ने एक्ट्रेस को जमकर ट्रोल किया और एक ट्विव करते हुए सामंथा के लुक पर लिखा था सामंथा के लिए बुरा लग रहा है अब उन्होंने अपना ग्लो खो दिया है। सब सोच रहे थे कि वह दृढ़ता से तलाक के दुख से बाहर निकल आई हैं और प्रोफेशनल लाइफ में ऊंचाई छू रही है लेकिन मायोसाइटिस ने उन्हें बुरी तरह तोड़ दिया और कमजोर बना दिया। इस पोस्ट पर सामंथा ने बेहद खास तरीक से जवाब देते हुए कहा मैं दुआ करती हूं कि कभी भी आपको इस तरह की बीमारी और दवाइयों का सामना ना करना पड़े जैसे मैंने किया है और ये रहा आपके ग्लो के लिए मेरी तरफ से थोड़ा प्यार। सोशल मीडिया पर सामंथा का साथ देते हुए ट्रोलर को फटकार लगाते हुऐ वरुण धवन ने लिखा किसी चीज से तुम्हें कोई फर्क नहीं पड़ता तुम्हें बस लोगों को गिराकर अपनी ओर सबका ध्यान खींचने आता है। बेटा मुझे तुम्हारे लिए बहुत बुरा लग रहा है।

रही बात ग्लो की तो वो तो इंस्टाग्राम के फिल्टर में भी आ जाता है। मेरी हाल ही में सैम से मुलाकात हुई थी यकीन करों वह शाइन कर रही थीं। बता दें कि सामंथा रुथ प्रभु इन दिनों अपनी फिल्म शाकुंतलम को लेकर चर्चा में है। हाल ही में एक्ट्रेस अपनी फिल्म के ट्रेलर लॉन्च पर नजर आई थीं। सामंथा ने अपने इस इवेंट की एक फोटो सोशल-मीडिया पर शेयर की थी।

बहुविवादित फिल्म पठान का ट्रेलर जारी

-शाहरुख और जॉन बेहतरीन एक्शन मोड में आएंगे नजर

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड स्टार शाहरुख खान बहुप्रतीक्षित और बहु-विवादित पठान का ट्रेलर जारी हो गया। पठान में शाहरुख खान और जॉन अब्राहम बेहतरीन एक्शन मोड में नजर आएंगे। फिल्म का ट्रेलर ने स्पष्ट कर दिया है कि फिल्म की शरूआत पहले खलनायक के हमलों से होगी उसके बाद नायक को बुलाया जाएगा। कहानी बहुत सामान्य है जॉन अब्राहम एक ऐसे आतंकवादी ग्रुप के सरगना है जो पैसों के लिए किसी भी देश में कभी भी हमला कर सकता है और अब वह भारत को अपने निशाने पर ले रहा है। वह चेतावनी देने के बाद अपने काम पर जुटता है। देश को दुश्मन के इस आक्रमण से बचाने के लिए सर्वश्रेष्ठ एजेंट पठान को बुलाया जाता है। यह ठीक उसी तरह से है जिस तरह से टाइगर सीरीज की दोनों फिल्मों में अभिनेता गिरीश कर्नाड टाइगर को बुलाते हैं। वहाँ की तरह यहाँ भी एक महिला जासूस है जिसे पठान के साथ मिशन में शामिल कर लिया जाता है। वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स पर आधारित यह फिल्म एक था टाइगर (2012) टाइगर जिंदा है (2017) और वॉर (2019) के बाद स्पाई यूनिवर्स में चौथी किस्त है। यह यशराज फिल्म्स की सबसे महंगी फिल्म है। यह फिल्म वाईआरएफ की पहली डॉल्बी सिनेमा रिलीज है और पहली बॉलीवुड फिल्म है जिसे पूरी तरह से आईमैक्स कैमरों के साथ शूट किया गया है। साधारण सी कहानी को एक्शन और ग्लैमर के सहारे दर्शकों के लायक बनाने का प्रयास सिद्धार्थ आनन्द ने किया है। इस कहानी या यूं कहें कि फिल्म की सफलता इस बात पर टिकी है कि शाहरुख खान दीपिका के साथ मिलकर किस तरह से जॉन अब्राहम को काबू में करते हैं। फिल्म में सलमान खान की भी विशेष भूमिका बताई जा रही है लेकिन ट्रेलर में इस-ाकी कोई झलक नहीं दिखाई गई है। सिद्धार्थ आनन्द ने बैंग-बैंग और वॉर में भी भरपूर एक्शन दिखाया था। यहाँ भी उन्होंने एक्शन दिखाने में कोताही नहीं बरती है। रोमांस के बादशाह शाहरुख खान को एक्शन करते हुए देखना रोमांचित करता है। गत वर्ष प्रदर्शित हुई ब्रह्मास्त्र में भी उन्होंने एक्शन किया था जिसे दर्शकों ने पसन्द किया था। यहाँ पठान के ट्रेलर में दर्शक शाहरुख के एक्शन को देखकर दीवाने हो गए हैं। वैसे शाहरुख एक्शन करते हुए भी चेहरे पर भावनाओं का ज्वार लाने में सफल रहते हैं। आदित्य चोपड़ा ने इस फिल्म पर अपनी पिछली सफल एक्शन फिल्मों धूम और टाइगर की तरह जमकर पैसा बहाया है। उन्होंने सिद्धार्थ आनन्द और एक्शन निर्देशक को पूरी आजादी दी है दृश्यों की कल्पना करने और उन्हें फिल्माने की। दोनों सितारे जमीन से लेकर आसमान और सडक से लेकर बफीले पहाड़ों तक एक-दूसरे का कार बाइक हेलिकॉप्टर और हवाई जहाज से पीछा करते नजर आते हैं। यहाँ तक कि सिद्धार्थ आनन्द ने इन दोनों सितारों के साथ रेल के कोचों की छत पर भी एक्शन दृश्य फिल्मा लिया है। पूरी तरह से विदेशों में फिल्माये गये यह दृश्य दर्शकों को हैरत में डालते हैं।

लिजो करना चाहती है सुपरस्टार एडेल के साथ काम

ब्रिटिश सुपरस्टार एडेल के साथ जानी-मानी रैपर लिजो काम करना चाहती हैं। लिजों इसको लेकर काफी उत्साहित भी हैं। लिजो ने अपना अनुभव साझा किया। लिजो ने कहा हमने इस बारे में कभी बात नहीं की। आप जानते हैं मैं एडेल के साथ क्या करूंगी वह बांसुरी बजाती हैं। मैं बांसुरी बजाऊंगी क्योंकि वह उस तरह की कलाकार हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार लिजो आई ड्रिंक वाइन गायिका के समर्थन और सलाह के लिए आभारी हैं लेकिन उन्होंने स्वीकार किया कि पिछले कुछ वर्षों में सोशल मीडिया में वृद्धि के कारण उनकी प्रसिद्धि की यात्रा बहुत अलग थी। इसी के साथ उन्होंने बताया कि जब वह पहली बार बाहर आई तो संस्कृति बहुत अलग थी और विशेष रूप से सोशल मीडिया के साथ। एडेल ने मुझे फोन किया और कहा लिजो आप इसे कैसे करते हैं? क्या आप ठीक हैं? क्या आप यहां आकर शराब पीना चाहते हैं। क्या आप बात करना चाहते हैं? और मैं ऐसे थी हां ..। लिजो ने आगे कहा एडेल ने मुझे शाब्दिक रूप से एक अलग फॉन्ट में देखा। यह वास्तव में प्यारा था। मैं उनको बहुत देखती हूं। वह जानती है कि वह कौन है और वह हर एल्बम के साथ उसका सम्मान करती है। उसने हमें पियानो बालाड दिया जो नंबर एक पर जाता है जो इतना कठिन और दुर्लभ है।

चौथी शादी करने जा रहे महेश बाबू के भाई? तीसरी पत्नी ने अड़ाई टांग

सुपरस्टार महेश बाबू के सौतेले भाई नरेश इन दिनों अपनी लव लाइफ को लेकर सुर्खियों हैं। एक्टर चौथी शादी करने की तैयारी में हैं। नए साल की शुरूआत में उन्होंने साउथ एक्ट्रेस पवित्रा लोकेश संग एक रोमांटिक वीडियो शेयर किया। वीडियो में दोनों को लिप-लॉक करते देख चचाएं तेज होने लगी कि नरेश बाबू अपनी रयूमर्ड गर्लफ्रेंड पवित्रा संग शादी करने वाले है। इस सब खबरों के बीच अब एक्टर की तीसरी वाइफ राम्या रघूपति का रिएक्शन सामने आया है।

फिल्म वेड की सफलता से गदगद है रितेश देशमुख

-प्रदर्शन के 10वें दिन बनाया रिकॉर्ड

मुंबई (ईएमएस)। हिंदी तथा मराठी फिल्मों के अभिनेता रितेश देशमुख आजकल अपनी फिल्म वेड की सफलता को देखकर गदगद है। स्वयं द्वारा निर्देशित और अभिनीत फिल्म वेड हर रोज कमाई के नए आयाम स्थापित कर रही है। क्षेत्रीय फिल्म होने के बावजूद इसका कारोबार हिन्दी फिल्मों से कहीं अधिक है। प्रदर्शन के 10 दिन के अन्दर फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 33.42 करोड़ का कारोबार करने में सफलता प्राप्त कर ली है। दिलचस्प बात यह है कि इस फिल्म ने प्रदर्शन के 10वें दिन बॉक्स ऑफिस पर प्रदर्शन के पहले दिन से दोगुना कारोबार किया है। फिल्म ने इस रविवार 5.70 करोड़ का कलेक्शन कर सबको हैरान कर दिया है जबकि इसने पहले दिन 2.25 करोड़ की कमाई की थी। रितेश देशमुख अपनी फिल्म के प्रदर्शन से काफी खुश हैं। उनका कहना है कि ये उनके लिए एक सपने जैसा है ट्रेड विश्लेषक तरण आदर्श ने फिल्म का कलेक्शन शेयर करते हुए लिखा- मराठी फिल्म वेड ने सेकेंड वीकेंड पर भी शानदार प्रदर्शन जारी रखा है। शनिवार और रविवार को फिल्म का कलेक्शन शानदार है। वीक 2- शुक्रवार 2.52 करोड़ शनिवार 4.53 करोड़ रविवार 5.70 करोड़। कुल- 33.42 करोड़। रितेश देशमुख के निर्देशन में बनी यह फिल्म 30 दिसंबर को महाराष्ट्र के सिनेमाघरों में प्रदर्शित हुई थी। फिल्म में रितेश की पत्नी और एक्ट्रेस जेनेलिया डिसूजा भी उनके अपोजिट नजर आईं हैं। जेनेलिया ने इस फिल्म के जरिए मराठी फिल्मों में डेब्यू किया है। सलमान खान ने इस फिल्म कैमियो किया है। अपनी फिल्म के शानदार प्रदर्शन पर रितेश देशमुख काफी खुश हैं। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर लिखा- किसी भी मराठी फिल्म के लिए 10वें दिन अब तक का सबसे बड़ा कलेक्शन हासिल करना एक सपने जैसा है। वेड को इतना प्यार देने के लिए हम दर्शकों का शुक्रिया अदा करते हैं। बता दें कि वेड में रितेश देशमुख और जेनेलिया डिसूजा ने अभिनय किया है। फिल्म की सफलता को लेकर दोनों ही प्रसन्न है।

भोजपुरी फिल्म 'जनता दरबार' को मिला दर्शकों का प्यार

लखनऊ, (हि.स.)। फुल एक्शन भोजपुरी फिल्म जनता दरबारह्य ने दर्शकों का भरपूर प्यार पाया है। सिनेमाघरों की खिड़की पर काफी भीड़ भी देखने को मिली। दर्शकों के इस प्यार को देखते हुए फिल्म के कलाकारों ने सिनेमाघरों में जाकर दर्शकों से आमने-सामने रूबरू हुऐ । सामाजिक मुद्दे पर आधारित जे सोहरता प्रोडक्शन के बैनर तले बनी इसके निर्माता जसवंत कुमार हैं और सह निर्मात्री संगीता प्रजापति हैं। फिल्म छह जनवरी को रिलीज हुई है। यह फिल्म के निर्देशक आर.के. शुक्ला ने बताया कि भोजपुरी धीरे- धीरे अपनी पहचान खोती जा रही है, इसलिए हमारा यही प्रयास है कि फिल्म की कहानी से लेकर फिल्म के हर डिपार्टमेंट का कार्य इतना शानदार हो की यह फिल्म पैन इंडिया में अपना स्थान बना सकें, जिससे भोजपुरी सिनेमा को एक दिशा प्रदान किया जा सके। उन्होंने कहा कि पहले दिन से सिनेमाघरों में दर्शकों की भीड़ एवं उनका प्यार देखकर मैं गदगद हूं और यह बड़े गर्व से कह सकता हूं कि भोजपुरी में भी अच्छी फिल्में बनती हैं, जिसमें आप ह्यजनता दरबार के रूप में देख सकते हैं। वहीं, फिल्म की बात करें तो यह नक्सलवाद पर आधारित भोजपुरी फिल्म है। पूरी तरह से एक्शन से भरपूर फिल्म में लव स्टोरी भी है। फिल्म के मुख्य कलाकारों में मनोज आर पांडेय, संग्राम सिंह पटेल, चंद्रमुखी (मासूम), सृष्टि उत्तराखंडी, बबली नायक, बृजेश त्रिपाठी, रिंकी शुक्ला, जय सिंह, लोटा तिवारी, प्रियंका चौधरी, संजना सिल्क, जीतू शुक्ला, सत्या पाण्डे, विजय वर्मा, इमरान पिंडारी, भोला पाण्डे, समीर खान, पप्पू पाल, अनिता उपाध्याय, महेंद्र दुबे, गोविंद कुमार, राम चौधरी, धर्मेंद्र कुमार और जसवंत कुमार है। स्थानीय कलाकारों ने अपने अभिनय क्षमता से फिल्म में चार चांद लगा दिए हैं। इसके अलावा फिल्म के एसोसिएट निर्देशक मिलनम जोशी, संगीतकार साहिल खान, गीतकार प्यारे लाल यादव, स्व. श्याम देहाती व शेखर मधुर हैं। डीओपी विजय आर पांडेय, एक्शन मास्टर सुयोग सलिल हैं। कार्यकारी निमार्ता सरिता गोविंद, कुमार प्रजापति हैं।

ट्रेलर से पहले वायरल हुआ बेशरम रंग का गजल वर्जन

शाहरुख खान की फिल्म पठान का गाना बेशरम रंग जब से रिलीज हुआ है तब से कई वजहों से लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। इस गाने को लेकर तरह-तरह के एक्सपेरिमेंट किए जा रहे हैं। अब हाल ही में कोलकाता के एक म्यूजिक क्रिएटर सौम्य मुखर्जी ने इस गाने का गजल वर्जन बनाया है। उन्होंने इसे अपने सोशल मीडिया पर भी शेयर किया है। अब ये गजल वर्जन पूरी तरह से वायरल हो गया है। लोग इसे काफी संख्या में शेयर कर रहे हैं। इसके अलावा लोग इस वर्जन की तारीफें भी कर रहे हैं। सोशल मीडिया यूजर्स का कहना है कि ये वर्जन ओरिजिनल से बेहतर है। वहीं कई सोशल मीडिया यूजर्स को इसमें जगजीत सिंह जैसी वाइब्स आ रही है। कुछ को इस गजल को सुनते वक्त सुकून का अहसास हो रहा है। बेशरम रंग पठान का पहला गाना था जिसे गत 12 दिसम्बर को रिलीज किया गया था लेकिन रिलीज के बाद से ही यह गाना विवादों में फंस गया। दरअसल गाने में दीपिका पादुकोण ने भगवा रंग की बिकिनी पहनी है। ऐसे में कई हिंदू संगठनों ने दीपिका के ड्रेस को लेकर आपत्ति जताई है।

देवभूमि से प्रेम है, उत्तराखण्ड में मई-जून में शूटिंग करेंगे प्रारंभ : गोविंदा

देहरादून, (हि.स.)। प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता गोविंदा ने बुधवार को उत्तराखंड विकास परिषद के सीईओ और महानिदेशक सूचना बंशीधर तिवारी से भेंट की। इस दौरान गोविंदा ने बताया कि देवभूमि उत्तराखंड से प्रेम है। नई फिल्म की उत्तराखंड में मई-जून में शूटिंग शुरू की जाएगी। फिल्म अभिनेता गोविंदा अपनी नई फिल्म की शूटिंग लोकेशन की रेकी के सिलसिले में आजकल देहरादून आए हुए हैं। उन्होंने बताया कि उन्हें देवभूमि उत्तराखंड से प्रेम है और यहां की आध्यात्मिक सांस्कृतिक और प्राकृतिक सुंदरता फिल्म निमार्ताओं के लिए वरदान की तरह है। मई-जून से अपनी नई फिल्म उत्तराखंड में शुरू करने की योजना बना रहे हैं। बंशीधर तिवारी ने गोविंदा का स्वागत करते हुए कहा कि उत्तराखंड सरकार अपनी फिल्म नीति के माध्यम से राज्य में फिल्म निर्माण के लिए अच्छा माहौल बनाने का प्रयास कर रही है। नई फिल्म नीति में फिल्म निमार्ताओं को दी जाने वाली सुविधाओं और सब्सिडी को और अधिक तार्किक और सुगम बनाया जा रहा है। नई फिल्म नीति में ओटीटी प्लेटफॉर्म्स को भी सम्मिलित किया जा रहा है। बंशीधर ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का उद्देश्य है कि उत्तराखंड में फिल्म निर्माण एक उद्योग की तरह से अपनी जड़े जमाये, जिससे यहां के युवाओं को फि ल्म निर्माण से जुड़े रोजगार के नए अवसर भी उपलब्ध हो। इस दिशा में आवश्यक नीति गत प्रावधान किए जा रहे हैं। इस दौरान गोविंदा को राज्य की विभिन्न शूटिंग लोकेशंस और पर्यटन स्थलों के बारे में भी अवगत कराया। उत्तराखण्ड फि ल्म विकास परिषद के नोडल अधिकारी संयुक्त निदेशक डॉ. नितिन उपाध्याय ने बताया कि उत्तराखंड विकास परिषद की ओर से उत्तराखंड की लोकेशन डायरेक्टरी बनाई जा रही है और कलाकारों और फिल्म से जुड़े अन्य मानव संसाधन की विस्तृत जानकारी जुटाई जा रही है।

सूडोकु नववाल- 6311

मध्यम

4			9		6	1		8
6	8							
	1	7	3	8		4		
3	4		6		7			9
5		1	8			2		7
2			5		1		8	4
		3		7	5	8	6	
							9	5
7		6	2		8			1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नववाल -6310 का हल

2	9	8	3	5	6	1	7	4
4	5	3	2	1	7	9	8	6
7	1	6	4	8	9	2	5	3
8	2	5	6	9	1	3	4	7
3	6	4	7	2	5	8	1	9
1	7	9	8	3	4	5	6	2
5	4	1	9	7	2	6	3	8
6	3	2	1	4	8	7	9	5
9	8	7	5	6	3	4	2	1

शब्दजाल - 7058

रि	अ	मे	क	अ	मि	ता	भ	ब	च्च	न	
ति	भि	क	म	क्ष	डे	ने	ग	ति	मा	ला	
क	षे	र	ला	य	ग	अं	द	ह	प	आ	
रो	क	ल	का	कु	न	स	ध	ह	लि	मि	
श	ब	स	ल	मा	न	खा	न	का	न	र	
न	च्च	का	र	र	ल	का	त	ह	र	खा	
र	न	ल	मा	व	शा	ह	रु	ख	खा	न	
र	ज	भा	र	न	प	स	रा	ल	वि	ला	
क	न	नी	अ	सै	फ	अ	ली	खा	न	दे	
र	का	ति	कां	न	शा	हि	द	क	पू	र	
बां	र	ल	प	त	स	स	त्ता	प	र	र	

शब्द जाल में ऐसे 10 अभिनेता ढूंढिए जो सर्वाधिक पारिश्रमिक लेते हैं. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे हैं.

अमिताभ बच्चन, रितीक रोशन, शाहरुख खान, रजनीकांत, आमिर खान, अक्षय कुमार, सलमान खान, सैफ अली खान, अभिषेक बच्चन, शाहिद कपूर

शब्दजाल -7057 का हल

म	अ	मु	न	सी	जा	म	न	ग	रे	व	
रा	वि	ली	प्रे	क	ना	स	द	ज	कां	इ	
सू	र	त	बा	दी	छ	सि	आ	ब	वृ	जे	
इं	नौ	ब	न	बा	वा	स	क	ल	ष	ल	
वा	अ	मी	ल	जे	चा	न	क्रो	न	भ	गां	
रा	ल	न	र	ये	ब	ली	ती	बैं	घ	व	
ण	सिं	निं	ग	पु	न	ल	स	ग	व	स	
सी	ह	ऊ	ई	र	ब	क	पु	लो	श	क	
रा	म	तु	ला	रा	म	स	या	रे	र	आ	
क	गॉ	सो	नी	प	त	कुं	भ	म	प	द	
क	ड	क	र्क	या	क	र्त	शि	म	ला	म	

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग- 6011

7	6		4		3	5
2	28	4	33	7	35	
	2		6		7	
5	28		38		34	1
	2	6	3		1	
3	31	2	31	1	30	6
6	1		4		5	2

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6010 का हल

1	2	3	7	5	6	4
3	29	6	37	2	31	1
4	3	7	1	6	2	5
5	29	1	33	4	37	6
6	1	2	5	7	4	3
2	33	4	31	3	30	7
7	6	5	4	1	3	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

तालिबान को ऑस्ट्रेलिया का करारा जवाब, अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज कर दी रद्द

नई दिल्ली।
ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम इस साल मार्च में यूएई में अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज नहीं खेलेगी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज से हटने का फैसला किया है। ऐसा इसलिए क्योंकि तालिबान ने हाल ही में महिलाओं और लड़कियों की पढ़ाई व रोजगार संबंधित पाबंदी की घोषणा की थी।

ऑस्ट्रेलिया और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज आईसीसी वनडे सुपर लीग के अंतर्गत खेली जानी थी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सीरीज के हटने का असर यह है कि अफगानिस्तान को सीरीज के 30 अंक मिलेंगे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर एक बयान जारी करते हुए समझाया कि आखिर क्यों उन्होंने यह फैसला लिया। सीए ने कहा कि वो वैश्विक स्तर पर पुरुष और महिला खेल की प्रगति के समर्थन के लिए प्रतिबद्ध है, जिसमें अफगानिस्तान भी शामिल है।

सीए ने साथ ही कहा कि वो अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड से बातचीत करेगा और जानेगा कि देश में महिलाओं व लड़कियों के लिए स्थितियां सुधरी हैं या नहीं। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने इस मामले में समर्थन के लिए ऑस्ट्रेलियाई सरकार का शुक्रिया अदा किया है। सीए ने बयान में कहा, सीए विश्व में पुरुष और महिलाओं के खेल की प्रगति के समर्थन के लिए प्रतिबद्ध है, जिसमें अफगानिस्तान शामिल है। बोर्ड लगातार अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड से बातचीत करके जानेगा कि देश में महिलाओं और पुरुषों की स्थिति में क्या सुधार है।

अफगानिस्तान ने जवाब में कहा, इस मामले में ऑस्ट्रेलियाई सरकार के समर्थन का हम शुक्रिया अदा करते हैं। आईसीसी के सीईओ ज्योफ एलार्डिस ने स्वीकार किया कि अफगानिस्तान में हाल में हुई चीजें चिंताजनक हैं और मार्च में अगली बोर्ड बैठक में इस पर विचार किया जाएगा। एलार्डिस ने कहा, प्रशासन बदलने के बाद से हमारा बोर्ड प्रगति पर नजर रखे हुए है। यह चिंताजनक है कि अफगानिस्तान में प्रगति नहीं हो रही है और हमारा बोर्ड मार्च में अगली बैठक में इस पर विचार करेगा। जहां तक हमारी जानकारी है तो इस समय कोई गतिविधि नहीं हो रही है।

अफगानिस्तान एकमात्र आईसीसी पूर्ण सदस्य देश है, जिसकी महिला टीम नहीं है। महिलाओं के अंडर-19 टी20 वर्ल्ड कप के उद्घाटन संस्करण में भी अफगानिस्तान एकमात्र पूर्ण सदस्य है, जिसकी महिला टीम शिरकत नहीं कर रही है।

न्यूज ब्रीफ

न्यूजीलैंड ने 79 रनों से जीता दूसरा वनडेः ड्वेन कॉन्वे ने जमाया शतक, विलियमसन ने खेली 85 रनों की पारी

कराची। न्यूजीलैंड ने 3 वनडे मैचों की सीरीज का दूसरा मुकाबला 79 रनों से जीत लिया है। इस जीत के साथ ही टीम ने सीरीज में 1-1 की बराबरी हासिल कर ली है। सीरीज का तीसरा और निर्णायक मुकाबला 13 जनवरी को खेला जाएगा। पाकिस्तान ने पहला वनडे 6 विकेट से जीता था। कराची में खेले गए इस मुकाबले में कीवी टीम ने टॉस जीता और पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। न्यूजीलैंड ने 49.5 ओवर में 261 रन बनाए। जवाब में पाकिस्तान की टीम 43 ओवर में 182 रन पर ऑल आउट हो गई। पहले खेलने उतरी न्यूजीलैंड ने 2 रन पर पहला विकेट गंवा दिया था। ओपनर फिन एलेन 1 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें नसीम शाह ने विकेटकीपर मोहम्मद नवाज के हाथों कैच कराया। पहला विकेट जल्दी गंवाने के बाद ओपनर ड्वेन कॉन्वे और कप्तान केन विलियमसन ने पारी संभाली। कॉन्वे ने अपने वनडे करियर का दूसरा शतक जमाया। जबकि केन विलियमसन 85 रन बनाकर आउट हुए। दोनों के बीच 175 गेंदों पर 181 रनों की पार्टनरशिप हुई। पाकिस्तानी गेंदबाज मोहम्मद नवाज को चार सफलताएं मिलीं। नसीम शाह को तीन विकेट मिले। पाकिस्तान की ओर से कप्तान बाबर आजम ने 79 रनों की अर्धशतकीय पारी खेली, लेकिन अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके। क्योंकि उन्हें किसी और बल्लेबाज का साथ नहीं मिला। बाबर के अलावा मोहम्मद रिजवान ने सबसे ज्यादा 28 रन बनाए। गेंदबाजी में कीवी टीम की ओर से टिम साउदी और ईश सोढ़ी ने दो-दो विकेट लिए। फर्ग्युसन, सेंटनर, ब्रेसवेल और फिलिप्स को एक-एक विकेट मिला।

हॉकी वर्ल्ड कप का आगाज, ढाई घंटे चली ओपनिंग सेरेमनीः 40 हजार दर्शकों के सामने दिशा, रणवीर और प्रीतम ने किया परफॉर्म

कटक। कटक के बाराबती स्टेडियम में मेंस हॉकी वर्ल्ड कप की ओपनिंग सेरेमनी करीब 2.30 घंटे तक चली। मनीष पॉल और गौहर खान ने शो को होस्ट किया। बॉलीवुड स्टार दिशा पाटनी, रणवीर सिंह और म्यूजिक कंपोजर प्रीतम ने अपने क्रू मेंबर के साथ परफॉर्मेंस दी। प्रीतम इलाही जैसे गानों के साथ मंच पर पहुंचे। उनके साथ बॉलीवुड सिंगर बेनी दयाल और नीति मोहन ने भी परफॉर्म किया। स्टेडियम में बैठे 40 हजार दर्शकों के सामने कोरियन पॉप-बैंड ब्लैकस्वान ने भी अपनी परफॉर्मेंस दी। ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने खेल मंत्री अनुराग ठाकुर और पूर्व भारतीय हॉकी प्लेयर दिलीप तिर्की के साथ वर्ल्ड कप की ट्रॉफी रिवील की। कटक की महानदी नदी के किनारे रेत से 105 फीट लंबी हॉकी बनाई गई। इसमें करीब 5000 हॉकी गेंदों का इस्तेमाल किया गया। दुनिया की सबसे बड़ी रेत हॉकी का दर्जा प्राप्त इस हॉकी को बनाने में करीब 2 दिन का समय लगा।

श्रीजा अकुला, मनिका बत्रा और शरत कमल ने किया कमाल, विश्व चैंपियनशिप में बनाई जगह

नई दिल्ली। बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों की मिश्रित स्पर्धा की स्वर्ण पदक विजेता श्रीजा अकुला, दिग्गज टेनिस

खिलाड़ी अचंता शरत कमल और मनिका बत्रा ने मई में होने वाली डरबन विश्व टेबल टेनिस चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसीसी) फाइनल्स में एकल स्पर्धा के लिए अपनी जगह पक्की की। तीनों खिलाड़ियों ने एशियन डब्ल्यूटीटीसी उपमहाद्वीपीय चरण के अंतिम-16 में अपने-अपने मुकाबले जीतकर विश्व चैंपियनशिप का टिकट पाया। श्रीजा ने चीनी ताइपे की चेन जू यू को 11-2, 5-11, 2-11, 5-11, 13-11, 11-9, 11-8 से शिकस्त दी। उधर, विश्व के 47वें नंबर के खिलाड़ी शरत कमल ने ईरान के अहमदियान अमीन को 13-11, 11-3, 10-12, 11-7, 11-6 से हरा दिया। मनिका ने हांगकांग की झू चेंगझू को 13-11, 11-9, 11-6, 11-8 से हरा दिया। मनिका ने मिश्रित युगल में भी जीत दर्ज की। मनिका और जी साथियान ने जापान के हिरोतो शिनोजुका और मियू की जोड़ी को 11-9, 12-10, 11-7, 5-11, 11-7 से हराया।

दर्शकों के शोर से निपटने के लिए कृत्रिम आवाजों के बीच अभ्यास कर रही टीम इंडिया

भुवनेश्वर।
भुवनेश्वर और राउरकेला में दर्शकों के शोर से निपटने के लिए भारतीय हॉकी टीम लाउडस्कीपर की आवाज और कृत्रिम शोर के बीच अभ्यास कर रही है। कोच ग्राहम रीड को 1990 के लाहौर विश्व कप में मिले कड़वे अनुभव से निकला यह गुरुमंत्र अब भारतीय हॉकी टीम के काम आ रहा है। अभ्यास के दौरान ऐसा कृत्रिम शोर रखा जा रहा है जैसा स्टेडियम में मैच के दौरान दर्शकों का होता है।

40 हजार दर्शकों के बीच गुम हो गई थी टीम की आवाज

दरअसल, 1990 के लाहौर विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया को स्टेडियम में 40 हजार से अधिक दर्शकों के शोर की आदत नहीं थी। रीड याद करते हैं कि वे आपस में बोलकर खेला करते थे, लेकिन शोर में टीम को किसी की आवाज सुनाई नहीं पड़ी। नतीजतन उन्हें पाकिस्तान के खिलाफ हारना पड़ा। पश्चिम जर्मनी के साथ कांस्य पदक के मुकाबले में उन्होंने लाउडस्पीकर की आवाजों के बीच बिल्कुल चुप रहकर अभ्यास किया। भुवनेश्वर और राउरकेला में भी इसी तरह की भीड़ होगी। भीड़ के शोर से निपटने के लिए टीम को इसी तरह से अभ्यास कराया जा रहा है।

चुप रहकर अभ्यास कर रहे खिलाड़ी

राउरकेला के बिरसा मुंडा स्टेडियम में दर्शकों की क्षमता 21 हजार के आसपास है। इसे देश का सबसे बड़ा हॉकी स्टेडियम बताया जा रहा है। राउरकेला और भुवनेश्वर दोनों में भारतीय टीम के मैचों के सारे टिकट बिक चुके हैं। ऐसे में स्टेडियम में शोर अपने चरम पर होगा। इसी से निपटने के लिए भारतीय टीम कृत्रिम शोर के बीच बिलकुल चुप रहकर अभ्यास कर रही है, जिससे उसे विश्वकप के मैचों में कोई खामियाजा नहीं भुगतना पड़े।

नजरों और हाथों से कर रहे हैं इशारा

टीम में गोलकीपर पीआर श्रीजेश और कप्तान हरमनप्रीत सिंह को जोर से बोलने की आदत है। दोनों खिलाड़ी बोलकर पास देते हैं और दूसरे खिलाड़ी को निर्देश भी देते हैं। इन दोनों ही खिलाड़ियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे बोलेंगे नहीं सिर्फ आंखों में देखेंगे, हाथों से इशारा करेंगे और कंधों पर नजर रखेंगे। इन्हीं इशारों से सभी खिलाड़ियों को अपनी रणनीति से अवगत कराना है। रोड ने सभी खिलाड़ियों को एक दूसरे पर लगातार निगाह रखने के निर्देश दिए हैं।

हरेंदर ने किया था सबसे पहले प्रयोग

भारतीय टीम के कोच हरेंदर सिंह भीड़ से निपटने के लिए कृत्रिम आवाजों का प्रयोग पहले भारतीय टीम के लिए कर चुके हैं, जिसका काफी फायदा मिला।

पीवी सिंधु को पहले ही दौर में कैरालिना मारिन ने हराया, लक्ष्य सेन को हराकर आगे बढ़े प्रणय

कुआलालंपुर। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु चोट के बाद वापसी करते हुए मलयेशियाई ओपन में अपने पहले ही मैच में हार गईं। वहीं, एचएस प्रणय ने हमवतन लक्ष्य सेन को हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई। छठी वरीय सिंधु पिछले साल अगस्त में राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक हासिल करने के बाद खेल रही थीं। स्वर्ण जीतने के बाद उनके बाएं टखने में चोट लगी थी। सिंधु को पहले दौर में स्पेन की ओलंपिक चैंपियन कैरालिना मारिन ने 59 मिनट में 21-12, 10-21, 21-15 से हरा दिया। इससे पहले विश्व के आठवें नंबर के खिलाड़ी प्रणय ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए उत्तराखंड के सेन को 22-24, 21-12, 21-18 से शिकस्त दी। उनका अगले दौर में सामना इंडोनेशिया के चिको औरा ड्वी वारडोयो से होगा। सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी कोरिया के चोई सोल ग्यू और किम वोन हो को 21-16, 21-13 से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई। मालविका बनसोड़ को पहले दौर की बाधा को पारी नहीं कर सकीं और उन्हें कोरिया की एन सी यंग से 9-21, 13-21 से हार का सामना करना पड़ा।

विश्व कप जीतने के 25 दिन बाद मेसी की धमाकेदार वापसी, गोल कर पेरिस सेंट जर्मेन को दिलाई जीत

पेरिस।
अर्जेंटीना के कप्तान लियोनल मेसी ने 18 दिसंबर 2022 को विश्व कप जीतने के 25 दिन बाद मैदान पर वापसी की। अपने क्लब पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) के लिए इस साल पहली बार खेलने उतरे मेसी ने शानदार गोल किया और टीम को जीत दिलाई। मेसी के गोल की बदौलत पीएसजी ने एंजर्स को 2-0 से हरा दिया। इस जीत के साथ पीएसजी के 18 मैचों में 47 अंक हो गए हैं। लीग-1 की अंक तालिका में टीम पहले पायदान पर काबिज है।

मेसी विश्व कप जीतने के बाद छुट्टी पर थे। ब्रेक के बाद वह तीन जनवरी को क्लब से जुड़े। मेसी को विश्व कप के बाद पीएसजी ने तीन मैचों में आराम करने का मौका दिया। वापसी करते हुए उन्होंने शानदार गोल किया। टीम के लिए मैच में पहला गोल पांचवें मिनट में ह्यूगो एकीटिके ने किया। हाफटाइम तक पीएसजी की टीम 1-0 से आगे थी। दूसरे हाफ मेसी का जादू देखने को मिला। उन्होंने 72वें मिनट में स्कोर कर टीम को 2-0 से आगे कर दिया।

पीएसजी के लिए इस मैच में किलियन एम्बाप्पे नहीं खेले। उन्होंने मेसी की टीम अर्जेंटीना के खिलाफ विश्व कप फाइनल में हैट्रिक गोल किया था। हालांकि, वह फ्रांस को लगातार दूसरी बार विश्व चैंपियन नहीं बना सके। एम्बाप्पे को आराम दिया गया था। पीएसजी के कोच क्रिस्टोफर गाल्टियर ने मैच के बाद कहा, मेसी अच्छी तरह से रिकवर होकर आए हैं। वह तनावमुक्त हैं और शारीरिक रूप से अच्छी स्थिति में हैं। मेसी के साथ टीम अलग दिखती है।

लीग-1 में एंजर्स की ये लगातार 10वीं हार है। वह 18 मैचों में आठ अंकों के साथ सबसे नीचे 20वें पायदान पर है। पीएसजी पहले स्थान पर है। दूसरे स्थान पर काबिज लेंस से उसके छह अंक ज्यादा हैं। लेंस ने भी पीएसजी के बराबर 18 मैच खेले हैं। उसके 41 अंक हैं। तीसरे पायदान पर काबिज मार्सिले के 18 मैचों में 39 अंक हैं।

हाथी पांव होने से लगा कभी क्रिकेट नहीं खेल पाऊंगा, ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख क्रिकेटर ने सुनाई आपबीती

नई दिल्ली।
ऑस्ट्रेलिया के स्टार ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने बिग बैश लीग में एडिलेड स्ट्राइकर्स और मेलबर्न रेनेगेड्स के बीच मैच मे कमेंट्री करते हुए एक बड़ा खुलासा किया। मैक्सवेल ने कहा, मुझे लगा था कि मैं शायद अब दोबारा क्रिकेट नहीं खेल पाऊंगा। 34 साल के मैक्सवेल को एक घटना के दौरान बाएं पैर में चोट लगी थी और उन्हें नवंबर में सर्जरी से गुजरना पड़ा था। ग्लेन मैक्सवेल ने अपने पूर्व टीम साथी ब्रेड हैडिन से ऑन एयर से बातचीत करते हुए कहा, अस्पताल में पहला सप्ताह काफी मुश्किल भरा था।

मुझे लगा था कि शायद मैं दोबारा कभी क्रिकेट नहीं खेल पाऊंगा। जब मैं अस्पताल में था, तब ऐसे ख्याल आ रहे थे क्योंकि मेरे पैर एकदम गुब्बारे की तरह लग रहे थे। मैक्सवेल ने अस्पताल से घर लौटने के बाद दर्दभरा अनुभव साझा किया। मैक्सवेल ने कहा, अस्पताल से वापस लौटने के बाद मैं अगले सप्ताह अपने घर में था। मुझे लगा कि घर में आसानी होगी। मगर नर्स का नहीं होना और लगातार दर्द वाली दवाइयां खाने से मुझे बहुत दर्द महसूस हुआ। घर में रहना बड़ा मुश्किल लगा। ग्लेन मैक्सवेल ने कहा कि उन्हें अपनी रिकवरी पर गर्व है। उन्होंने कहा, मुझे बहुत गर्व है कि कैसे दिन रात मेहनत करके ठीक हुआ हूं। कई रातें गुजरी जब नींद नहीं आई। पैर की बर्फ से सिकाई की और खुद को तैयार किया। याद दिला दें कि ग्लेन मैक्सवेल ने चोट के समय कहा था कि मेलबर्न में पुराने स्कूल टीचर की हाउस पार्टी में बैकयार्ड होर्सप्ले के दौरान उनके पैर में चोट लगी थी।

केएल राहुल आउट होने के तरीके खोजते हैं, कोच को उनकी खामियों पर काम करना चाहिए, पूर्व कप्तान ने दी अहम सलाह

नई दिल्ली।
भारतीय टीम के पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन का मानना है कि केएल राहुल को राष्ट्रीय टीम के कोचों के साथ अपनी तकनीकी खामियों पर निरंतर काम करते रहना चाहिए। 57 साल के अजहर इस बात से निराश हैं कि केएल राहुल जैसा प्रतिभाशाली बल्लेबाज अपनी पूरी क्षमता का उपयोग नहीं कर पा रहा है। अजहरुद्दीन ने बातचीत में कहा, मेरे ख्याल से केएल राहुल के मामले में निरंतरता बड़ी दिक्कत है। मगर मेरा मानना है कि वहां कोचों को उनकी कमियों पर काम करने की जरुरत है। मेरे विचार में वो अच्छे खिलाड़ी हैं, लेकिन उनके खेल में निरंतरता की कमी है। राहुल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी के बाद दमदार प्रदर्शन नहीं किया है। श्रीलंका के खिलाफ पहले वनडे में वो 39 रन बनाकर आउट हुए। अजहर ने कहा, मेरे ख्याल से राहुल कई तरह से आउट हुए हैं। पहले तो वो खराब गेंदों पर अपना विकेट खो रहे थे। फिर शॉट चयन ने उनकी मुसीबतें खड़ी कर दीं। अजहरुद्दीन का मानना है कि सभी सीनियर खिलाड़ियों को समय निकालकर घरेलू क्रिकेट जरूर खेलना चाहिए। रोहित शर्मा और विराट कोहली ने

श्रीलंका के खिलाफ पहले वनडे में अच्छा प्रदर्शन किया और अजहर का मानना है इस साल विश्व कप में ये दोनों भारत के प्रमुख खिलाड़ी होंगे। अजहरुद्दीन ने कहा, रोहित-विराट दोनों शानदार और क्लास खिलाड़ी हैं। इन्होंने पहले भी शानदार प्रदर्शन किया है। इनके रिकॉर्ड्स सब बताते हैं। मेरा मानना है कि इस साल विश्व कप में रोहित और विराट शानदार प्रदर्शन करेंगे। वनडे प्रारूप में दोनों ने निरंतर बेहतर प्रदर्शन किया है।

अजहरुद्दीन ने हार्दिक पांड्या को टी20 प्रारूप का कप्तान बनाने का समर्थन किया है। उन्होंने कहा, हार्दिक पांड्या लीडर के रूप में अच्छे लगे और ऐसा लगता है कि वो टीम को साथ लेकर चलना जानते हैं। मगर उन्हें अपनी पीठ को लेकर सतर्क रहने की जरुरत है, जिसके कारण वो लंबे समय तक बाहर रहे हैं। भारत को हार्दिक की जरुरत होगी और हम उनकी चोट को लेकर जोखिम नहीं उठाना चाहते।

नाओमी ओसाका ने गर्भवती होने की दी जानकारी

कहा- अपने पहले बच्चे की उम्मीद कर रही हूं

टोक्यो।
चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन जापानी टेनिस खिलाड़ी नाओमी ओसाका ने घोषणा की कि वह गर्भवती हैं और 2024 तक टेनिस से ब्रेक लेंगी। नाओमी ओसाका ने कहा कि वह ऑस्ट्रेलियन ओपन से हटने के कुछ दिनों बाद अपने पहले बच्चे की उम्मीद कर रही हैं। 25 वर्षीय ओसाका ने इस सप्ताह कहा कि वह सितंबर में पैन पैसिफिक ओपन के बाद से डब्ल्यूटीए टूर पर प्रतिस्पर्धा मैच नहीं खेलने के बाद साल के पहले ग्रैंड स्लैम से बाहर हो रही हैं।

टेनिस में जापान का प्रतिनिधित्व करने वाली दुनिया की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी ओसाका ने एक सोनोग्राम तस्वीर के साथ एक ट्विटर पोस्ट में कहा कि टेनिस कोर्ट पर वापस आने का इंतजार नहीं कर सकती, लेकिन 2023 के लिए अपनी जिंदगी से जुड़ा एक अपडेट है। उन्होंने कहा कि मुझे पता है कि मेरे पास भविष्य में देखने के लिए बहुत कुछ है, लेकिन एक चीज जो मैं आगे देख

रही हूं वह यह है कि मेरा बच्चा मेरा एक मैच देखे और किसी को बताए कि वह मेरी मां है। उन्होंने कहा कि 2023 मेरे लिए सबक से भरा साल होगा और मैं उम्मीद करती हूं कि 2024 में ऑस्ट्रेलियन ओपन में वापसी करते हुए अगले साल की शुरुआत में आपको देखूंगी। आप सभी को ढेर सारा प्यार। 25 साल की ओसाका ने सितंबर से कोई टेनिस मैच नहीं खेला है और अगले हफ्ते शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलियन ओपन से हटने के फैसले ने कई पर्यवेक्षकों को हैरान कर दिया। दो बार की ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन नाओमी ओसाका ने रविवार (आठ जनवरी) को साल के पहले ग्रैंड स्लैम से हटने का फैसला किया था। उन्होंने ऑस्ट्रेलियन ओपन के शुरू होने से एक सप्ताह पहले ही अपना नाम वापस ले लिया। ओसाका 2019 और 2021 में चैंपियन बनी थीं। ओसाका ने पेट में दर्द के कारण सितंबर में टोक्यो में एक टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद से कोई प्रतिस्पर्धी मैच नहीं खेला है और विश्व रैंकिंग में 42वें स्थान पर आ गई हैं। ओसाका ने 2019 और 2021 में ऑस्ट्रेलियन ओपन और 2018 और 2020 में यूएस ओपन में जीत के साथ चार ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीते हैं। यह घोषणा उन अटकलों के बीच की गई है कि सबसे अधिक कमाई करने वाली महिला एथलीटों में से एक ओसाका अपने पेशेवर खेल करियर से पीछे हट रही हैं।

जय शाह ने रिकॉर्ड तोड़ पारी खेलने वाले पृथ्वी शॉ की जमकर की तारीफ

नई दिल्ली। भारतीय बल्लेबाज पृथ्वी शॉ ने असम के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मैच में मुंबई के लिए 379 रन की पारी खेली। दाएं हाथ के बल्लेबाज ने 383 गेंदों में 49 चौके और चार छक्के की मदद से 379 रन बनाए। पृथ्वी शॉ का रणजी ट्रॉफी इतिहास में दूसरा सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत स्कोर है। उन्होंने संजय मांजरेकर (377 रन) के 32 साल पुराने रिकॉर्ड को तोड़ा था। पृथ्वी शॉ पिछले चार मैचों में बड़ा स्कोर बनाने में नाकाम रहे, लेकिन गुवाहाटी में उन्होंने शानदार शतक जमाकर अपना फॉर्म दर्शाया। पृथ्वी शॉ ने भारत के लिए आखिरी मुकाबला जुलाई 2021 में खेला था। पृथ्वी शॉ लंबे समय से घरेलू और फ्रेंचाइजी क्रिकेट में रन बना रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद भारतीय टीम से उन्हें नजरअंदाज किया जा रहा है। बहरहाल, असम के खिलाफ 379 रन की पारी खेलकर पृथ्वी शॉ ने कई रिकॉर्ड्स तोड़े और देशभर से उन्हें तारीफें मिल रही हैं। बीसीसीआई सचिव जय शाह भी इस फेहरिस्त में शामिल हो गए हैं। जय शाह ने अपने आधिकारिक ट्विवर अकाउंट के जरिये युवा बल्लेबाज की तारीफ की है। शाह ने ट्वीट किया, रिकॉर्ड बुक्स में एक और एंट्री। पृथ्वी शॉ ने कितनी शानदार पारी खेली। रणजी ट्रॉफी में दूसरा सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत स्कोर बनाने के लिए शुभकामनाएं। बहुत क्षमता वाली एक प्रतिभा। बहुत गर्व। इसके बदले में पृथ्वी शॉ ने जो जवाब दिया, वो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। शॉ ने अपने जवाब में कहा, धन्यवाद जय शाह सर। आपके हौसला बढ़ाने वाले शब्द काफी मायने रखते हैं।

भाषा की सीमा...

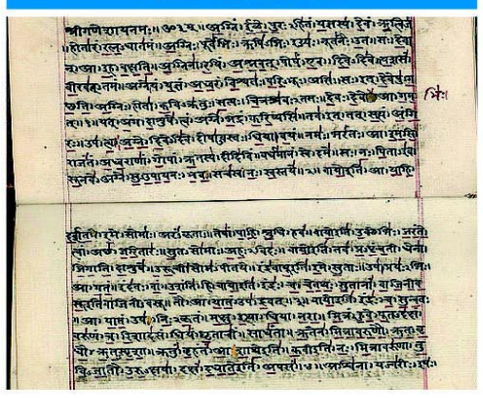

आध्यात्मिक अनुभव शब्दों में व्यक्त नहीं किए जा सकते। कुछ चीजें ऐसी होती हैं जिन्हें शब्द नहीं दिए जा सकते। जहां हम बोल नहीं सकते वहां हमें मौन के साथ व्यक्त करना चाहिए। नैतिकता, धार्मिक और सौंदर्यबोध विषयक मुद्दे और उनके समाधान प्राकृतिक विज्ञान से अलग, उत्तमोत्तम होते हैं। ऐसे अनुभवों को समझने के लिए व्यक्ति के पार जाना होगा। शंकराचार्य भी कहते हैं कि आत्मा और ब्रह्म अपने आपको प्रदर्शित करते हैं, यदि कुछ स्थितियां मेल खाएं। आत्मा जो कि हमेशा उपस्थित रहने वाली वास्तविकता है अपने आपको तब प्रकट करती है जब ज्ञान के सही माध्यम उपस्थित होते हैं, वह स्थान, या समय या औपचारिक पवित्रता में विश्वास नहीं रखती। सभी आध्यात्मिक अनुभवों के मामले में, कहने का स्थान प्रदर्शन ने ले लिया है। वह व्यक्ति जिसने उसे महसूस कर लिया या समझ लिया है, वह वाक्य जिसका उपयोग वर्णन के लिए हुआ, या ऐसे अनुभव का वर्णन करना अतर्कसंगत होने के अलावा और कुछ नहीं है। उसके लिए भाषा बेकार है। भाषा केवल छत तक पहुंचने का साधन है। जब वह छत पर पहुंच जाता है, तो उसे बोलना ही पड़ता है, सीढ़ियां दूर फेंक दो, वह चढ़ने का आदि हो जाएगा। ऋग्वेद भाषा की सीमा के बारे में बात करता है। इसे अधिक से अधिक बतौर एक टूल या सीढ़ी के रूप में इस्तेमाल में लाया जा सकता है। व्यवहारिक स्तर पर इसे एक दिन का कार्य अनुभव के रूप में वर्णित किया जा सकता है। लेकिन जिस क्षण हम भाषा का इस्तेमाल उच्चतर और गहरे अनुभवों और उनके ज्ञान का वर्णन करने की कोशिश करेंगे, वह व्यक्ति में असफल हो जाएगी। ऋग्वेद कहता है, ब्रह्मज्ञान की अवस्था पर शब्द और अर्थ के बीच का अंतर गायब हो जाता है। वहां भाषा के लिए कोई जगह नहीं होती। हमारे अनुभव और इनका ज्ञान उच्चतर स्तर का है या सांसारिक चीजों के बारे में इस बात की जांच करने का मानदंड यह है कि क्या भाषा उसे व्यक्त करने में सफल है या नहीं है। इसलिए यह कहा जाता है, जहां भाषा अवकाश पर जाती है, और उस पर परिलक्षित होने की कोई बात नहीं होती, तो वह आत्मज्ञान की उच्चतम अवस्था होती है। कठोपनिषद् कहता है कि ब्रह्म की प्रकृति ऐसी है कि उसे वाद-विवाद और चर्चा द्वारा समझा नहीं जा सकता। इसे शब्द नहीं दिए जा सकते।

पर्स का वास्तु...

घर का वास्तु, आफिस का वास्तु, आपकी कार का वास्तु, हर चीज में जब आप वास्तु का ध्यान रखते आए हैं तो पर्स में वास्तु का ध्यान क्यों नहीं रखा जा सकता? जिस तरह हमारे आसपास का वातावरण हमें प्रभावित करता है। उसी प्रकार हमारा बैग या पर्स भी हमें प्रभावित करता है। सभी चाहते हैं कि उनका पर्स हमेशा पैसों से भरा रहे और फिजूल खर्च न हो। आय बढ़ाने और फिजूल खर्चों में कमी करने के लिए पर्स का वास्तु भी ठीक करने की आवश्यकता है। कुछ लोग पर्स में ही चाबियां भी रखते हैं,

चाबियां रखना अशुभ माना जाता है। किसी भी प्रकार की अपवित्र वस्तु न रखें। फिजूल वस्तुओं को तुरंत निकाल दें। पर्स में सिक्के और नोट दोनों ही अलग-अलग स्थानों पर रखने चाहिएं। पर्स में मृत व्यक्तियों के चित्र रखना भी शुभ नहीं माना जाता। पर्स में संत-महात्मा के चित्र रखे जा सकते हैं। यदि कोई संत या महात्मा देह त्याग चुके हैं तब भी उनके चित्र या फोटो पर्स में रखे जा सकते हैं क्योंकि शास्त्रों के अनुसार देह त्यागने के बाद भी संत-महात्माओं को मृत नहीं माना जाता। पर्स में धार्मिक और पवित्र वस्तुएं रखें। इनसे सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है और जिन्हें देखकर मन प्रसन्न होता है। इन्हें भी रुपए-पैसों से अलग ही रखना शुभ है। पर्स में नोट या सिक्कों के साथ खाने की चीजें नहीं रखनी चाहिएं। पर्स में किसी भी प्रकार के बिल या भुगतान से संबंधित कागज नहीं रखने चाहिए। अपने पर्स में एक लाल रंग का लिफाफा रखें। इसमें आप अपनी कोई भी मनोकामना एक कागज में लिख कर रखें। वह शीघ्र पूरी होगी। रात्रि में सोते समय पर्स कभी भी सिराहने न रख कर उसे हमेशा अलमारी में रखें। अपने पर्स में किसी पूर्णिमा को लाल रेशमी कपड़े में चुटकी भर या 21 दाने अखंडित चावल बांध कर छुपा कर रखने से बेवजह खर्च नहीं होता है।

विकारों पर विजय का मार्ग...

हम सभी समय-समय पर द्वेष, वैमनस्य, क्रोध, भय, ईर्ष्या आदि के कारण दुखी होते हैं। हमें चाहिए कि हम शांतिपूर्वक जीवन जीएं और औरों के लिए भी शांति का ही निर्माण करें, लेकिन यह कैसे हो सकता है? एक तरफ हमारे मन में जागने वाले विचार और विकार हैं और दूसरी तरफ सांस एवं शरीर पर होने वाली संवेदनाएं हैं। मन में कोई भी विचार या विकार जागता है तो तत्क्षण सांस एवं संवेदनाओं को प्रभावित करता है। दोनों का ही मन के विकारों से सीधा संबंध है। इस प्रकार हम सांस और संवेदनाओं को देख कर विकारों को देख सकते हैं। ऐसा करने पर शीघ्र ही हम देखेंगे कि विकार दूर होने लगा।

सभी सुख एवं शांति चाहते हैं, क्योंकि हमारे जीवन में सही सुख एवं शांति नहीं है। हम सभी समय-समय पर द्वेष, दौर्मनस्य, क्रोध, भय, ईर्ष्या आदि के कारण दुखी होते हैं। जब हम दुखी होते हैं तब यह दुःख अपने तक ही सीमित नहीं रखते। हम औरों को भी दुखी बनाते हैं। जब कोई व्यक्ति दुखी होता है तो आसपास के सारे वातावरण को अप्रसन्न बना देता है और उसके संपर्क में आने वाले लोगों पर इसका असर होता है। सचमुच, यह जीवन जीने का उचित तरिका नहीं है। हमें चाहिए कि हम भी शांतिपूर्वक जीवन जीएं और औरों के लिए भी शांति का ही निर्माण करें। आखिर हम सामाजिक प्राणि हैं, हमें समाज में रहना पड़ता है और समाज के अन्य व्यक्तियों के साथ पारस्परिक संबंध रखना है। ऐसी स्थिति में हम शांतिपूर्वक जीवन कैसे जी सकते हैं? कैसे हम अपने भीतर सुख एवं शांति का जीवन जीएं और कैसे हमारे आसपास भी शांति एवं सौमनस्यता का वातावरण बनाए, ताकि समाज के अन्य लोग भी सुख एवं शांति का जीवन जी सके?

हम अशांत क्यों होते हैं?

हमारे दुःख को दूर करने के लिए पहले हम यह जान लें कि हम अशांत और बेचैन क्यों हो जाते हैं। गहराई से ध्यान देने पर साफ मालूम होगा कि जब हमारा मन विकारों से विकृत हो उठता है तब वह अशांत हो जाता है। हमारे मन में विकार भी हो और हम सुख एवं सौमनस्यता का अनुभव करें, यह संभव नहीं है। ये विकार क्यों आते है, कैसे आते है? फिर गहराई से ध्यान देने पर साफ मालूम होगा कि जब कोई व्यक्ति हम से मनचाहा व्यवहार नहीं करता उसके अथवा किसी अनचाही घटना के प्रतिक्रियास्वरूप विकार आते हैं। अनचाही घटना घटती है और हम भीतर तनावग्रस्त हो जाते हैं। मनचाही बात के न होने पर, मनचाही बात के होने में कोई बाधा आ जाए तो हम तनावग्रस्त होते हैं। हम भीतर गांठे बांधने लगते हैं। जीवन भर अनचाही घटनाएं होती रहती हैं, मनाचाही कभी होती है, कभी नहीं होती है, और जीवन भर हम प्रतिक्रिया करते रहते हैं, गांठे बांधते रहते हैं। हमारा पूरा शरीर एवं मानस इतना विकारों से, इतना तनाव से भर जाता है कि हम दुखी हो जाते हैं।

दुःख से बचने का उपाय

इस दुःख से बचने का एक उपाय यह कि जीवन में कोई अनचाही होने ही न दें, सब कुछ मनचाहा ही हों। या तो हम ऐसी शक्ति जगाए या और कोई हमारे मददकर्ता के पास ऐसी ताकद होनी चाहिए कि अनचाही होने न दें और सारी मनचाही पूरी हो। लेकिन यह असंभव है। विश्व में ऐसा कोई व्यक्ति नहीं है जिसकी सारी इच्छाएं पूरी होती है, जिसके जीवन में मनचाही ही मनचाही होती है, और अनचाही कभी भी नहीं होती। जीवन में अनचाही होती ही है। ऐसे में प्रश्न उठता है, कैसे हम विषम परिस्थितियों के पैदा होने पर अंधप्रतिक्रिया न दें? कैसे हम तनावग्रस्त न होकर अपने मन को शांत व संतुलित रख सकें?

एक उपरी उपाय

भारत एवं भारत के बाहर भी कई ऐसे संत पुरुष हुए जिन्होंने इस समस्या के, मानवी जीवन के दुःख की समस्या के समाधान की खोज की। उन्होंने उपाय बताया- जब कोई अनचाही के होने पर मन में क्रोध, भय अथवा कोई अन्य विकार की प्रतिक्रिया आरंभ हो तो जितना जल्द हो सके उतना जल्द अपने मन को किसी और काम में लगा दो। उदाहरण के तौर पर, उठो, एक गिलास पानी लो और पानी पीना शुरू कर दो–आपका गुस्सा बढेगा नहीं, कम हो जायेगा। अथवा गिनती गिननी शुरू कर दो–एक, दो, तीन, चार। अथवा कोई शब्द या मंत्र या जप या जिसके प्रति आपके मन में श्रद्धा है ऐसे किसी देवता का या संत पुरुष का नाम जपना शुरू कर दो। मन किसी और काम में लग जाएगा और कुछ हद तक तुम विकारों से, क्रोध से मुक्त हो जाओगे। इससे मदद हुई। यह उपाय काम आया। आज भी काम आता है। ऐसे लगता है कि मन व्याकुलता से मुक्त हुआ। लेकिन यह उपाय केवल मानस के उपरी सतह पर ही काम करता है। वस्तुतः हमने विकारों को अंतर्मन की गहराईयों में दबा दिया, जहां उनका प्रजनन एवं संवर्धन चलता रहा। मानस के उपर शांति एवं सौमनस्यता का एक लेप लग गया लेकिन मानस की गहराइयों में दबे हुए विकारों का सुप्त ज्वालामुखी वैसा ही रहा, जो समया पाकर फूट पड़ेगा ही।

विकार से सामना

भीतर के सत्य की खोज करने वाले कुछ वैज्ञानिकों ने इसके आगे खोज की। अपने मन एवं शरीर के सच्चाई का भीतर अनुभव किया। उन्होंने देखा कि मन को और काम में लगाना यानी समस्या से दूर भागना है। पलायन सही उपाय नहीं है, समस्या का सामना करना चाहिए। मन में जब विकार जागेगा, तब उसे देखो, उसका सामना करो। जैसे ही आप विकार को देखना शुरू कर दोगे, वह क्षीण होता जाएगा और धीरे धीरे उसका क्षय हो जाएगा। यह अच्छा उपाय है। यह उपाय दमन एवं खुली छूट की दोनों अतियों को टालता है। विकारों को अंतर्मन की गहराईयों में दबाने से उनका निर्मूलन नहीं होगा और विकारों को अकुशल शारीरिक एवं वाचिक कर्मों द्वारा खुली छूट देना समस्याओं को और बढाना है। लेकिन अगर आप केवल देखते रहोगे, तो विकारों का क्षय हो जाएगा और आपको उससे छुटकारा मिलेगा। कहना तो बड़ा आसान है, लेकिन करना बड़ा कठिन। अपने विकारों का सामना करना आसान नहीं है। जब क्रोध जागता है, तब इस तरह सिर पर सवार हो जाता है कि हमें पता भी नहीं चलता। क्रोध से अभिभूत होकर हम ऐसे शारीरिक एवं वाचिक काम कर जाते हैं जिससे हमारी भी हानि होती है, औरों की भी। जब क्रोध चला जाता है, तब हम रोते हैं और पछतावा करते हैं, इस या उस व्यक्ति से या भगवान से क्षमायाचना करते हैं-हमसे भूल हो गयी, हमें माफ कर दो। लेकिन जब फिर वैसी ही स्थिति का सामना करना पड़ता है तो हम वैसे ही प्रतिक्रिया करते हैं। बार-बार पश्चाताप करने से कुछ लाभ नहीं होता।

दो चेतावनियां

सांस और संवेदनाएं दो तरह से मदद करेगी। जैसे ही मन में कोई विकार जागा, सांस अपनी स्वाभाविकता खो देगी, वह हमें बताएगी कि देख, कुछ गड़बड़ है! हमें उसकी चेतावनी को मानना होगा। ऐसे ही संवेदनाएं हमें बताएंगी कि कुछ गलत हो रहा है। दोनों चेतावनी मिलने के बाद हम सांस एवं संवेदनाओं को देख सकते हैं। ऐसा करने पर शीघ्र ही हम देखेंगे कि विकार दूर होने लगा। यह शरीर और मन का परस्पर संबंध एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। एक तरफ मन में जागने वाले विचार एवं विकार हैं और दूसरी तरफ सांस एवं शरीर पर होने वाली संवेदनाएं हैं। मन में कोई भी विचार या विकार जागता है तो तत्क्षण सांस एवं संवेदनाओं को प्रभावित करता ही है। इस प्रकार, सांस एवं संवेदनाओं को देख कर हम विकारों को देख रहे हैं। पलायन नहीं कर रहे, विकारों के आमुख होकर सच्चाई का सामना कर रहे हैं। शीघ्र ही हम देखेंगे कि ऐसा करने पर विकारों की ताकत कम होने लगी, पहले जैसे वे हम पर अभिभूत नहीं होते। हम अभ्यास करते रहें तो उनका सर्वथा निर्मूलन हो जाएगा। विकारों से मुक्त होते होते हम सुख एवं शांति का जीवन जीने लग जाएंगे।

विकार की पहचान

हमारी कठिनाई यह है कि जब विकार जागता है तब हम होश खो बैठते हैं। विकार का प्रजनन मानस की तलस्पर्शी गहराईयों में होता है और जब तक वह उपरी सतह तक पहुंचता है तो इतना बलवान हो जाता है कि हम पर अभिभूत हो जाता है। हम उसको देख नहीं पाते। आलंबन को काटकर केवल विकार को देखना बिल्कुल आसान नहीं होता। लेकिन कोई व्यक्ति परम मुक्त अवस्था तक पहुंच जाता है, तो सही उपाय बताता है। ऐसा व्यक्ति खोज निकालता है कि जब भी मन में कोई विकार जागे तो शरीर पर दो घटनाएं उसी वक्त शुरू हो जाती हैं। एक, सांस अपनी नैसर्गिक गति खो देती है। सांस तेज एवं अनियमित हो जाती है। यह देखना बड़ा आसान है। दोन, सूक्ष्म स्तर पर शरीर में एक जीवरासायनिक प्रक्रिया शुरू हो जाती है जिसके परिणामस्वरूप संवेदनाओं का निर्माण होता है। हर विकार शरीर पर कोई न कोई संवेदना निर्माण करता है। यह प्रायोगिक उपाय हुआ। एक सामान्य व्यक्ति अमूर्त विकारों को नहीं देख सकता–अमूर्त भय, अमूर्त क्रोध, अमूर्त वासना आदि। लेकिन उचित प्रशिक्षण एवं प्रयास करेगा तो आसानी से सांस एवं शरीर पर होने वाली संवेदनाओं को देख सकता है। दोनों का ही मन के विकारों से सीधा संबंध है।

पुराने लहंगे के लुक को यूं बदलें ट्रेंडी स्टाइल में

अगर आप अपनी शादी के लहंगे को कई बार पहन चुकी हैं और अब उसे पहनते- पहनते बोर हो चुकी हैं, तो हम आपको बता रहे हैं 4 तरीके, जिससे आप अपने लहंगे को रिसाइल कर सकती हैं।

सबसे पहले बदले लहंगे का लुक

सबसे पहले आप अपने लहंगे का लुक बदल डालें। लहंगे को आप साड़ी स्टाइल, गुजराती लंहगा स्टाइल या रिस्ट स्टाइल (जिसमें दुपट्टे का एक कोना अपनी कलाई पर बांधते हैं) में पहन सकती हैं। इसमें आपको केवल करना होगा अपने लहंगे के साथ थोड़ा एक्सपेरिमेंट। इसमें आपके काम आएगा आपका टेलर। आप इसे ट्रडिशनल से हटाकर वेस्टनज़ भी बना सकती हैं और वो हो सकता है साड़ी गाउन के रूप में।

लहंगे को बनाएं अनारकली

अगर आपके पास कोई अच्छा टेलर है, तो आप अपने लहंगे या चोली (ब्लाउज़) का अनारकली भी बनवा सकती हैं। ऊपर के लिए सिंपल फैब्रिक को लहंगे के घेरे के साथ सिलवा लें। ऐसे ही अगर चोली का अनारकली बनवाना है, तो इसके नीचे किसी अच्छे फैब्रिक की कलियां जुड़वा लें।

चोली से बनाएं ब्लाउज़

शादी के लहंगे की चोली के साथ एक्सपेरिमेंट करें और इसे किसी साड़ी के साथ पहनें। जैसे अगर आपके पास एम्ब्रॉयडरी वाली क्रेप चोली है, तो इसे सिंपल क्रेप साड़ी के साथ पेयर करें। वेलवेट चोली को नेट साड़ी या वेलवेट साड़ी के साथ पहनें। दोस्त की शादी या कोई फंक्शन अटेन्ड करना हो, तो कोई सिंपल लहंगा खरीदें और उसे शादी की चोली और दुपट्टे के साथ पहन लें। ऐसा करके आपके पैसे भी बचेंगे और लहंगा भी यूज हो जाएगा।

अलग ड्रेस के साथ पेयर करें दुपट्टा

लंहगे के दुपट्टे को स्ट्रेट फिट वाले सूट, अनारकली या फिर पटियाला सलवार-कमीज़ के साथ मिक्स एंड मैच करके पहनें। अगर आपका वेडिंग दुपट्टा नेट या टिशू का है, तो इसे सिफ़ उसी कलर के रॉ सिल्क सूट या वेल्वेट अनारकली के साथ ट्राय करें। अगर आपका दुपट्टा जॉजेज़्ट का है तो इसे क्रेप या कॉटन सलवार-कमीज़ के साथ पहनें।आप लहंगे के साथ का दुपट्टा छोड़ दें। इसके साथ मिक्स एंड मैच करवाएं कॉट्रस्ट दुपट्टा। यह आपके लहंगे का पूरा लुक बदल देगा।

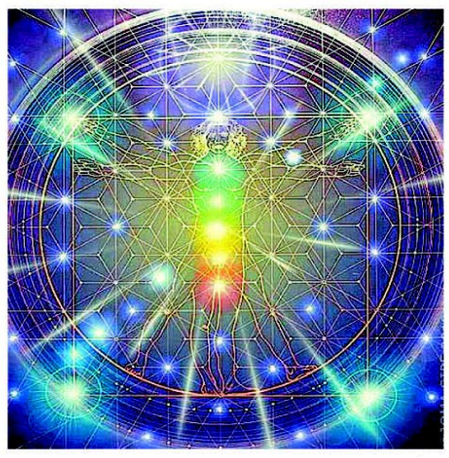

अपूर्णता से पूर्णता की ओर...

तीन आधारभूत स्तर ब्रह्मांड को प्रकट करते हैः भौतिक, अभौतिक और कारण संबंधी। यह सभी स्तर उत्तरोत्तर विकास के क्रम में हैं। मनुष्य अस्तित्व के भी तीन स्तर होते हैः स्थूल, सूक्ष्म और कारण। इनमें से एक चेतना को प्रदर्शित करता है। सबसे विकसित अवस्था चेतन स्तर है। मानव अस्तित्व की यह एक दोष रहित अवस्था है। लेकिन जहां अपूर्णता है वहां विकास की गुंजाईश है। अपूर्णता से पूर्णता की ओर जाने के आंदोलन को ही विकास कहते हैं। जो पूर्ण और शाश्वत है, ऐसे श्रेष्ठ या सबसे उत्तमोत्तम स्तर का विकास नहीं हो सकता है। लेकिन इसके अलावा अन्य स्तरों में विकास की गुंजाइश होती है। पांच अवयवों से मिलकर बना मानसिक स्तर वाला स्थूल शरीर ब्रह्मांड को प्रदर्शित करता है। यह जो हमारा शरीर है, वह उस ब्रह्मांड का ही छोटा रूप है, या यों कहें कि यह ब्रह्मांड का ही प्रर्दशन है। हर व्यक्ति का अधिकार है कि उस परमात्मा के ब्रह्मांडीय स्वरूप और उसके आनंद को प्राप्त करे और महसूस करे।

भौतिक शरीर अपूर्ण

भौतिक शरीर अपूर्ण और अस्थायी है। क्योंकि यह समय, स्थान और पहचान से बंधा है। मानव खुद को इन सब बंधनों यानी सापेक्षता से आजाद करने के लिए लगातार प्रयत्नशील है। अगर ऐसा नहीं होता तो बौद्धिक विकास भी नहीं होता। हमेशा भौतिक सुख सुविधाओं और उनसे जुड़े वजूद के लिए जूझने वाले लोगों को खुद के मानसिक विकास के लिए बहुत कम समय मिलता है। व्यक्ति हमेशा रोटी और मक्खन के फेर में भटकता रहता है। हर वक्त यही सोच और यही समस्या हावी रहती है। व्यक्तित्व के उन्नयन और क्रमिक विकास के लिए जिंदगी में न्यूनतम जरूरतों को पूरा कर सकें, बस इतने ही साधनों की जरूरत होती है।

बौद्धिक विकास करें

दो मानवों के बीच कोई मूलभूत अंतर नहीं है। सभी जीवन के लिए उर्जा एक ही जगह से पाते हैं। इसलिए विभेदों और झगड़ों के बारे में बात करना मानवीयता के विरुद्ध है। एक मैक्रोकासिमक इकाई में छोटी दुनिया बड़ी दुनिया से अपेक्षाकृत अधिक बड़ी होती है। इसी प्रकार माइक्रोकासिमक इकाई में भी होता है। मानवों को अपने बौद्धिक विकास की तरफ अधिक ध्यान केंद्रित करना चाहिए। अगर ऐसा नहीं होगा तो दिमाग पदार्थ में तब्दील हो जाएगा। दिमाग कभी भी रूका हुआ नहीं हो सकता है। इसलिए सभी को समान अवसर मिलने की जरूरत है। दुर्भावना ग्रसित रहना एक मानसिक बीमारी है। व्यक्ति के बौद्धिक विकास की खोज ही वास्तविक तलाश है। जबकि बौद्धिकता अस्थायी मुक्ति के बाद ही पाई जा सकती है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**